www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, मंगलवार, 8 जुलाई, 2025 | वर्ष-18 | अंक-93 | पृष्ठ-10 | मूल्य-3.00 रुपए

वृंदावन कॉरिडोर के नाम पर जमीन का खेल : अखिलेश 02

■ नफरत के खिलाफ एकजुट होकर करना होगा...
■ भैरो मार्ग से रिंग रोड की ओर जाम से मिलेगी... 03

■ कूटनीतिक बातचीत ही आगे बढ़ने का तरीका
■ पटरी से उतर चुके हैं एलन मस्क : ट्रंप 07

पंजाबी की तुलना में तेलुगु फिल्म सेट पर रहती 10

सार संक्षेप

छत्तीसगढ़ में कानून-व्यवस्था चरमराई : भूपेश बघेल

रायपुर। कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि छत्तीसगढ़ में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है और राजधानी रायपुर में भी लोग सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे। उन्होंने दावा किया कि डेढ़ साल में भाजपा कार्यकर्ता भी असमंजस में हैं कि सरकार किसके नियंत्रण में चल रही है।

एक लाख 'हिंदू सम्मेलन' आयोजित करेगा संघ: आंबेकर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में समाज के हर वर्ग से सम्पर्क करने के लिए विशेष अभियान चलाएगा और सामाजिक बुराइयों को दूर करने और धर्म-जागरण के लिए देश में एक लाख से अधिक जगह ' हिंदू सम्मेलन' आयोजित करेगा। इस अभियान के तहत संघ के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से सम्पर्क-संवाद करेंगे। अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने यह जानकारी दी।

संजोग गुप्ता 'आईसीसी' के नए सीईओ नियुक्त

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने संजोग गुप्ता को अपना सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की है। 'आईसीसी' ने नए सीईओ का ऐलान करते हुए कहा, आईसीसी संजोग गुप्ता का स्वागत करता है। वह क्रिकेट की वैश्विक यात्रा को एक परिवर्तनकारी भविष्य की ओर लेकर जाने की तैयारी कर रहे हैं। आईसीसी ने मार्च में वैश्विक भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी।

अवैध रूप से रह रहे 29 लोगों को डिपोर्ट किया

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका जिला पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे 29 विदेशी लोगों को पकड़कर डिपोर्ट किया। इनमें बांग्लादेश, आइवरी कोस्ट, नाइजीरिया, लाइबेरिया, तंजानिया और बेनिन के नागरिक शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि ये लोग बिना वैध वीजा के भारत में रह रहे थे, जिससे स्थानीय संसाधनों पर दबाव पड़ रहा था।

चिनार पुस्तक महोत्सव दो अगस्त तक श्रीनगर में होगा आयोजित

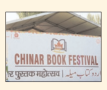

नई दिल्ली। राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद राष्ट्रीय पुस्तक न्यास और श्रीनगर जिला प्रशासन के सहयोग से चिनार पुस्तक महोत्सव जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में 2 से 10 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में इस बार करीब 150 प्रकाशकों के भाग लेने की उम्मीद है।

वोटर लिस्ट मामले में 10 को 'सुप्रीम' सुनवाई

एडीआर के वकील सिब्बल व सिंघवी ने जल्द सुनवाई की मांग की थी

■ आयोग के अभियान के खिलाफ कई याचिकाएं हैं दायर

■ चुनाव आयोग ने सिर्फ एक महीने की समय सीमा दी है

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के मामले को लेकर एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) सहित कई पक्षों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। एडीआर की ओर से दायर याचिका में वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने जल्द सुनवाई की मांग की है। सिब्बल ने कोर्ट में कहा, यह लाखों मतदाताओं का सवाल है। अगर इस कार्रवाई को तुरंत नहीं रोका गया तो इसका असर सबसे कमजोर तबके पर पड़ेगा।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस मामले में शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध स्वीकार करते हुए कहा कि अदालत गुरुवार दस जुलाई को इस मामले में विचार करेगी।

> यह लाखों मतदाताओं का सवाल है। अगर इस कार्रवाई को तुरंत नहीं रोका गया तो इसका असर सबसे कमजोर तबके पर पड़ेगा: **कपिल सिब्बल, वकील**

यह नामुमकिन काम है : सिंघवी

वकील अभिषेक मुन सिंघवी ने कहा, 8 करोड़ मतदाता हैं और 4 करोड़ को गणना करनी है। यह नामुमकिन काम है। 25 जुलाई तक दस्तावेज जमा करने की समय सीमा इतनी सख्त है कि अगर कोई चूक गया, तो उसका नाम सूची से बाहर हो जाएगा। उन्होंने कहा, यह समय सीमा इतनी कम है कि लाखों लोग प्रभावित हो सकते हैं। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अपनी याचिकाओं की प्रतियां चुनाव आयोग और अन्य पक्षों को सौंपने का निर्देश दिया। फिलहाल, एसआईआर के खिलाफ कई याचिकाएं दायर की गई हैं। इनमें आरजेडी सांसद मनोज झा, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, पीयूसीएल, योगेंद्र यादव और लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा शामिल हैं।

11 दस्तावेजों की सूची जारी

बिहार में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसको लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने 11 दस्तावेजों की सूची जारी की है। इसमें जिन दस्तावेजों का जिक्र किया गया है, उन्हें स्थानीय निवासी को फॉर्म के साथ बूथ लेवल ऑफिसर को देना होगा।

8 करोड़ बिहारियों के वोट छीनने की कोशिश में दो गुजराती : लालू

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले कराए जा रहे वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है। इसको लेकर विपक्ष ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस बीच लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से सरकार पर तीखा हमला बोला है। लालू प्रसाद ने एक्स पर लिखा, दो गुजराती मिलकर 8 करोड़ बिहारियों के वोट का अधिकार छिनने का प्रयास कर रहे है। इन दो गुजरातियों को बिहार, संविधान और लोकतंत्र से सख़्त नफ़रत है। जागो और आवाज उठाओ! लोकतंत्र और संविधान बचाओ!

मतदाताओं को न्याय दिलाने के लिए पहुंचे कोर्ट : केसी वेणगोपाल

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता वोटर सूची में नाम जुड़वाने के लिए परेशान हो रहे हैं और उन्हें आयोग की शर्तों के अनुसार दस्तावेज जुटाने में भारी दिक्कत हो रही है इसलिए लोगों को राहत देने के मकसद से और उनके साथ न्याय की मांग करते हुए इस मुद्दे को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि बिहार में मतदाता पुनरीक्षण का कार्य पूरी तरह से असंवैधानिक है और इसके खिलाफ कांग्रेस सहित नौ विपक्षी दलों ने एक साथ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

बिहार में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या

■ महिला को डायन बता कर जिंदा जलाया

■ 16 साल का बेटा घटना का चश्मदीद गवाह

■ पूर्णिया जिले में मुफस्सिल थाना क्षेत्र की घटना

पटना, 7 जुलाई (देशबन्धु)। बिहार में हत्या की बड़ी वारदात सामने आई है। प्रदेश के पूर्णिया जिले में एक महिला के डायन होने के शक में उसे और उसके परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। पांचों रविवार रात से ही रहस्यसमी ढंग से लापता थे। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के राजीगंज पंचायत के टेटगामा वार्ड संख्या 10 का है। इसी गांव में रहने वाले बाबू लाल उरांव, उसकी पत्नी और तीन अन्य लोगों को जिंदा जला दिया गया

मृतक बाबू लाल उरांव का 16 साल का बेटा खुद घटना का चश्मदीद गवाह है। वारदात के बाद से घर के आस-पास रहने वाले सभी लोग अपने घर से फरार हैं। पूरे गांव में सन्नाटा पसरा है। घटना को लेकर ग्रामीणों का कहना है कि गांव के कुछ लोगों को बाबू लाल उरांव की पत्नी पर डायन होने का शक था। इसी के बाद पड़ोसियों ने रविवार देर रात बाबू लाल उरांव, उसकी पत्नी और तीन अन्य को जिंदा जला कर मार डाला। पुलिस ने घटना की पुष्टि कर दी है, हालांकि इस पर अभी कुछ भी कहने से बच रही है। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना समेत आस-पास के तीन थाने की पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है।

पुलिस तीन लोगों से पूछताछ कर रही

घटनाक्रम के वक्त बाबू लाल उरांव का बेटा किसी तरह अपनी जान बचाकर भागा और नानी के घर पहुंचा, उसने आंखों देखी नानी को सुनाया, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। चश्मदीद बच्चे को लेकर एसपी स्वीटी सहरावत घटनास्थल पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। मुफ्फसिल थानाध्यक्ष उत्तम कुमार इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ कर रहे हैं।

ब्रिक्स देश घनिष्ठ सहयोग जारी रखेंगे : मोदी

प्रधानमंत्री बोले, ब्रिक्स का नया अर्थ-'सहयोग और स्थिरता के लिए लचीलापन और नवाचार

रियो डी जेनेरियो, 7 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स समूह को नया आयाम देते हुए कहा है कि इसका मतलब 'सहयोग और स्थिरता के लिए लचीलापन और नवाचार ' है। रियो डी जेनेरियो में सोमवार को 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दूसरे और अंतिम दिन अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले वर्ष भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स देश सभी विषयों पर घनिष्ठ सहयोग जारी रखेंगे और समूह को फिर से परिभाषित करने पर काम करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, अगले वर्ष भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत हम सभी विषयों पर घनिष्ठ सहयोग जारी रखेंगे...हम ब्रिक्स को फिर से परिभाषित करने की दिशा में काम करेंगे। भारत अगले वर्ष ब्रिक्स की

अगले वर्ष ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा भारत

अध्यक्षता संभालेगा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स का मतलब होगा सहयोग और स्थिरता के लिए लचीलापन तथा नवाचार । उन्होंने कहा कि जिस तरह जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जी-20 समूह को व्यापक बनाया और एजेंडे में ग्लोबल साउथ के मुद्दों को प्राथमिकता दी, उसी तरह ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान भारत इस मंच को जन-केंद्रित और मानवता सर्वोपरि की भावना से आगे ले जाएगा।

मलेशियाई प्रधानमंत्री से मिले मोदी

दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की समीक्षा की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-मलेशिया के बीच संबंधों की प्रगति की समीक्षा की और निवेश व व्यापार संबंधों को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मलेशियाई पीएम अनवर इब्राहिम के साथ मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ बहुत अच्छी बैठक थी।

दिल्ली में बारिश बनी मुसीबत

जलभराव व जाम ने बढ़ाई परेशानी

नई दिल्ली, 7 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी दिल्ली में सोमवार सुबह हुई बारिश ने जहां एक ओर गर्मी से राहत दी, वहीं दूसरी ओर लोगों के लिए कई समस्याएं भी खड़ी कर दीं। कई इलाकों में जलभराव और भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति देखी गई, जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

दफ्तर जाने वालों को हुई दिक्कतें

बारिश थमते ही दिल्ली की सड़कों पर भीड़ उमड़ पड़ी। गुरुग्राम से दिल्ली आने वाली सड़क पर धीरे-धीरे ट्रैफिक बढ़ने लगा है। वहीं, दिल्ली से गुरुग्राम की ओर जाने वाले रूट पर भी वाहनों की गति धीमी पड़ी हुई है। चूंकि सोमवार का दिन है और अधिकतर लोग ऑफिस के लिए

निकलते हैं, इसलिए बारिश के रुकने के तुरंत बाद सड़कों पर जगह-जगह ट्रैफिक जाम की स्थिति देखी गई। धौला कुआं से लेकर गुरुग्राम एयरपोर्ट जाने वाली सड़क पर कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। महिपालपुर और दिल्ली कैंट की ओर से आने वाले लोग जाम में बुरी तरह फंसे नजर आए। संगम विहार इलाके की एमबी रोड पर जलभराव के कारण लंबा जाम लग गया। सोमवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे की तस्वीरों में देखा जा सकता है कि सड़क पर काफी पानी भर चुका है और वाहनों की रफ्तार पूरी तरह थम चुकी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस जाम के चलते उन्हें ऑफिस पहुंचने में काफी देर हो रही है। यह समस्या हर बारिश के बाद यहां आम हो गई है, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। संगम विहार इलाके में कुछ लोगों ने कहा, जलभराव के कारण बड़ी परेशानी हो रही है।

पहाड़ों में मानसून बना आफत

भारी बारिश से चमोली-चंबा बेहाल

मैदान से पहाड़ों तक लगातार मानसूनी बारिश का दौर जारी है। मैदानी इलाकों में किसान और आम जनता बारिश से भले खुश हैं, लेकिन पहाड़ी इलाकों में बारिश आफत बन चुकी है। खासकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बारिश ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। उत्तराखंड के चमोली जिले में रविवार देर रात से लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश का असर आम जनजीवन पर पड़ा है। हिमाचल के चंबा जिले में भी लगातार बारिश हो रही है। इस कारण नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने फिर उठाया मामला

जस्टिस वर्मा मामले में तुरंत एफआईआर की जरूरत

■ धनखड़ ने कहा कैश कहां से आया, ये जानना जरूरी

■ जस्टिस वर्मा के घर बोरियों में अधजले नोट मिले थे

कोच्चि, 7 जुलाई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जस्टिस वर्मा केस मामले को फिर से उठाया। उन्होंने सोमवार को जस्टिस वर्मा के घर में मिले अधजले नोटों के मामले में तुरंत एफआईआर की बात कही। उन्होंने कहा, यह न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह हमारी न्यायपालिका की नींव को हिला देने वाला है। इस मामले की जड़ तक जाने की जरूरत है। कैश कहां से आया, ये जानना बहुत जरूरी है। केंद्र स्तर पर सरकार मजबूर है, क्योंकि 90 के दशक की शुरुआत में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण जस्टिस पर एफआईआर

> यह न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह हमारी न्यायपालिका की नींव को हिला देने वाला है : **जगदीप धनखड़, उपराष्ट्रपति**

दर्ज नहीं की जा सकती है। धनखड़ ने नेशनल एडवांस्ड लीगल स्टडीज यूनिवर्सिटी के सेमिनार में ये बातें कहीं। दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित घर में 14 मार्च की रात आग लगी थी। उनके घर के स्टोर रूम में 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले थे।

एक-दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए

उपराष्ट्रपति ने शक्तियों के अलगाव पर जोर देते हुए कहा, न्यायपालिका, कार्यपालिका, और विधायिका को एक-दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। यदि कोई संस्था दूसरे के क्षेत्र में दखल देती है, तो यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है।

छोटे निवेशकों की लूट पर चुप क्यों रही सेबी : राहुल

■ बाजार में छोटे निवेशकों को पनपने नहीं दिया

■ छोटे निवेशकों को लाखों करोड़ गंवाने पड़े

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज कहा कि उन्होंने फ्यूचर्स और ऑप्शंस-एफएंडओ में चल रहे खेल को लेकर पहले ही संकेत दे दिए थे लेकिन इस मामले में कोई ध्यान नहीं दिया गया और इसी का परिणाम रहा कि इस बाजार में छोटे निवेशकों को पनपने नहीं दिया और उनकी कमाई पर बड़े निवेशक मौज करते रहे। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ा घोटाला है जो लम्बे समय से चल रहा है और इस खेल में बड़ी हेराफेरी की बात करने वाली प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड-सेबी ने पहले इस पर कभी ध्यान नहीं दिया। कमाल यह है कि पांच वर्ष में एफ एंड ओ का कारोबार 45 गुना बढ़ा है छोटे निवेशकों को लाखों करोड़ रुपए गंवाने पड़े हैं। श्री गांधी ने कहा मैंने 2024 में साफ कहा था फ्यूचर्स और ऑप्शंस-एफ एंड ओ बाजार 'बड़े खिलाड़ियों' का खेल बन चुका है, और छोटे निवेशकों की जेब लगातार कट रही है। अब सेबी खुद मान रहा है कि जेन स्ट्रीट ने हज़ारों करोड़ की हेराफेरी की है। उन्होंने सवाल किया कि जब सेबी को सब कुछ पता था तो वह इतने समय तक चुप क्यों रही।

पंजाब में बस पलटने से 8 की मौत, 32 घायल

40 यात्रियों को लेकर हाजीपुर से दसूहा जा रही थी

होशियारपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब में जिला होशियारपुर के तलवाड़ा-दसूहा मार्ग स्थित गांव संघरां के पास सोमवार सुबह हाजीपुर से दसूहा जा रही एक निजी मिनी बस कार से टकरा कर पलट जाने से एक बालक सहित आठ लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य सवार घायल हो गए। मुकेरियां के पुलिस उपाधीक्षक कुलविंदर सिंह विर्क ने बताया कि करीब 40 यात्रियों को लेकर बस हाजीपुर से दसूहा जा रही थी, तभी सामने से आ रही एक कार से टकरा कर बस चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

तैयारी *भारत सहित कई देशों के साथ व्यापार वार्ता जारी*

अमेरिकी टैरिफ अब एक अगस्त से होंगे लागू

नई दिल्ली/वाशिंगटन, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के देश-विशिष्ट टैरिफ अब 1 अगस्त से प्रभावी होने वाले हैं, जो भारत सहित कई देशों के साथ व्यापार वार्ता के तेज होने के बीच एक अस्थायी राहत प्रदान करते हैं। इससे पहले, अमेरिकी टैरिफ 9 जुलाई से प्रभावी होने वाले थे। अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने मीडिया से बात करते हुए टैरिफ राहत की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अभी दरें और सौदे तय कर रहे हैं। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि हम 9 जुलाई तक अधिकांश देशों के साथ पत्रों या अंतिम समझौतों के माध्यम से काम पूरा कर लेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि आगामी टैरिफ बढ़ोतरी की चेतावनी देने वाले अधिसूचना पत्र सोमवार (अमेरिकी समय) से जारी होने लगेंगे। ट्रंप ने कहा कि बैठकर 15 अलग-अलग तरह की चीजों पर काम करने से कहीं

■ पहले 9 जुलाई से प्रभावी होने वाले थे

अधिक आसान नोटिस भेजना होगा। अगर आप संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार करना चाहते हैं तो आपको यही भुगतान करना होगा। अप्रैल में ट्रंप ने अमेरिका के अधिकांश व्यापारिक साझेदारों पर 10 प्रतिशत का बेस टैरिफ और उसके बाद 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की थी। अमेरिका ने अब तक यूनाइटेड किंगडम और वियतनाम के साथ व्यापार सौदों की घोषणा की है। इसी के साथ कुछ और व्यापार सौदे पाइपलाइन में हैं।

ब्रिक्स की नीतियों पर ट्रंप की घोषणा

मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारत का उच्च स्तरीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी अधिकारियों के साथ व्यापार वार्ता के बाद कृषि और डेयरी उत्पादों के व्यापार के संवेदनशील मुद्दे पर अंतिम समझौते पर पहुंचे बिना वाशिंगटन से लौट आया है, जिस पर अमेरिका जोर दे रहा है। इस बीच, ट्रंप ने घोषणा की है कि उन देशों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा जो ब्रिक्स की अमेरिकी विरोधी नीतियों के साथ खुद को जोड़ते हैं।

देश

उवाच “ पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है।

–संजय राउत,शिवसेना (यूबीटी) नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	34.0	27.0
मुंबई	29.0	27.0
कोलकाता	31.0	27.0
चेन्नई	37.0	28.0

देश में फर्जी तरीके से मेडिकल कॉलेजों को मान्यता देने के मामले में घोटाला : कांग्रेस

सीबीआई की प्राथमिकियों से उजागार फर्जीवाड़े को लेकर केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने कहा है कि देश में फर्जी तरीके से मेडिकल कॉलेजों को मान्यता देने के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकियों से साफ हो गया है कि चिकित्सा कॉलेजों को मान्यता देने में जबरदस्त घोटाला हुआ है और यह फर्जीवाड़ा स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा की सहमति के बिना संभव ही नहीं है इसलिए नड्डा को जिम्मेदारी लेते अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। कांग्रेस नेत्री डॉ.ओनिका मेहरोत्रा ने सोमवार को यहां पार्टी के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से कई मेडिकल कॉलेज को मान्यता प्रदान की गई है।

मेडिकल शिक्षा में फर्जीवाड़ा स्वास्थ्य मंत्री की सहमति के बिना संभव ही नहीं है इसलिए जिम्मेदारी लेकर इस्तीफा दें नड्डा : डॉ.ओनिका मेहरोत्रा

सीबीआई ने दो बड़े घोटाले किए उजागर

कांग्रेस नेत्री डॉ.ओनिका मेहरोत्रा ने कहा कि सीबीआई ने 25 जून को प्राथमिकी दर्ज की है जिसमें कई कॉलेजों के फर्जी होने के प्रमाण मिले हैं। उनका कहना था कि सीबीआई ने दो बड़े घोटाले उजागर किए हैं जिनमें एक एनएमसी में और दूसरा फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया में हुआ है और ये दोनों घोटाले कुख्यात व्यापम घोटाले से भी बड़े हैं। इस बार यह सिर्फ मध्य प्रदेश तक सीमित नहीं है बल्कि यह घोटाला राजस्थान, हरियाणा, इंदौर, वारंगल और विशाखापत्तनम तक फैला हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य मंत्री को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने भाजपा पर छात्रों का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सबसे पहले मध्य प्रदेश में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर व्यापम घोटाले की योजना बनी और फिर पूरे देश में पेपर लीक और भर्ती घोटाले हुए।

अब इस ठगी में फर्जी मेडिकल कॉलेज शामिल कर दिए हैं और एनएमसी फर्जी फैकल्टी, फर्जी मरीज, क्लोन फिंगरप्रिंट और छेड़छाड़ की गई बायोमेट्रिक प्रणाली का इस्तेमाल कर फर्जीवाड़े के जरिए मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी जा रही है। इस घोटाले में मोदी और नड्डा जिम्मेदार हैं क्योंकि उनकी नाक के नीचे देशभर में मेडिकल घोटाला हो रहे हैं लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया है। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार देश भर में 40 से अधिक मेडिकल कॉलेजों ने रिश्वत, फर्जी रिकॉर्ड और हेराफेरी करके मान्यता प्राप्त की है। जांचकर्ताओं के अनुसार है कि मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर की परवाह किए बिना निजी संस्थानों से करोड़ों रुपए की रिश्वत ली गई है। उन्होंने इस संबंध में कई मेडिकल कॉलेजों के नाम लिए और कहा कि सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के अनुसार, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया से जुड़ा एक अलग मामला सामने आया है। उन्होंने कहा कि इस बारे में दर्ज प्राथमिकी में अनियमितताओं का उल्लेख है।

बिहार में एनडीए एक डूबता हुआ जहाज : प्रमोद तिवारी

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि बिहार में एनडीए एक डूबता हुआ जहाज है। चिराग पासवान, रामविलास पासवान जैसे सम्मानित नेता के बेटे होने के बावजूद अशांत राजनीतिक जल में तैरते रहने की कोशिश कर रहे हैं। अगर वे सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं, तो इसका मतलब है कि अंदरूनी दरारें चौड़ी हो गई हैं और गठबंधन के कई सदस्य चुनाव से पहले ही बाहर निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। एनडीए के नेताओं को पता है कि वे कई सीटें हारने जा रहे हैं। उनकी हताशा नजर आ रही है। जबकि वे केंद्र सरकार बना रहे हैं, वे राज्य पर अपनी पकड़ खो रहे हैं। इससे उनके अपने सहयोगियों में भ्रम की स्थिति पैदा होती है।

झारखंड में सिमडेगा बाल सुधार गृह से छह किशोर फरार

सिमडेगा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में सिमडेगा बाल कल्याण गृह से रविवार देर रात छह किशोर फरार हो गए, जिनकी तलाश के लिए राज्यव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि हत्या सहित विभिन्न आपराधिक मामलों में हिरासत में लिए गए किशोर अंधेरे का फायदा उठाते हुए चारदीवारी फांदकर फरार हो गए।

फरार होने वालों में लातेहार का एक, पश्चिमी सिंहभूम के दो और गुमला के तीन किशोर शामिल हैं। इस घटना के बाद सिमडेगा मुख्यालय के डीएसपी और एसडीपीओ ने जांच शुरू कर दी है। फरार किशोरों की तलाश के लिए पुलिस टीमें तैनात की गई हैं। उल्लेखनीय है कि इस सुविधा में यह पहला विवाद नहीं है। कुछ महीने पहले हिरासत में कथित हमले के बाद एक किशोर की मौत हो गई थी, जिससे इस सुविधा के प्रशासन एवं सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हुए थे। सिमडेगा के पुलिस अधीक्षक मोहम्मद अर्शी ने किशोरों के फरार होने की पुष्टि करते हुए कहा कि लापता लड़कों का पता लगाने की कोशिश जारी है।

पहलगाम के आतंकी अब तक क्यों नहीं पकड़े गए : उद्धव ठाकरे

देश में हिंदुओं की रक्षा नहीं करने का लगाया आरोप

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठी बनाम हिंदी भाषा का विवाद तूल पकड़ता जा रहा है। इसे लेकर महायुति और महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) के बीच जुबानी जंग जारी है। इस बीच राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता आशीष शेलार मराठी भाषा के दुश्मन हैं। यह हमारे मराठी लोगों की तुलना आतंकवादियों से कर रहे हैं। यह गिरे हुए लोग हैं, क्योंकि पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों की तुलना किसी से नहीं की जा सकती है। क्या पहलगाम के आतंकवादी भाजपा में शामिल हो गए। अब तक वे पकड़े क्यों नहीं गए। यह शर्म की बात है कि आप भारत में हिंदुओं की रक्षा

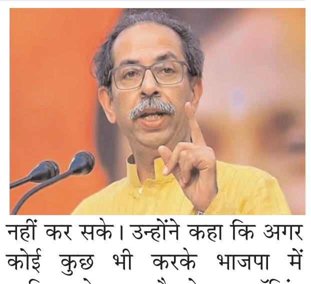

नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि अगर कोई कुछ भी करके भाजपा में शामिल हो जाता है तो वह वॉशिंग पाउडर निरमा से साफ हो जाता है। ठाकरे ने कहा कि कुछ बाहरी लोग आकर यहां लोगों के बीच नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। बीजेपी नेता आशीष शेलार ने मनसे कार्यकर्ताओं द्वारा व्यापारी की पिटाई करने की तुलना पहलगाम हमले से की। उन्होंने कहा कि जैसे पहलगाम में आतंकियों ने नाम और धर्म पूछकर निर्दोषों पर गोलियां चलाईं, वैसे ही मुंबई में निर्दोष हिंदुओं से उनकी भाषा पूछकर हमला किया जा रहा है।

किसी भी भाषा को जबरन थोपना ठीक नहीं

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम किसी भाषा का विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन किसी भी भाषा को जबरन थोपना ठीक नहीं है। मैं भी हिंदी बोल रहा हूं। हमारे सांसद भी संसद में हिंदी बोलते हैं। हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है, लेकिन उत्तर प्रदेश में तीसरी भाषा कौन सी होगी। उद्धव ठाकरे ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी की मूल भाजपा खत्म हो गई है। आज जो लोग सत्ता में हैं, उन्होंने मूल भाजपा की हत्या कर दी।

सार संक्षेप

जम्मू-कश्मीर में आज से खुलेंगे स्कूल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की स्कूली शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने सोमवार को कहा कि गर्मी की छुट्टियों के बाद मंगलवार से यहां के स्कूल खुलेंगे। स्कूल खुलने की इस आधिकारिक घोषणा के बाद ग्रीष्मावकाश बढ़ाए जाने की अटकलों पर विराम लग गया है। कश्मीर के स्कूलों में 15 दिनों की छुट्टी 23 जून को शुरू हुई थी। इटू ने कहा, हम कश्मीर संभाग और जम्मू संभाग के शीतकालीन क्षेत्रों में स्कूल खोल रहे हैं।

इजरायल के खिलाफ माकपा का डिजिटल विरोध का आह्वान

तिरुवनंतपुरम। केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने फिलिस्तीन के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए इजरायल के खिलाफ डिजिटल विरोध का आह्वान किया है। फिलिस्तीन के साथ एकजुटता दिखाने व इजरायल के खिलाफ डिजिटल विरोध में शामिल होने के लिए माकपा महासचिव मरियम अलेक्जेंडर बेबी ने लोगों से प्रतिदिन रात 9.00 बजे से 9.30 बजे तक फोन और कंप्यूटर बंद करने का आह्वान किया है। आम नागरिकों द्वारा एक मजबूत संदेश जाना चाहिए कि हम भी गाजा में इजरायल द्वारा किए जा रहे नरसंहार के खिलाफ कुछ कर सकते हैं।

दीमापुर में लगातार बारिश से तीन लोगों की मौत

दीमापुर/नागालैंड। नागालैंड के दीमापुर में बिजली का करंट लगने से तीन लोगों की मौत हो गई है। इस क्षेत्र में जोरदार बारिश हो रही है जिससे जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है और मौसम जनित हादसों में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है। रविवार को कुडा गांव में दो लोगों की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई जबकि शनिवार को पुलिस कॉलोनी में एक महिला की उस समय करंट लगने से मौत हो गई, जब वह पानी में डूबे इन्वर्टर को हटाने की कोशिश कर रही थी। दीमापुर, निउलैंड और चुमौकेदिमा जिलों में सप्ताहांत में भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को अपने घर खाली करने पड़े हैं।

डॉ. यादव ने मछुआरा समाज से की पंजीकरण की अपील

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य के मछुआरा समाज से नेशनल फिशरीज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण कराकर प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना का लाभ उठाने की अपील की है। यादव ने कहा कि उज्जैन में पहली बार भगवान राम के सखा के नाम पर मछुआरा भाइयों का निषादराज सम्मेलन 10 जुलाई को हो रहा है। मछली पालकों से मेरी अपील है कि नेशनल फिशरीज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण कराकर प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना का लाभ उठाएं।

नवीन पटनायक को अस्पताल से मिली छुट्टी

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष और विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक को सोमवार को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल से छुट्टी मिल गई। 22 जून को उनकी सर्जरी हुई थी। अस्पताल से नवीन पटनायक की एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें वे चिकित्सकों के साथ नजर आ रहे हैं। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में 22 जून को नवीन पटनायक की सर्जरी हुई थी। प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. रमाकांत पांडा की देखरेख में सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। डॉ. पांडा पटनायक के प्राइवेट डॉक्टर भी हैं। ऐसे में पहले ही उम्मीद जताई जा रही थी कि उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। इसी क्रम में सेहत में सुधार होने के बाद नवीन पटनायक अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए। सर्जरी के बाद पूर्व सीएम नवीन पटनायक के बड़े भाई प्रेम पटनायक ने एक वीडियो संदेश के जरिए बताया था कि बीजद प्रमुख की हालत में तेजी से सुधार हो रहा है और अब वह ठीक हैं। मैं उनके बारे में सोचने और उनके ठीक होने की प्रार्थना करने के लिए सभी का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद और आपकी शुभकामनाओं से वह जल्दी ठीक हो जाएंगे। नवीन पटनायक की सर्जरी के बाद मोदी ने उनसे बात की थी और उनके शीघ्र स्वस्थ होने एवं सार्वजनिक जीवन में शीघ्र वापसी की कामना की थी।

22 जून को हुई थी सर्जरी

वृंदावन कॉरिडोर के नाम पर जमीन का खेल : अखिलेश

लखनऊ, 7 जुलाई (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि वृंदावन में कॉरिडोर के नाम पर जमीनों का खेल हो रहा है। श्री यादव ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भाजपा की नज़र जमीनों पर है। अपने कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए भाजपा लाखों लोगों को उजाड़ रही है। ये कारीडोर रास्ता नहीं आस्था है। वृंदावन की गलियां आस्था की गलियां है। उनका हेरीटेज वैसा ही रहना चाहिए। सरकार चौड़ीकरण के नाम पर पुरानी चीजों को खत्म कर रही है। बात चौड़े रास्तों की नहीं, मैनेजमेंट की होती है। अगर चौड़ा स्थान से ही भीड़ संभल सकती है तो कुंभ खुले मैदान में लगा था वहां क्यों भगदड़ हो गयी।

उन्होने कहर कि भाजपा सरकार मैनेजमेंट में फेल हो जाता है। उसके सुधारने के बजाय तोड़फोड़ और बर्बादी करती है। भाजपा सरकार को उन देशों से प्रेरणा लेना चाहिए जिन्होंने अपनी विरासत और संस्कृति को बचाते हुए विकास किया है। वृंदावन में जो लोग

- पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित की प्रेस कांफ्रेंस
- वृंदावन की गलियां आस्था की गलियां है

आते है वे कुंज गलियों को देखने आते है। कुंज गलियों में राधा-कृष्ण के हजारों गीत बने हैं। उनका अपना इतिहास है।

श्री यादव ने कहा कि सारा झगड़ा जमीन का हैं जिस तरह से भाजपा ने अयोध्या में जमीनों में हेरफेर किया, वाराणसी में हजारों मंदिर तोड़े वही वृंदावन में भी करना चाहती है। मथुरा वृंदावन में पांच हजार से ज्यादा मंदिर हैं। जिन्हें पुराने जमाने के तमाम राजाओं और महाराजाओं ने उन्हें बनवाया है। भाजपा अपने लोगों को ठेका देकर उनसे चंदा वसूली करती है। मुआवजा के नाम पर घोटाला करती है। उन्होने कहा कि जनता आज मजबूर है। प्रदेश में नई सरकार आयेगी तब विकास के नाम पर भाजपा की विनाश की नीति हमेशा के लिए समाप्त कर दी जाएगी। हर मुआवजा, घोटाले की जांच होगी। भाजपा सरकार ने कई जगह जमीनों के अधिग्रहण के बदले में मुआवजा नहीं दिया या अपने लोगों को खुश करने के लिए खेल करते है। भाजपा जिस तरह का काम कर रही है उसे मथुरा वृंदावन कभी माफ नहीं करेगा। श्री यादव ने कहा कि भाजपा आस्था को व्यापार न बनाये। आस्था को आस्था रहने दें। जो वहां की परम्परागत चीजें होती रही हैं उस आर्टिटेक्चर को नष्ट न करें। भाजपा कोई भी चीज बना नहीं सकती है जो चीजें बनी है उसे बर्बाद कर देती है। श्री यादव ने कहा कि सच्चा रास्ता ही धर्म का रास्ता है। भेदभाव करने वाले सनातनी नहीं हो सकते है। अन्याय करने वाले, बच्चों से राजनीति करवाने वाले, नफरत पैदा करने वाले कभी सनातनी नहीं हो सकते है। केवल कपड़े पहनने से कोई योगी नहीं हो जाता है।

भाजपा सरकार पूरी दुनिया में बदनामी करा रही

समाजवादी सरकार में गोमती रिवर फ्रंट बनाया गया। इस सरकार ने बर्बाद कर दिया। वरुणा नदी पर रिवर फ्रंट का काम रोक दिया। गोमती, वरुणा, यमुना में गंदगी है। कूड़े का ढेर है। पानी से बदबू आ रही है। भाजपा सरकार पूरी दुनिया में बदनामी करा रही है। नदियों से जुड़ें विभाग के मंत्री जी अधिकारियों के साथ सफाई करने उतरे थे लेकिन गोमती नदी साफ नहीं हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में नदियों का बुरा हाल है। पूरे प्रदेश में सीवर ट्रीटमेंट प्लान बंद कर दिये गये हैं। नालों का पानी और गंदगी सीधे नदियों में डाला जा रहा है। बुंदेलखंड में नदियों में अवैध खुदाई करके जगह-जगह टीले बना दिए गए हैं। लेकिन लगता है यह भ्रष्टाचार के टीले भी 17 सौ करोड़ के दबाव में किसी को दिखाई नहीं दे रहे हैं।

रक्षा क्षेत्र के अर्थशास्त्र पर विशेष जोर दिए जाने की आवश्यकता : राजनाथ

रक्षा लेखा विभाग के नियंत्रक सम्मेलन को किया संबोधित

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि दुनिया भर में फिर से हथियारों की होड़ बढ़ने से रक्षा क्षेत्र को अब केवल आवश्यक व्यय के बजाय एक रणनीतिक आर्थिक निवेश के रूप के रूप में देखा जा रहा है और इसे ध्यान में रखते हुए ‘रक्षा क्षेत्र के अर्थशास्त्र’ पर विशेष जोर दिए जाने की जरूरत है। सिंह ने सोमवार को यहां रक्षा लेखा विभाग द्वारा आयोजित नियंत्रक सम्मेलन 2025 में रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी बदलावों का उल्लेख किया। दुनिया के अनेक हिस्सों में बढ़ रहे टकरावों तथा संघर्षों के मद्देनजर हथियारों की होड़ के बढ़ने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, आज भारत सहित पूरा विश्व

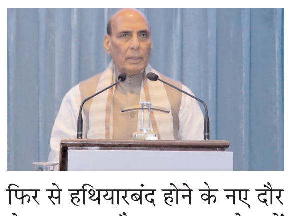

फिर से हथियारबंद होने के नए दौर से गुजर रहा है। अब इस क्षेत्र में काफी पूंजीगत निवेश किए जा रहें हैं। कुछ समय पहले तक तो रक्षा क्षेत्र में किए गए निवेश को संपूर्ण अर्थव्यवस्था का हिस्सा तक नहीं माना जाता था। इसे मात्र आवश्यक व्यय के तौर पर देखा जाता था और सुरक्षा पर हुए निवेश का कोई आर्थिक मूल्यांकन भी नहीं होता था। रक्षा क्षेत्र में हथियारों से संबंधित निवेश के बढ़ने से रक्षा क्षेत्र के अर्थशास्त्र पर विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का किया जिक्र

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि सैनिकों की वीरता और स्वदेशी हथियारों की क्षमता के प्रदर्शन ने स्वदेशी उत्पादों की वैश्विक मांग को और बढ़ा दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र को नए सम्मान के साथ देख रही है। वित्तीय प्रक्रियाओं में जरा भी देरी या त्रुटि सीधे परिचालन तैयारियों को प्रभावित कर सकती है।

पुणे में गांधी प्रतिमा को तोड़ने का प्रयास निंदनीय : कांग्रेस

पुणे, 7 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में पुलिस ने रविवार रात रेलवे स्टेशन पर महात्मा गांधी की प्रतिमा को तोड़ने की कोशिश करने वाले सूरज शुक्ला नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। सूरज जब दरांती लेकर प्रतिमा के चबूतरे पर चढ़ गया तो प्रत्यक्षदर्शियों ने उसे रोका और सूरत को अधिकारियों को सौंपने से पहले प्रतिमा को ज्यादा नुकसान होने से बचाया। पुणे सिटी पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि की है और प्रतिमा को तोड़ने के स्पष्ट इरादे का हवाला देते हुए आरोपी के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि सूरज के साथ उसका कोई सहयोगी इसमें शामिल नहीं था। कांग्रेस पार्टी ने इस कृत्य की निंदा की और पुणे सिटी जिला कांग्रेस कमेटी के प्रमुख अरविंद शिंदे ने प्रतिमा को खंडित करने के प्रयास के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की घोषणा की। शिंदे ने कहा, हम गांधी की प्रतिमा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे और इस तरह का अनादर बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने राष्ट्रीय प्रतीक की विरासत की रक्षा के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 से पहले पारुल सिंह ने मांगा राज्यों का समर्थन

नई दिल्ली 7 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में इस साल सितंबर-अक्टूबर के बीच होने जा रही 12वीं विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप को लेकर तैयारियां तेज़ हैं। आयोजन से पहले दिल्ली राज्य पैरा ओलंपिक समिति की अध्यक्ष पारुल सिंह देशभर के राज्यों से सहयोग जुटाने में जुटी हैं। हाल ही में उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर राज्य के सहयोग की अपील की। बैठक के दौरान पारुल सिंह ने मुख्यमंत्री सोरेन को भगवान राम और माता सीता की पारंपरिक चित्रकला भेंट की और पैरा खेलों को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा कि यह चैंपियनशिप सिर्फ़ एक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन नहीं, बल्कि भारत में पैरा खिलाड़ियों के लिए स्थायी ढांचा और समावेशी खेल संस्कृति तैयार करने का मौका है। हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान पारुल सिंह ने कहा कि यह चैंपियनशिप सिर्फ़ अंतरराष्ट्रीय पहचान का मौका नहीं है, बल्कि भारत के लिए एक ऐसा समय है जब हमें पैरा खिलाड़ियों के लिए बेहतर ढांचे और ट्रेनिंग सुविधाओं में लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहिए। उन्होंने कहा, ‘यह चैंपियनशिप भारत को वैश्विक मंच पर दिखाने का मौका तो है ही, लेकिन इससे भी ज़्यादा यह हमारे देश में पैरा खेलों के लिए एक मजबूत और टिकाऊ सिस्टम बनाने का अवसर है।’

27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाले इस आयोजन में 100 से ज़्यादा देशों के 1,000 से अधिक एथलीट्स के भाग लेने की उम्मीद है। इसमें कुल 186 स्पर्धाएं होंगी, जो इसे भारत का अब तक का सबसे बड़ा पैरा-स्पोर्ट्स आयोजन बनाती हैं।

चिंता | अमरनाथ यात्रा में लोगों के पहुंचने से बढ़ता तापमान बना चिंता का सबब

भीषण गर्मी से बाबा बर्फानी के अस्तित्व पर मंडराया खतरा

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 7 जुलाई (देशबन्धु)। इस बार अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या ने नहीं बल्कि भीषण गर्मी ने हिमलिंग के अस्तित्व के लिए खतरा बढ़ा दिया है क्योंकि इससे हिमलिंग के वक्त से पहले गायब होने की आशंका है। कई सालों से ऐसा देखने को मिल चुका है कि अक्सर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से हिमलिंग समय से पहले भक्तों की सांसों के कारण लुप्त हो गए और अबकी बार गर्मी अपना दम दिखा रही है।

तीन जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा में पांच दिनों में ही हिमलिंग के दर्शन करने वालों का आंकड़ा पिछले साल के मुकाबले काफी कम है। लेकिन बढ़ते तापमान को हिमलिंग के लिए खतरे के तौर पर लिया जा रहा है। हालांकि इस साल हिमलिंग 22 फुट के बने थे जो भीषण गर्मी के कारण चौथाई रह चुके हैं।

हालांकि साल 2018 में हिमलिंग की ऊंचाई 15 फीट थी। श्राइन बोर्ड के अधिकारियों के बकौल, करीब दो माह पहले हिमलिंग अपने पूरे आकार में था। यह करीब 20 से 22 फुट का था। और अब इसकी ऊंचाई 4 से 5 फुट के बीच रह गई है। उनके मुताबिक, यह अब तेजी से पिघल रहा है। दरअसल इस बार पूरी दुनिया में गर्मी ने जो कहर बरपाया अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग भी उससे अछूता नहीं रहा है। हालांकि यह कोई पहली बार नहीं है कि हिमलिंग तेजी से पिघल रहा हो बल्कि पिछले कई सालों से यह देखने को मिल रहा है हिमलिंग यात्रा के आरंभ होने के कुछ ही दिनों के उपरांत पूरी तरह से पिघल जाता रहा है। हालांकि तब इसके लिए ग्लोबल वार्मिंग के साथ साथ उन लाखों भक्तों की सांसें भी जिम्मेदार होती थीं जो दर्शनार्थ गुफा तक पहुंचते थे। विशेषज्ञों के मुताबिक अमरनाथ ग्लेशियरों से घिरा है। ऐसे में ज्यादा लोगों के वहां पहुंचने से तापमान के बढ़ने की आशंका होगी। इससे ग्लेशियर जल्दी पिघलेंगे। साल 2016 में भी भक्तों की ज्यादा भीड़ के अमरनाथ पहुंचने से हिमलिंग तेजी से पिघल गया था। आंकड़ों के मुताबिक उस वर्ष यात्रा के महज 10 दिन में ही हिमलिंग पिघलकर डेढ़ फीट के रह गए थे। तब तक महज 40 हजार भक्तों ने ही दर्शन किए थे।

साल 2016 में प्राकृतिक बर्फ से बनने वाला हिमलिंग 10 फीट का था। जो अमरनाथ यात्रा के शुरुआती सप्ताह में ही आधे से ज्यादा पिघल गया था। ऐसे में यात्रा के शेष 15 दिनों में दर्शन करने वाले श्रद्धालु हिमलिंग के साक्षात दर्शन नहीं कर सके थे। साल 2013 में भी अमरनाथ यात्रा के दौरान हिमलिंग की ऊंचाई कम थी। उस वर्ष हिमलिंग महज 14 फुट के थे। लगातार बढ़ते तापमान के चलते वे अमरनाथ यात्रा के पूरे होने से पहले ही अंतरध्यान हो गए थे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार साल 2013 में हिमलिंग के तेजी से पिघलने का कारण तापमान में वृद्धि था।

उस वक्त पारा 34 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था। साल 2018 में भी बाबा बर्फानी के तेजी से पिघलने का सिलसिला जारी था। 28 जून से शुरू हुई 60 दिवसीय इस यात्रा में एक महीने बीतने पर करीब दो लाख 30 हजार यात्रियों ने दर्शन किए थे।

■ चार से पांच फुट के बीच रह गई हिमलिंग की ऊंचाई

उल्टा पुल्टा

पति : तुम्हारे पापा मानते क्यों नहीं? जले पर नमक छिड़कने की आदत गई नहीं अब तक उनकी।
पत्नी : क्यों क्या हुआ?
पति : आज फिर से पूछ रहे थे कि मेरी बेटी से शादी करके खुश तो हो न?

नफरत के खिलाफ एकजुट होकर करना होगा काम : कांग्रेस

देवेंद्र यादव ने बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी में पहले प्रशिक्षण शिविर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 7 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत प्रत्येक जिला कांग्रेस कमेटी में प्रशिक्षण शिविर संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं को नए दिशा-निर्देश देने के लिए आयोजित किए जा रहे हैं ताकि विभिन्न मुद्दों पर स्पष्ट रुख रखकर पार्टी के कार्यक्रमों और नीतियों को प्रचारित करके संगठन की जमीनी स्तर पर मजबूत पकड़ बनाई जा सके। देवेंद्र यादव ने बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी में पहले प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण शिविर में भाजपा के देश की एकता और अखंडता के हानिकारक एजेंडा लागू करने के लिए संवैधानिक पदों पर कब्जा करने की खतरनाक रणनीतियों का मुकाबला करने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सशक्त होकर किया जा सके झूठे प्रचार का प्रभावी मुकाबला

कांग्रेस नेता देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी के दृष्टिकोण और विजन सहित लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा वर्तमान माहौल के विभिन्न मुद्दों पर जारी पार्टी के संघर्ष से अवगत कराया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर में क्षेत्र की जनता जनता को वास्तविक स्थिति से परिचित कराया जा रहा है ताकि भाजपा सरकार की भ्रमित करने की जानकारी एवं झूठे प्रचार का प्रभावी मुकाबला सशक्त होकर किया जा सके। आज तिलक नगर जिला कांग्रेस कमेटी में आयोजित प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जिला अध्यक्ष धर्मपाल चंदेला द्वारा मेहक बैंक्वेट हॉल, प्लॉट नंबर 43, वेस्ट पंजाबी बाग, मेट्रो पिलर 145 के सामने, मुख्य रोहतक रोड पर किया गया। सभी जिलां में कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सहयोग से संचालित किए जा रहा है, संगठन सृजन अभियान के तहत प्रशिक्षण शिविर का उदेश्य प्रत्येक ब्लॉक के अंतर्गत मंडल और सेक्टर के गठन करने के बाद पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने का है। तिलक नगर जिला प्रशिक्षण शिविर में मुख्य रुप से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, पूर्व मंत्री डा. नरेन्द्र नाथ, अ.भा.क. कमेटी के सचिव प्रभारी सुखविन्द्र सिंह डैनी, कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन अनिल भारद्वाज, जिला अध्यक्ष धर्मपाल चंदेला, लोकसभा आर्ब्जवर कमलकांत शर्मा, जिला आर्ब्जवर राजेश यादव, पूर्व अ.भा.क.कमेटी के सचिव सी.पी. मित्तल, लीगल सेल चेयरमैन एडवोकेट सुनील कुमार और जेपी पंवार भी मौजूद थे। देवेंद्र यादव ने बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी में पहले प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया।

भाजपा के संवैधानिक पदों पर कब्जा करने की खतरनाक रणनीतियों का मुकाबला करने को किया विचार-विमर्श : **देवेंद्र यादव**

राजधानी की जनता में डर पैदा करने का हो रहा काम

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार संवैधानिक संस्थाओं का लगातार दुरुपयोग कर रही है। दिल्ली में मतदाता सूची की स्पेशल इंटेन्सिव रिवीजन कराने का नया प्रोसेस चालू करके दिल्ली के लोगों में डर पैदा करने का काम कर रहे हैं, जबकि बिहार में स्पेशल इंटेन्सिव रिवीजन के बाद भारी विवाद चल रहा है, जिस पर भाजपा जवाबदेही से बच रही है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली में मतदाता सूची की स्पेशल इंटेन्सिव रिवीजन की कट ऑफ मार्च 2008 को नोटिफाई किस आधार पर किया है, क्या मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पास कोई जवाब है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि अभी तक वोट बनाने के लिए नियम है कि आवेदक पिछले 6 महीने से उक्त पते पर रहता हो, जहां का वोटर बनना चाहता है। रेन बसैरों में रहने वाले भीख मांग कर गुजारा करने वालों के वोट इस प्रक्रिया के तहत बनते थे। नई प्रक्रिया में इस प्रकार के मतदाताओं का क्या होगा? मैं पूछना चाहता हूँ कि भाजपा की केन्द्र सरकार ने नए मतदाताओं के लिए मतदाता कार्ड से आधार कार्ड को जोड़ना अनिवार्य किया है, तो फिर इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद आधार को पहचान के प्रूफ क्यों नही माना जा रहा है।

कचरा प्रभावित क्षेत्रों में हो सफाई सुनिश्चित : प्रवेश वाही

नई दिल्ली, 7 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम के नेता सदन प्रवेश वाही ने आज नरेला जोन के उपायुक्त राकेश कुमार और जोनल अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस अवसर पर नरेला जोन अध्यक्ष बबीता एवं उपाध्यक्ष जनता देवी उपस्थित रहीं। बैठक का मुख्य उद्देश्य नरेला जोन में चल रहे विकास कार्यों, स्वच्छता और स्थानीय मुद्दों की व्यापक समीक्षा करना था। बैठक के दौरान जोन अध्यक्ष ने नेता सदन को वार्डों में उचित साफ सफाई न होने और सफाई कर्मचारियों की कमी से अवगत कराया। इस मामले का संज्ञान लेते हुए प्रवेश वाही ने अधिकारियों को जोन के कचरा प्रभावित क्षेत्रों में सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रवेश वाही ने निर्देश देते हुए कहा कि हमें क्षेत्र को साफ सुथरा रखने के लिए इसकी नियमित सफाई करनी है। इसके लिए सड़कों और बाजारों जैसे सार्वजनिक क्षेत्रों में अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों को तैनात किया जाए। नेता सदन ने कहा कि जितने भी निगम स्कूलों के भवन जर्जर स्थिति में है वहां तत्काल मरम्मत की जाए। उन्होंने स्थानीय पार्षदों और क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों के बीच समन्वय की बात पर जोर दिया। उन्होंने उचित सफाई व्यवस्था के लिए अधिक सुपर सकर मशीनें की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए, जिससे कचरा निपटान तंत्र मजबूत होगा।

निगम के नेता ने नरेला जोन के वरिष्ठ अधिकारियों संग की बैठक

सार संक्षेप

पार्किंग माफिया पर लगाई जाए लगाम : मुकेश गोयल

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (आईवीपी) ने दिल्ली नगर निगम के आयुक्त अश्विनी कुमार से मांग की है कि दिल्ली में बेलगाम होते पार्किंग माफिया पर लगाम लगाई जाये। आईवीपी के नेता एवं वरिष्ठ निगम पार्षद मुकेश गोयल ने कहा कि लगातार शिकायतें आ रही हैं कि पार्किंग ठेकेदार कुछ निगम अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके दिल्ली वालों से कई गुना पार्किंग शुल्क वसूल रहे हैं। एमसीडी ने चार पहिया वाहनों के लिए 20 रूपये प्रति घंटा एवं दो पहिया वाहनों के लिए 10 रूपये प्रति घंटा की दर से पार्किंग शुल्क तय किया है। परंतु पार्किंग ठेकेदार लोगों से गाड़ियों की एंट्री के समय ही 100 से 200 रूपए वसूल लेते हैं। मुकेश गोलय ने आगे कहा कि बड़े आश्चर्य की बात है कि पिछले दो-ढाई वर्ष में निगम अधिकारियों ने किसी भी पार्किंग ठेकेदार के खिलाफ ओवर चार्जिंग के मामले में कार्रवाई नहीं की है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में भी सबूतों के साथ इस बात का खुलासा किया है कि लगभग सभी जोन में पार्किंग ठेकेदारों के द्वारा गाड़ी वालों से जमकर लूटखसोट की जा रही है। उन्होंने ने निगम आयुक्त से मांग की कि सभी पार्किंग स्थलों की जांच कराई जाये और दोषी ठेकेदारों व मिलीभगत करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाये।

स्टील मार्केट इन्फो का इंडियन हाउसवेयर शो का आयोजन भारत मंडपम में

नई दिल्ली। स्टील मार्केट इन्फो द्वारा 15 वें इंडियन हाउसवेयर शो का आयोजन 12 जुलाई से 14 जुलाई 2025 तक भरत मंडपम प्रागति मैदान, नई दिल्ली के हॉल नंबर 8 से 11 में किया जा रहा है। तीन दिनों तक चलने वाली हाउसवेयर उत्पाद की भारत की सबसे बड़ी बी2 बी प्रदर्शनी इंडियन हाउसवेयर शो में 120 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा लेंगे एवं देश विदेश से लगभग 10 हजार आयातक एवं व्यापारी विजिट करेंगे द्य जिसमें उन्हें बर्तन, होम व किचन एप्लायन्शेस, गिफ्ट, हाउसवयेर, मशीनें, और अन्य कई प्रदर्शित उत्पाद एवं एसेसरीज़ देखने और परखने का मौका मिलेगा। इस बात की जानकारी इस शो के आयोजक एवं स्टील मार्केट इंफो के प्रधान संपादक आर एल चौधरी ने दी। आर एल चौधरी ने आगे बताया कि 12 से 14 जुलाई 2025 तक होने वाले इस शो का स्थल दिल्ली है, जो भारतीय स्टेनलेस स्टील व्यापार में सबसे बड़े शहरों में से एक है। भारत में 6000 से अधिक बड़े और छोटे निर्माता विविध कार्य कर रह हैं, एक अनुमान के अनुसार इस उद्योग में 2 लाख से अधिक व्यापारी जुड़े हुए है।

पैसा बाजार ने शुरू की भारत की पहली क्रेडिट प्रेमियर लीग

नई दिल्ली। भारत के प्रमुख डिजिटल कंज़्यूमर क्रेडिट मार्केटप्लेस और फ्री क्रेडिट स्कोर प्लटफॉर्म, पैसाबाज़ार ने आज क्रेडिट प्रेमियर लीग लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता है, जो देश के सबसे क्रेडिट-हेल्दी कंज़्यूमर्स की पहचान करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। प्रतियोगिता 5 जुलाई से 5 अगस्त तक लागू है।

केजरीवाल सरकार के शासन में असहाय महिला पेंशन में हुए घोटाले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए : वीरेन्द्र सचदेवा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की आज कुछ पत्रकारों के माध्यम से सामने आया है की अरविंद केजरीवाल सरकार के शासन में दिल्ली सरकार की असहाय महिलाओं की स्कीम की आड़ में भारी घोटाला हुआ और दिल्ली वाले वर्तमान रेखा गुप्ता सरकार से चाहते हैं की इसकी उच्च स्तरीय जांच कराई जाये। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की दिल्ली सरकार 1 लाख रूपए वार्षिक से कम आए वाली महिलाओं या पूर्णतया असहाय महिलाओं को 2010 के एक आदेश अनुसार विशेष रुपए 2500 की मासिक पेंशन देती है। गत वर्ष दिल्ली भाजपा के कुछ विधायकों एवं कुछ समाचार पत्रों ने असहाय महिला पेंशन के वितरण में हेरफेर का संदेह प्रकट करते हुए सवाल उठाए और जांच की मांग की। दिल्ली भाजपा ने इस संदर्भ में आप कार्यालय पर प्रदर्शन भी किये थे। उचित स्वीकृति के बाद अक्टूबर 2024 में जांच शुरू हुई पर फरवरी तक तत्कालीन सरकार ने उसे आगे नही बढ़ने दिया पर अब हमें पत्रकारों से मालूम हुआ है की जांच पूरी हुई है और एक बहुत बड़ा घोटाला सामने आया है।

जानकारी अनुसार कुल 3 लाख 81 हजार 539 असहाय महिलाएं इस पेंशन के लिए पंजीकृत थीं पर जांच में दो तरह की गड़बड़ी के साथ पाया गया की लगभग 60 हजार से अधिक पंजीकृत महिलाओं के केस फर्जी हैं। इसके अलावा 22795 मामलों में डुप्लीकेट या अन्य गड़बड़ी भी हैं। मीडिया कर्मियों से मिली जानकारी अनुसार जांच में पाया गया की 60573 मामलों में जांच अधिकारी को पंजीकृत महिला के दिए पते पर ना वह मिलीं ना उनके वहां रहने का कोई प्रमाण मिला। अनेक मामलों में तो पते भी फर्जी मिले। सचदेवा ने कहा है की साफ दिख रहा है की 60 हजार से अधिक फर्जी असहाय महिलाओं के नाम पर लगभग रूपए 200 करोड़ से अधिक का वार्षिक घोटाला हुआ। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की दिल्ली वाले चाहते हैं की केजरीवाल बताएं की यह लगभग 200 करोड़ रुपए हर माह किसकी जेब में जाते थे-मंत्रियों के, विधायकों की, कार्यकर्ताओं की, अधिकारियों की या फिर आम आदमी पार्टी के चुनाव चंदे में।

■ नई दिल्ली में सोमवार सुबह हुई बरसात के बीच बच्चों को बरसाती व छाते की सहायता से स्कूल ले जातीं महिलाएं। बरसात से लोगों को उमस से राहत मिली। छाया : इम्तियाज खान।

भैरो मार्ग से रिंग रोड की ओर जाम से मिलेगी निजात : प्रवेश सिंह

मानसून के बाद शुरू होगा प्रगति मैदान इंटीग्रेटेड ट्रांजिट कॉरिडोर के अंतिम अधूरे अंडरपास का निर्माण

नई दिल्ली, 7 जुलाई (देशबन्धु)। भैरो मार्ग से रिंग रोड को जोड़ने वाले प्रगति मैदान इंटीग्रेटेड ट्रांजिट कॉरिडोर के अंतिम अधूरे अंडरपास का निर्माण कार्य दिल्ली सरकार का लोक निर्माण विभाग पीडब्ल्यूडी मानसून के बाद शुरू करेगा। पीडब्ल्यूडी यह कार्य केंद्र सरकार से अनुमोदन मिलते ही शुरू कर देगा। सोमवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि हमने सभी तकनीकी मूल्यांकन पूरे कर लिए हैं और केंद्र को अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेज दिया है। जैसे ही स्वीकृति मिलती है, हम मानसून के तुरंत बाद काम शुरू कर देंगे। यह अंडरपास प्रगति मैदान क्षेत्र में ट्रैफिक की भीड़ को कम करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और हम इसे जल्द से जल्द पूरा कर लेंगे। मंत्री ने बताया कि इस समय अधूरे अंडरपास के कारण ट्रैफिक को बैरिकेडिंग और अस्थायी डायवर्जन के माध्यम से नियंत्रित किया जा रहा है, जिससे रिंग रोड, भैरो मार्ग और सराय काले खां क्षेत्र में लगातार जाम की स्थिति बनी रहती है। निर्माण पूरा होने के बाद, यह खंड दोनों दिशाओं में निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करेगा। मंत्री ने बताया कि इस कॉरिडोर में एक मुख्य सुरंग और छह अंडरपास शामिल हैं, जिनमें से पांच पहले ही जनता के लिए खोले जा चुके हैं। केवल अंडरपास-5 का कार्य बाकी है, जिसकी कुल लंबाई 110 मीटर है, जिसमें से केवल 28 मीटर कार्य शेष है। उन्होंने कहा कि यहां विभाग सही संकेतक लगाएगा ताकि भारी वाहन इस सीमित ऊंचाई और चौड़ाई वाले अंडरपास में प्रवेश न करें। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने बताया कि मंत्रालय आवास एवं शहरी कार्य को एक विस्तृत तकनीकी प्रस्ताव पिछले महीने भेजा गया था, जिसमें विशेषज्ञों की सिफारिशें और संशोधित डिज़ाइन शामिल थे। फिलहाल यह मामला समीक्षा के अधीन है। साहिब सिंह ने कहा कि हमें उम्मीद है कि केंद्र जल्द ही अनुमोदन देगा। डिजाइन पूरी तरह से सुरक्षित है, विधि व्यावहारिक है, और ट्रैफिक की भीड़ को देखते हुए जल्द काम शुरू करना ज़रूरी है, मंजूरी मिलते ही कार्य मानसून के बाद शुरू होगा, जिसे 8 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

■ **लोक निर्माण मंत्री ने किया प्रगति मैदान-भैरो मार्ग सुरंग का दौरा**

तकनीकी चुनौतियां और नया समाधान

वर्ष 2023 में, जब अंडरपास का निर्माण एक सक्रिय रेलवे लाइन के नीचे बॉक्स-पुशिंग तकनीक से किया जा रहा था, तभी यमुना नदी के कारण आई बाढ़ के चलते कंक्रीट के बॉक्स जमीन में धंस गए। इस तकनीकी जटिलता के कारण निर्माण रोकना पड़ा। मंत्री ने बताया कि हमने आईआईटी दिल्ली, आईआईटी बॉम्बे और सीबीआरआई जैसे शीर्ष संस्थानों से सलाह ली और उनके सुझावों के आधार पर कैस्ट-इन-सिटू तकनीक अपनाने का निर्णय लिया है। यह तरीका रेलवे लाइन को बिना छेड़े सुरंग निर्माण की अनुमति देता है और सुरक्षा की दृष्टि से बेहतर है।

लोगों को किया जाएगा पर्यावरण के प्रति जागरूक

नई दिल्ली, 7 जुलाई (देशबन्धु)। गिफ्ट सिटी क्लब में आयोजित एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व कार्यक्रम में, सेव अर्थ मिशन जो दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता पर्यावरणीय आंदोलन है ने अपने ग्लोबल विज़न अभियान का औपचारिक अनावरण किया। इस विज़न का केंद्र बिंदु है, अगस्त 2025 से शुरू होने वाला 60 से अधिक देशों में एक साथ चलाया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा वृक्षारोपण अभियान। इस घोषणा को सेव अर्थ मिशन के प्रमुख ग्लोबल विजन अनवीलिंग कार्यक्रम के दौरान साझा किया गया, जहां वैश्विक जलवायु नेता, सरकारी प्रतिनिधि, छात्र, नवप्रवर्तक और पर्यावरणविद एकत्र हुए। इस बहुराष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य है करोड़ों लोगों को तत्काल जलवायु कार्रवाई के लिए एकजुट करना, पेड़ लगाना, पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करना और नेट ज़ीरो भविष्य की नींव रखना।

आयोजन *डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर आधारित नाट्य का मंचन आज*

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के कलाकार लेंगे मंचन में भाग

नई दिल्ली, 7 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एक राजनीतिक पार्टी के रूप में भाजपा का हर कार्यकर्ता डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों का अनुसरण करता है और भाजपा विचार आधारित पार्टी है। इसलिए उन विचारों को जन जन पहुंचाने के लिए पिछले एक महीने से दिल्ली भाजपा द्वारा तैयारी की जा रही है और मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की उपस्थिति में कमानी ऑडिटोरियम में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर आधारित नाटय मंचन का आयोजन किया गया है।

दिल्ली भाजपा मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने प्रेसवर्ता को संचालित करते हुए कहा कि हम राजनीति में केवल राजनीति के लिए नहीं विचारों के लिए भी है और उन्हीं विचारों को प्रस्तुत करने का यह नाट्य मंचन एक माध्यम है। प्रेसवर्ता में दिल्ली भाजपा मोर्चों के प्रभारी सुमित भसीन और प्रवक्ता नितिन त्यागी भी उपस्थित थे।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों और उनके जीवनकाल के कई पहलुओं को जन-जन तक पहुचाना नाट्य मंचन का लक्ष्य : वीरेंद्र सचदेवा

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि 8 जुलाई को शाम 4 बजे होने वाले नाटय मंचन में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन से जुड़े पहलु देखने को मिलेंगे- बाल्या अवस्था में उनका स्वभाव, कॉलेज जीवन से लेकर युवा कुलपति बनने तक का सफर, राजनीतिक प्रवेश से लेकर देश की एकता के लिए नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना और फिर जम्मू कश्मीर यात्रा और शेख अब्दुल्ला से मिलना है इन सभी विषयों को हमने दिखाने की कोशिश की है। इसमें भाग लेने वाले कलाकार राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से हैं। सचदेवा ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने हमेशा सिर्फ ध्येय के लिए काम किया कभी पद के लिए काम नहीं किया इसलिए उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्र सर्वप्रथम के विचार से आगे बढ़ना उनका एक मात्र लक्ष्य था और आज उन्होंने जो बीज लगाया था वह भारतीय जनता पार्टी के रूप में एक वटवृक्ष बनकर विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने का सौभाग्य प्राप्त कर चुका है।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई-प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

टेंडर नोटिस सं. 29/2025-2026 **दिनांक 07.07.2025**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	07255016	रेट्रो फिटमेंट ऑफ़ सप्लाई	1 सेट	28.07.25
02	08255383	सप्लाई इंस्टालेशन टेस्टिंग	968 सेट	05.08.25
03	15255090	रोलर बेअरिंग क्लीनिंग	1 नग	13.08.25
04	15245204A	सीएनसी एक्सल टर्निंग	1 नग	21.08.25

निविदा शर्ते-1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। **2.** मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

2038/25 ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

इ-निविदा (इ-प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ-निविदा आमंत्रण।

1	**NIT-GEM/2025/B/6423147**	**कार्य का नामः** वरिष्ठ मंडल अभियंता-II के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर व शामली में अधिकारी विश्राम गृह की हाउसकीपिंग सुविधा का 365 दिन के लिए प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)** :- GeM पर NIT के अनुसार। **बयाना राशि (रुपये)** :- GeM पर NIT के अनुसार।
2	**निविदा खोलने की तिथि और समय**	29.07.2025 15:00 Hrs.
3	**वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है**	निविदा **www.gem.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध।

• ठेकेदारो को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए (GeM) साइट **www.gem.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। **सं: NIT-GEM/2025/B/6423147**

दिनांक : 07.07.2025 **2039/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच “ प्राधिकरण के साथ वार्ता के बाद ही किसान यहां से हटेंगे। दोपहर बाद तक किसानों का प्रदर्शन जारी रहा। इसके बाद प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री की अगुवाई में एक बैठक किसानों के साथ हुई। जिसमें किसानों की मांगों पर चर्चा की गई। प्राधिकरण के सीनियर मैनेजर द्वारा कथित रुप से मांगे गए पैसों की बात रखी। जिस पर प्राधिकरण ने आश्वसन दिया कि जल्द ही कोई एक्शन लिया जाएगा : **सुखवीर खलीफा, भारतीय किसान परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष।**

किसानों की जाएज मांगों पर प्राधिकरण ने दिया आश्वासन

- **करीब एक घंटे तक चली बैठक, किसानों ने मांगी स्टेटस रिपोर्ट**
- **आबादी की जमीन को अवैध बताकर न तोड़ा जाए**

नोएडा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण पर भारतीय किसान परिषद के तत्वाधान में सैकड़ों की संख्या में किसानों ने प्रदर्शन किया। इस मौके पर पुलिस ने बेरिकेडिंग लगाकर किसानों पर रोकने की कोशिश। भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने कहा कि प्राधिकरण के साथ वार्ता के बाद ही किसान यहां से हटेंगे। दोपहर बाद तक किसानों का प्रदर्शन जारी रहा। इसके बाद प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री की अगुवाई में एक बैठक किसानों के साथ हुई। जिसमें किसानों की मांगों पर चर्चा की गई।

भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने प्राधिकरण के सीनियर मैनेजर द्वारा कथित रुप से मांगे गए पैसों की बात रखी। जिस पर प्राधिकरण ने आश्वसन दिया कि जल्द ही कोई एक्शन लिया जाएगा। इसके बाद किसानों ने सेक्टर-145, 146 में आबादी के प्लाट लागने की बात की। प्राधिकरण ने कहा कि जल्द ही वहां प्लाट लगाए जाएंगे। इसके साथ गांवों के विकास को लेकर चर्चा की गई। किसानों ने हाइ पावर कमेटी के बाद उनकी मांगों पर क्या किया जा रहा है उसकी रिपोर्ट मांगी। प्राधिकरण ने स्टेटस रिपोर्ट बताई। किसानों ने 10 प्रतिशत आबादी के प्लाट, 64.7 प्रतिशत की दर से मुआवजा, आबादी जैसी है वैसी छोड़ी जाए साथ ही कहा कि आबादी की जमीन को अवैध बताकर किसानों और ग्रामीणों को परेशान न किया जाए। गढ़ी चौखंडी में अवैध निर्माण पर किसानों के खिलाफ लिए एक्शन पर भी प्राधिकरण ने आश्वस्त किया कि जल्द ही मामले का निपटारा किया जाएगा।

सैकड़ों की संख्या में रहेंगे किसान

प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में किसान मौजूद रहे। वे सुबह करीब 11 बजे सेक्टर-6 के बारात घर में एकत्रित हुए। इसके बाद पैदल मार्च करते हुए नोएडा प्राधिकरण पहुंचे। इसके बाद वक्ताओं ने अपना भाषण दिया। ऐसे में प्राधिकरण परिसर के अलावा बाहर भारी पुलिस बल की तैनात किया जाएगा। बता दें इससे पहले भी किसान लगातार प्राधिकरण पर प्रदर्शन करते रहे हैं। वहीं शनिवार को किसानों ने औद्योगिक विकास मंत्री से भी बातचीत की थी। जिसमें उनको मांगों को लेकर आश्वासन मिल चुका है। सुखवीर खलीफा ने कहा कि प्राधिकरण की ये तानाशाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही भ्रष्ट अधिकारी को सस्पेंड करने की मांग की जाएगी।

इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स बना रही कंपनी होगी ब्लैकलिस्ट

- **निर्माण का पैसा निजी कार्य में किया खर्च**
- **प्राधिकरण दर्ज करा रहा एफआईआर, 65 प्रतिशत काम पूरा**

नोएडा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। सेक्टर-151ए में नोएडा इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स का 65 प्रतिशत काम पूरा हो सका है। कंस्ट्रक्शन कंपनी को दो बार पेमेंट करने के बाद भी काम पूरा नहीं किया गया। प्राधिकरण कंस्ट्रक्शन कंपनी कश्यपी एंटरप्राइजेज को ब्लैक लिस्ट करने जा रही है। इसके अलावा कंपनी पर गंभीर आरोप है कि प्राधिकरण ने उसे जो पैसा दिया उसने कंस्ट्रक्शन करने की बजाए निजी कार्य में प्रयोग किया। ऐसे में प्राधिकरण कंपनी के खिलाफ एफआईआर भी करवा रहा है। इसके निर्माण के लिए अब नई कंपनी का चयन किया जाएगा इसके लिए आरएफपी जारी की जाएगी। प्राधिकरण ने बताया कि कंपनी ने गोल्फ कोर्स का निर्माण 2021 में शुरू किया। उसे दो साल में निर्माण पूरा करना था। अब तक महज 65 प्रतिशत काम पूरा किया जा सका। सोमवार को प्राधिकरण के अधिकारियों ने गोल्फ कोर्स का जायजा लिया। इसके बाद कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने और एफआईआर कराने के निर्देश दिए गए। साथ कंपनी द्वारा प्राधिकरण में जमा ईएमडी को भी जब्त कर लिया जाएगा।

अभी नहीं खुली मेम्बरशिप

गोल्फ कोर्स में एक हजार सदस्य बनने के बाद मेंबरशिप को बंद कर दिया गया था। इसका निर्माण इसी मेंबरशिप के पैसों पर किया जा रहा है। निर्माण पूरा नहीं होने मेंबरशिप को रि ओपन नहीं किया गया है। बताया गया कि अब भी करीब 2.5 हेक्टेयर जमीन किसानों ने नहीं दी है। इस जमीन को आपसी सहमति के आधार पर लेने का प्रयास किया जा रहा है।

दो बार जारी की किस्त, फिर भी निर्माण नहीं

नोएडा प्राधिकरण ने निर्माण कंपनी को दो किस्त जारी की। पहली किस्त 25 लाख रुपए और दूसरी किस्त 47 लाख रुपए कंपनी को रीलीज किए है। लेकिन कंपनी ने निर्माण कार्य नहीं किया। बल्कि इन पैसों का प्रयोग निजी कार्यों में किया। ऐसे में प्राधिकरण कंपनी के खिलाफ एफआईआर कराने जा रही है।

113 एकड़ में बन रहा गोल्फ कोर्स

- 94.369 एकड़ में गोल्फ एरिया
- 6.895 एकड़ में क्लब और पार्किंग एरिया
- 7.910 एकड़ में ड्राइविंग रेंज एरिया
- 4.702 एकड़ में एनटी लाइन एरिया
- 9.289 एकड़ में हेलीपोर्ट

4.614 एकड़ में हेलीपोर्ट एप्रोच रोड एरिया बनाया जा रहा है।

140 करोड़ में बन रहा गोल्फ कोर्स

बता दे परियोजना जुलाई 2021 में शुरू की गई। इसका 68 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। जून 2025 में इसका निर्माण पूरा किया जाना है। जमीन नहीं मिलने की वजह से योजना में करीब 11 करोड़ रुपए का वेरिएशन किया गया। अब इसकी लागत 140 करोड़ हो चुकी है। इसमें 107 करोड़ से सिविल वर्क किया जाएगा।

सार संक्षेप

तीन तलाक के मामले अग्रिम जमानत याचिका खारिज

गाजियाबाद। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, त्वरित न्यायालय कोर्ट संख्या दो ने सोमवार को दहेज उत्पीड़न व तीन तलाक़ अधिनियम में ट्रोनिका थाने के मुकदमा संख्या दर्ज मुकदमे में पति शादाब की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर उस पर 20000 रुपए का जुर्माना लगाया। जमानत प्रार्थना पत्र के आदेश में न्यायाधीश निशांत मान ने लिखा है कि शादाब ने इस अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र न्यायालय में प्रस्तुत करने से पूर्व माननीय हाईकोर्ट मे रिट याचिका दाखिल की थी। जिसमें उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने अभियुक्त को अंकन 35000 रुपए जमा कर पत्रावली को मिडियेशन सेंटर भेजने का आदेश दिया था। लेकिन अभियुक्त ने उच्च न्यायालय के आदेश का पालन ना कर इस तथ्य को छिपाते हुए वर्तमान अग्रिम जमानत याचिका प्रस्तुत की है। इस तथ्य की जानकारी जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के दौरान मुक़दमा वादी के अधिवक्ता व सरकारी वकील बिशमबर चौधरी ने न्यायालय को दी। न्यायालय ने उभय पक्षों की दलीलें सुनने के पश्चात अग्रिम ज़मानत याचिका ख़ारिज कर दी तथा आरोपी पर अंकन बीस हज़ार रुपए का जुर्माना लगाया है।

रक्तदान शिविर का आयोजन

नोएडा। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक

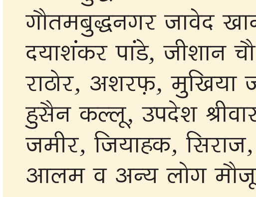

स्थान 8,9,10 नोएडा बांस बल्ली तिराहे पर रक्तदान शिविर का आयोजन नोएडा रोटरी ब्लड बैंक द्वारा आयोजित किया गया जिसमें 25 लोगों ने रक्तदान किया व इस मौके पर बच्चों को फ्रूटी बिस्कुट भोजन भी वितरण किया। जिसमें मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुजफ्फरनगर शहर कांग्रेस कोडिनेटर दिनेश अवाना एडवोकेट, महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा पूर्व अध्यक्ष शाहबुद्दीन, युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर जिलाध्यक्ष गौतमबुद्धनगर जावेद खान, महासचिव दयाशंकर पांडे, जीशान चौधरी, आकाश राठोर, अशरफ़, मुखिया जी,अमजत हुसैन कल्लू, उपदेश श्रीवास्तव, मोहम्मद जमीर, जियाहक, सिराज, अनीश, आलम व अन्य लोग मौजूद रहे।

अपनी प्रॉपर्टी बताकर बेचने के मामले में मुकदमा दर्ज

नोएडा। अपनी प्रॉपर्टी बताकर सरकारी जमीन बेचने के मामले में कोर्ट के आदेश पर फेज-2 थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। सेक्टर-81 के रहने वाले पीड़ित उमेश यादव का आरोप है कि वह प्रिंस कुमार, प्रदीप और सुमित खारी ने 2019 में उन्हें प्रॉपर्टी बेची थी। उसके सरकारी होने की जानकारी के बाद उन्होंने रुपए वापस मांगे तो पहले तो आरोपियों ने कुछ दिनों में रुपये वापस करने की बात कही, लेकिन बाद उन्होंने धमकाना शुरू कर दिया। इस मामले में उन्होंने थाने में शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं होने पर कोर्ट अर्जी दी थी। जहां से आदेश होने के बाद तीनों आरोपियों पर केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रालोद का देशव्यापी अभियान तेज, एक करोड़ सदस्य जोड़ने का लक्ष्य

नोएडा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) द्वारा देशभर में चलाए जा रहे सदस्यता अभियान को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी ने सेक्टर-29 में प्रेसवार्ता की। उन्होंने बताया कि अप्रैल माह से शुरू हुआ यह अभियान वर्तमान में देश के 14 राज्यों में सक्रिय रूप से चल रहा है और पार्टी का लक्ष्य है कि देशभर में एक करोड़ नए सदस्य बनाए जाएं।

त्यागी ने कहा कि पार्टी के प्रत्येक पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वह कम से कम 20 लोगों को पार्टी से जोड़ें। जो सदस्य 20 से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ेगा, वही पार्टी का सक्रिय सदस्य माना जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि अक्टूबर माह में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव प्रस्तावित है, जिसके पहले सदस्यता अभियान को सफल बनाना प्राथमिकता है।

किसानों की समस्याओं को सरकार के समक्ष रखेगा रालोद

त्रिलोक त्यागी ने कहा कि आज देशभर, खासकर नोएडा व आसपास के क्षेत्रों में किसान कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। रालोद इन समस्याओं को केंद्र एवं राज्य सरकार के समक्ष जोरदार तरीके से उठाएगा और किसानों के प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलकर सरकार से शीघ्र समाधान की मांग करेगा।

इस दौरान उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल जाति और धर्म की राजनीति में विश्वास नहीं रखता। उन्होंने आम जनता और सभी राजनीतिक कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे भी देश को जाति और धर्म के नाम पर बांटने से बचें। यह देश हम सभी का है, और सभी को समान अधिकार मिलना चाहिए।

नोएडा में कांवड़ यात्रा के लिए जारी एडवाइजरी

- **14 दिनों तक रहेगा डायवर्जन, जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर**

नोएडा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा में कावड़ यात्रा को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी की गई है। ये एडवाइजरी 11 जुलाई की रात 10 बजे से 25 जुलाई तक के लिए है। कांवड़ियों और शहरवासियों यातायात संबंधी जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 9971009001, वाट्सऐप नंबर 7065100100 एवं ट्वीटर हैंडल @noidatraffic से सम्पर्क कर सकते है। इस दौरान 14 दिनों तक चिल्ला रेड लाइट से पक्षी विहार गेट तक रास्ते पर वाहनों का आवागमन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।

ये रहेगा डायवर्जन

चिल्ला रेड लाइट होकर गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद जाने वाले भारी, मध्यम एवं हल्के माल वाहक वाहन नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे का प्रयोग कर गंतव्य पर जा सकेंगे।

दिल्ली से डीएनडी पलाईओवर होकर नोएडा से गाजियाबाद, बुलन्दशहर, हापुड़, मुरादाबाद जाने वाले भारी, मध्यम एवं हल्के माल वाहक वाहन नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे का प्रयोग कर गंतव्य पर जा सकेंगे।

दिल्ली-बदरपुर बॉर्डर औखला बैराज से नोएडा होकर गाजियाबाद होकर बुलंदशहर, हापुड़, मुरादाबाद जाने वाले भारी, मध्यम एवं हल्के माल वाहक वाहन नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे का प्रयोग कर गंतव्य पर जा सकेंगे। एनआईबी, माडल टाउन, छिजारसी, ताज हाइवे से होकर गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद की ओर जाने वाले भारी, मध्यम एवं हल्के माल वाहक वाहन ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से गंतव्य पर जा सकेंगे।

एमपी-01 मार्ग पर बने एलीवेटेड से होकर गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद जाने वाले भारी, मध्यम एवं हल्के माल वाहक वाहन नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे का प्रयोग कर गंतव्य पर जा सकेंगे।

अलीगढ़, बुलंदशहर, सिकन्द्रबाद से दादरी एनएच-91 होकर गाजियाबाद, दिल्ली की ओर जाने वाले भारी, मध्यम एवं हल्के माल वाहक वाहन ईस्टर्न पेरीफेरल का प्रयोग कर अपने गंतव्य पर जा सकेंगे।

सिकन्द्रबाद, कासना से परीचौक होकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से दिल्ली की ओर जाने वाले भारी, मध्यम एवं हल्के माल वाहक वाहन सिरसा गोलचक्कर से ईस्टर्न पेरीफेरल का प्रयोग कर अपने गंतव्य पर जा सकेंगें।

सेक्टर-100 के पास सड़क धंसी, मरम्मत शुरू

नोएडा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा में सीवरेज से सेक्टर-100 पाथ वे स्कूल के सामने की रोड धंस गई। यहां करीब 5 फीट गहरा और 8 फीट लंबा गड्ढ़ा हो गया। गड्ढ़ा जिस स्थान पर हुआ वहां एक पाइप लाइन भी है। कयास लगाए जा रहे है सीवेज या पानी की लाइन लीक होने की वजह से सड़क में नीचे से मिट्टी कटान हुआ और सड़क धंस गई।

- **पानी से मिट्टी का हुआ कटान, ग्रीन शीट लगाकर किया जा रहा रिपेयर**

अधिकारियों ने बताया कि ये डेनेज पुराना है। इसकी रिपेयरिंग का काम शुरू किया गया है। साथ ही यहां ग्रीन शीट लगा दी गई है। इसकी रिपेयरिंग का काम दो दिन में पूरा किया जाएगा। नोएडा की सेक्टर-100 की रोड काफी बिजी सड़क है। गनीमत रही कि सड़क धंसने के दौरान यहां से कोई वाहन नहीं जा रहा था। अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। बता दे इससे पहले भी सेक्टर-50 में ओवरसीज बैंक के सामने सड़क धंस गई थी। यहां भी करीब 10 फीट बड़ा गड्ढ़ा हुआ था। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने बताया कि ये डैमेज पुराना है। इसकी रिपेयरिंग का काम किया जा रहा है। जल्द ही सड़क को स्मूद कर दिया जाएगा।

प्रीमियम कोच यात्रियों को गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन पर मिल रही है मुफ्त पानी की बोतल

गाजियाबाद, 7 जुलाई (देशबन्धु)। एनसीआरटीसी द्वारा यात्रियों के अनुभव को और अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाने के लिए लगातार आधुनिक पहलें की जा रही हैं। इसी दिशा में एक और प्रयास के तहत, गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन के प्रीमियम लॉन्ज में बनाए गए कोका कोला रिफ्रेशमेंट जोन में प्रीमियम श्रेणी के यात्रियों को ट्रेन बोर्डिंग या डिबोर्डिंग के दौरान 500 मि.ली. की ठंडी पानी की बोतल नि:शुल्क दी जा रही है।

प्रीमियम क्लास के यात्रियों के लिए यहां वेंडिंग मशीन लगाई गई है, जिसमें पानी की ठंडी बोतलों के लिए फ्री स्लोट्स दिए गए हैं। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए यात्रियों को वेंडिंग मशीन में उपलब्ध फ्री स्लॉट्स में से एक बार में एक नंबर का चयन करना होगा, इसके बाद वेंडिंग मशीन पर दिया गया बटन दबाना होगा और तभी मशीन से पानी की एक ठंडी बोतल बाहर आ जाएगी। यात्रियों को नि:शुल्क पानी की बोतल की सुविधा के बारे में बताने के लिए यहां एक कम्पनी स्टाफ भी मौजूद रहता है, ताकि यात्रियों को इस सुविधा का लाभ मिल सके। इसके साथ ही यहां अन्य पेय पदार्थ भी उपलब्ध हैं, जिन्हें यात्री अपनी आवश्यकतानुसार आसानी से खरीद सकते हैं। गर्मी के मौसम में ताज़गी और राहत पाने के लिए प्रीमियम कोच के यात्री गाजियाबाद स्टेशन पर इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। इस पहल से यात्री बेहद खुश हैं। फिलहाल यह सुविधा गाजियाबाद स्टेशन पर ही उपलब्ध है, ऐसे रिफ्रेशमेंट ज़ोन भविष्य

में अन्य स्टेशनों पर भी देखे जा सकेंगे।उल्लेखनीय है कि नमो भारत के प्रीमियम कोच में सफर करना अब और भी किफायती हो गया है, क्यूंकि स्टैंडर्ड किराए और प्रीमियम किराए में महज 20 प्रतिशत का अंतर है। यही वजह है कि अब रिक्लाइनिंग सीट, सन-शील्ड, वेंडिंग मशीन, फुट-रेस्ट, वॉटर बोतल होल्डर, लैपटाप चार्जिंग और कोट-जैकेट हैंगर जैसी आधुनिक सुविधाओं से लेस प्रीमियम कोच में सफर करना बेहद आसान और किफायती हो गया है। एनसीआरटीसी का लक्ष्य नमो भारत कॉरिडोर को सिर्फ एक ट्रांसपोर्ट माध्यम नहीं, बल्कि एक प्रीमियम और विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव बनाना है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक टिकटिंग सिस्टम, स्वच्छ और वातानुकूलित स्टेशन, एस्केलेटर, लिफ्ट, स्टेशनों पर नि:शुल्क पीने का पानी और वॉशरूम जैसी सुविधाओं के साथ ही यात्री सहायता सेवाएं हर स्टेशन पर उपलब्ध कराई गई हैं।

सड़क से अतिक्रमण हटाने की मांग

खोड़ा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। निकाय क्षेत्र के अंतर्गत सड़कों से अतिक्रमण हटाए जाने लोगो ने मांग की है। सड़कों से अवैध अतिक्रमण की वजह से लोगो को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अवैध अतिक्रमण की वजह से आवागमन में बाधा पहुंचने की वजह से लोग चोटिल हो चुके है। नेहरू गार्डेन से साहिल पब्लिक स्कूल थापर गेट से कालू सीमेंट एजेंसी शनि बाजार इतवार बाजार मंगल बाजार पुश्ता एक के सामने कई स्थानों पर बिल्डिंग मटेरियल सप्लायरों ने सड़क पर मटेरियल रखकर कारोबार कर रहे है। लोगो का कहना है कि मुख्य सड़कें अवैध अतिक्रमण की वजह से कराह रही है। मुख्य सड़कों के दोनों तरफ दुकानदारों द्वारा तीन फिट नाली के ऊपर रैंप लगा लिया गया है। रैंप के बाहर सड़क पर दुकानदार होर्डिंग्स बैनर लगा देते है। इसके अलावा कई दुकानदार रेहड़ी पटरी वालो से पैसे लेकर रेहड़ी लगवाते है। इससे आवागमन में परेशानी होती है। नगर पालिका परिषद द्वारा अतिक्रमण हटवाने के बाद अगले दिन ही दुबारा अतिक्रमण कर लिया जाता है। शंकर विहार निवासी विनोद बिहारी सिंह ने बताया कि शंकर विहार स्थित गली नंबर 9 और पांच के कोने पर घर में शटरिंग का सामन रखते है।

शटरिंग का सामान सड़क पर रखने के लिए लोहे का गाडर सड़क पर गाड़ दिया है। रास्ता शनि बाजार को जोड़ता भी है। सड़क पर अतिक्रमण की वजह से लोगो को आवागमन में बाधा होती है। साइकिल के अलावा दुपहिया वाहनों को भी निकलने में दिक्कत होती है। उन्होंने नगर पालिका परिषद के अधिकारियों से अतिक्रमण हटवाए जाने की मांग की है।

उत्सव भवनों के डिजाइन व चौराहों, जंक्शनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए प्राधिकरण का बड़ा कदम

जीडीए व वास्तुकला परिषद के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

- **साझेदारी के अंतर्गत आयोजित की जाएगी प्रतियोगिता**

गाजियाबाद, 7 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा गाजियाबाद आगमन पर गरीब एवं असहाय लोगों के लिए उत्सव भवनों के निर्माण और शहर के चौराहों/जंक्शनों की सुंदरता को बढ़ाने के उद्देश्य से दिए गए निर्देशों के क्रम में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण और वास्तुकला परिषद के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी के अंतर्गत पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें उत्सव भवनों की डिजाइन एवं गाजियाबाद के चौराहों/जंक्शनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

काउंसिल ऑफ आर्किट्रेचर/ वास्तुकला परिषद, जो कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक वैधानिक निकाय है, एवं गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, के बीच दिनांक 7 जुलाई, 2025 को नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य

जीडीए के क्षेत्राधिकार में वास्तुकला एवं शहरी विकास से जुड़े नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है।

इस साझेदारी के अंतर्गत एक पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें उत्सव भवन की डिजाइन एवं गाजियाबाद के चौराहों/जंक्शनों की सुंदरता बढ़ाने हेतु प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

इस समझौते के प्रमुख बिंदु निम्नलिखित हैं

तकनीकी मार्गदर्शन देगा और पेशेवर वास्तुकारों, वास्तुकला छात्रों तथा शैक्षणिक संस्थानों को इस कार्यक्रम से जोड़ने में सहायता करेगा।

जीडीए इन प्रतियोगिताओं के आयोजन, पुरस्कार राशि, तथा निर्णायक मंडल (ज्यूरी) के मानदेय से संबंधित सभी व्ययों का वहन करेगा।

दोनों संस्थाएं मिलकर प्रतियोगिता की दिशा-निर्देश एवं निर्णायक मंडल का गठन करेंगी।

कार्यक्रम की समयसीमा निर्धारित की गई है, जिसके अनुसार प्रतियोगिता 7 जुलाई, 2025 को आरंभ होगी और अंतिम मूल्यांकन 18 अगस्त, 2025 तक पूर्ण होगा।

यह समझौता ज्ञापन प्रारंभ में एक वर्ष के लिए मान्य होगा और आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकता है। यह समझौता दोनों पक्षों की शहरी विकास में रचनात्मक सहयोग की मंशा को दर्शाता है, और गाजियाबाद को एक समावेशी, टिकाऊ एवं सुंदर शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में एक अहम कदम है।

लोनी क्षेत्र में 9 अवैध कॉलोनियों पर जीडीए का गरजा बुलडोजर

गाजियाबाद, 7 जुलाई (देशबन्धु)। अवैध निर्माणों पर रोकथाम हेतु कार्रवाई किए जाने के निर्देशों के क्रम में सोमवार को प्रभारी प्रवर्तन जोन-8 के नेतृत्व में उप्र नगर नियोजक एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा-14 व 15 के प्राविधानों के अन्तर्गत ग्राम सबलूगढ़ी लोनी में पूर्व निर्मित 3 एवं 2 नवसृजित कॉलोनी, ग्राम निठौरा में 2 पूर्व निर्मित कॉलोनी व चिरोड़ी रोड़ (धन सिंह गुर्जर डिग्री कॉलेज के सामने) लोनी गाजियाबाद में पूर्व निर्मित 2 कॉलोनियों में लगभग 70-80 भूखंडों की बाउण्ड्रीवाल के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के समय स्थानीय विकासकर्ताओं/ निर्माणकर्ताओं द्वारा काफी विरोध किया गया, परन्तु प्राधिकरण पुलिस बल द्वारा उन्हें नियन्त्रित कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी गई। प्रभारी अधिकारी प्रवर्तन जोन-8 द्वारा लोगो को सख्त

- **70-80 भूखंडों की बाउण्ड्रीवाल का किया ध्वस्तीकरण**

निर्देश दिए गए कि बिना अनुमति किए गए किसी भी निर्माण को बक्शा नहीं जाएगा। उपरोक्त अनाधिकृत रूप से विकसित की जा रही अनाधिकृत कॉलोनियों के विरूद्ध अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता व अवर अभियन्ता एवं प्रवर्तन जोन-8 के समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल व प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ते की उपस्थिति में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। आगामी माह में भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई किए जाने का अभियान जारी रहेगा।

उवाच “

इन बिजली घरों से ग्रामीणों को 24 घंटे निर्बाध बिजली की सुविधा से लाभान्वित किया जाएगा। इसी प्रकार सेक्टर-32 स्थित बिजली घर भी बनाकर तैयार हो गया है, जो लगभग 10 करोड़ रुपए की धनराशि से बनकर तैयार हो गया है। इस उपकेंद्र से गांवों तथा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगे हुए औद्योगिक क्षेत्र को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करेगा, जिससे विकास को और गति मिलेगी : **धीरेन्द्र सिंह, जेवर विधायक।**

कैपिटल ज़ोन

बकाएदार आवंटियों के लिए यीडा ने शुरू की 'वन टाइम सेटलमेंट पॉलिसी'

- **बकाएदारों के लिए सुनहरा मौका, 31 अगस्त तक कर सकेंगे आवेदन**
- **ओटीसी योजना का लाभ आवंटियों के प्रीमियम व किस्तों के सापेक्ष डिफाल्ट ब्याज पर ही छूट अनुमान्य होगी**

ओटीएस में भुगतान की सुविधा

50 लाख तक की देय राशि पर दो किश्तों में भुगतान की सुविधा दी जाएगी। 50 लाख से अधिक राशि के मामलों में 6 किश्तों तक भुगतान की छूट दी जाएगी, जिसमें 10.5 फीसदी वार्षिक ब्याज लगेगा। यदि कोई आवंटी बार-बार भुगतान में विफल रहता है तो 3 फीसदी अतिरिक्त ब्याज लगाया जाएगा और ओटीएस योजना स्वतः समाप्त मानी जाएगी।

ग्रेटर नोएडा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने अपने सभी प्रकार के बकाएदार आवंटियों को बड़ी राहत देते हुए 'वन टाइम सेटलमेंट पॉलिसी (ओटीएस) योजना लागू कर दी है। यह आदेश 1 जुलाई से 31 अगस्त 2025 तक, केवल एक महीने के लिए प्रभावी रहेगा, जिसमें डिफॉल्टर्स को बकाया भुगतान पर ब्याज और पेनल्टी में बड़ी छूट दी जाएगी। दरअसल, यमुना प्राधिकरण की यह 'वन टाइम सेटलमेंट पॉलिसी उन आवंटियों के लिए सुनहरा अवसर है जो लंबे समय से डिफॉल्ट में चल रहे हैं। उन्हें सीमित समय में बिना पेनल्टी के अपने बकायों का निपटारा करने का लाभ मिलेगा। इससे प्राधिकरण को करीब 2700 करोड़ रूपए मिलने का अनुमान है।

यह योजना 18 जून 2025 को प्राधिकरण की 85वीं बोर्ड बैठक में पारित की गई थी, जिसमें विभिन्न श्रेणियों जैसे कि औद्योगिक भूखंड, बिल्डर प्रोजेक्ट्स, संस्थागत, व्यवसायिक, रिजर्व भूखंड, डिफॉल्टर्स, ग्रुप हाउसिंग और 250 मीटर स्कीम के तहत आवंटियों को शामिल किया गया है।

ओटीएस योजना से आवंटियों को क्या मिलेगा फायदा

योजना में शामिल सभी डिफॉल्टर आवंटियों को बकाया भुगतान पर मूल धनराशि और तयशुदा ब्याज चुकाना होगा। किसी प्रकार की पेनल्टी या अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क नहीं लिया जाएगा। यदि किसी आवंटी ने पहले कोई भुगतान किया है, तो उसे ओटीएस के तहत समायोजित किया जाएगा। यदि किसी कारणवश आवंटी की कुल देय राशि तय राशि से अधिक निकलती है, तो उसे सरप्लस मानते हुए वापस नहीं किया जाएगा। आवेदनकर्ता को योजना के अंतर्गत प्रोसेसिंग शुल्क और प्राथमिक धनराशि के साथ आवेदन ऑनलाइन करना होगा। आवेदन केवल प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com के माध्यम से ही मान्य होगा। ऑनलाइन आवेदन के बाद एक माह के भीतर उनका परीक्षण संपत्ति विभाग द्वारा किया जाएगा।

संपत्ति के प्रकार पर निर्भर होगा प्रोसेसिंग शुल्क

यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि विभिन्न संपत्ति श्रेणियों पर 100 से 10,000 तक का प्रोसेसिंग शुल्क तय किया गया है। प्राथमिक जमा राशि 5,000 से 5 लाख तक होगी, जो संपत्ति के प्रकार पर निर्भर करती है। प्राधिकरण द्वारा सभी संबंधित आवंटियों को ईमेल, एसएमएस और अन्य प्रचार माध्यमों के ज़रिए योजना की जानकारी दी जाएगी।

ग्रेनो प्राधिकरण लोहिया नाला के सीवेज को शोधित करने में जुटा

ग्रेटर नोएडा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। लोहिया नाला के सीवेज को शोधित करने के लिए सोमवार को ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के बोर्ड रूम में बैठक हुई। एसीईओ सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस और सुमित यादव की मौजूदगी में आयोजित इस बैठक में थैनॉक्स कंसल्टिंग इंयोरोटेक के प्रतिनिधियों ने प्रस्तुतीकरण दिया। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रेटर नोएडा क्षेत्र से होकर गुजरने वाले लोहिया नाले के प्रभावी ट्रीटमेंट की योजना पर विचार-विमर्श करना रहा।

- **सीवेज शोधित करने को लेकर थैनॉक्स कंपनी ने दिया प्रस्तुतिकरण**

बैठक के दौरान कंपनी द्वारा अपने पूर्व में किए गए कार्यों का विस्तृत प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत किया गया। थैनॉक्स टीम ने लोहिया ड्रेन की वर्तमान स्थिति पर आधारित सर्वे रिपोर्ट भी साझा की। इसके अतिरिक्त ग्रेटर नोएडा में सीवेज ट्रीटमेंट का प्रस्तावित कार्यों को किस प्रकार से क्रियान्वित किया जाएगा, इसकी विस्तृत कार्ययोजना अधिकारियों के समक्ष रखी गई। बैठक में प्राधिकरण अधिकारियों ने कार्य की अनुमानित लागत के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा यह स्पष्ट किया कि सभी कार्य प्राधिकरण द्वारा निर्धारित सीपीसीबी नियम के अनुरूप ही संपन्न होने चाहिए।

इसके साथ ही कंपनी से एक पुख्ता और विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। इस बैठक में जीएम प्लानिंग लीनू सहगल, सलाहकार समाकांत श्रीवास्तव और वरिष्ठ प्रबंधक सुधीर कुमार मौजूद रहे।

यीडा के आवासीय भूखंड योजना में 276 भूखंड पर 54223 दावेदार

- **आवासीय भूखंड योजना का ड्रॉ 11 को इंडिया एक्सपो में निकाला जाएगा**
- **यमुना प्राधिकरण ड्रॉ निकालने को लेकर पारदर्शिता पूर्ण तैयारियों में जुटा**

ग्रेटर नोएडा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की आवासीय भूखंड योजना में 54223 आवेदक पात्र पाए गए है। पात्र आवेदकों का नाम ड्रा में शामिल किया जाएगा। प्राधिकरण की वेबसाइट पर पात्र आवेदकों की सूची अपलोड कर दी गई है। योजना का ड्रा निकालने की तैयारियां प्राधिकरण ने शुरू कर दी है। ड्रा के दौरान पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी। इसके लिए विशेष कार्याधिकारी शैलेंद्र भाटिया की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया है। यमुना प्राधिकरण ने एक अप्रैल को सेक्टर-18 में 200 वर्गमीटर के 276 भूखंड़ों की योजना निकाली थी। जिसमें आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 मई थी। प्राधिकरण ने आवेदन की तिथि समाप्त होने के बाद विभिन्न बैंकों से आवेदकों का डॉटा एकत्र किया। जिसमें 54289 लोगों ने 276 भूखंड के लिए आवेदन किया था। प्राधिकरण ने आवेदकों की सूची प्राधिकरण की वेबसाइट पर एक जुलाई को अपलोड कर दिया था। इस पर आवेदकों से पांच जुलाई तक आपत्तियां मांगी गई थी। पांच जुलाई तक प्राधिकरण ने आवेदकों के आपत्तियों का निस्तारण कर अंतिम सूची फाइनल की, जिसमें 66 आवेदक अपात्र पाए गए। इससे पात्र आवेदकों की संख्या 54223 रह गई।

निष्पक्ष और पारदर्शी ड्रॉ कराने को लेकर तैयारी

यीडा ने 11 जुलाई को नॉलेज पार्क स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में व्यवस्था की है। जहां पर 2000 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके लिए ड्रा पर निगरानी रखने के लिए ओएसडी शैलेंद्र भाटिया की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया। इसके अलावा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्ति तीन जज पर्यवेक्षक के तौर पर मौजूद रहेंगे। ड्रा की प्रक्रिया का डीडी न्यूज उत्तर प्रदेश पर लाइव प्रसारण किया जाएगा। इसके अलावा प्राधिकरण के सोशल मीडिया फेसबुक, इंस्टाग्राम, समाचार पत्र के ऑनलाइन डिजिटल समेत कई पोर्टल पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। ड्रा का प्राधिकरण की तरफ से विडिया और फोटोग्राफी भी कराया जाएगा। यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि ड्रा के दौरान पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी। ड्रा के बाद सफल आवेदकों की सूची उसी दिन शाम को प्राधिकरण की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। एक सप्ताह के अंदर सभी सफल आवेदकों को आवंटन पत्र जारी कर दिया जाएगा। सफल आवेदकों को 60 दिन के अंदर भूखंड का पूरा पैसा जमा करने का समय दिया जाएगा।

आठ वर्षीय बच्चे की पी-थ्री थीम पार्क के फाउंटेन में डूबने से मौत

ग्रेटर नोएडा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। सेक्टर पी-3 स्थित थीम पार्क में एक दिल दहलाने वाला हादसा सामने आया है, जिसमें एक आठ वर्षीय बच्चे की फाउंटेन में डूबने से मौत हो गई। यह घटना रविवार दोपहर की है, जब बच्चा अपने परिवार के साथ पार्क में समय बिता रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चा खेलते-खेलते फाउंटेन के पास पहुंचा और अचानक गहरे पानी में फिसल गया।

आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बचाव की कोशिश की, लेकिन बच्चे को बचाया नहीं जा सका। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह फाउंटेन वर्षों से बंद पड़ा था और इसे बार-बार भरकर बंद करने की मांग की गई थी।

- **बंद पड़े फाउंटेन को प्राधिकरण से कई बार बंद करने की मांग की गई थी**

निवासियों ने प्राधिकरण प्रशासन से कई बार शिकायत की थी कि फाउंटेन की खराब स्थिति और अनदेखी खतरनाक साबित हो सकती है। इसके बावजूद, कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। एक स्थानीय निवासी, रमेश कुमार ने बताया हमने कई बार अधिकारियों को पत्र लिखा और मीटिंग में इस मुद्दे को उठाया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और फाउंटेन की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है।

पार्क प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लग रहा है, क्योंकि फाउंटेन के आसपास कोई सुरक्षा गार्ड या चेतावनी बोर्ड नहीं था। बच्चे के परिवार ने प्रशासन और पार्क प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह हादसा प्रशासन की लापरवाही और अनदेखी का दुखद उदाहरण है।

बंद पड़े फाउंटेन को भरवाने की बात की गई, जिसमें सिर्फ गंदगी रहती थी और बारिश केवल पानी भरता था, जिसपर कई बार उच्च अधिकारी भी आए और खुद पूर्व सीईओ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण नरेंद्र भूषण ने खुद दौरा करके उसको बंद करवाने के निर्देश भी दिए थे। परंतु यहां ये कल्चर बन चुका है कि जब तक कोई जानलेवा घटना नहीं हो तब तक कोई कार्रवाई नहीं होती जिसका खामियाजा एक मजदूर परिवार को उठाना पड़ा है।

यमुना प्राधिकरण के सेक्टरों में अब और बेहतर होगी विद्युत व्यवस्था

यीडा द्वारा निर्मित सेक्टर-28 व सेक्टर-32 के बिजली घर यूपीपीसीएल को हस्तान्तरित

- **ग्रामीण क्षेत्रों और सेक्टरों को मिलेगी निर्बाध 24 घंटे विद्युत आपूर्ति**
- **लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार हुए दोनों बिजली घर**

ग्रेटर नोएडा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने सेक्टर-28 और सेक्टर-32 में अपने द्वारा निर्मित दो बिजली यूपी पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को हैंडओवर कर दिए गए हैं। सोमवार यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर-28 स्थित बिजली घर का शुभारंभ जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने स्विच ऑन कर किया गया। लगभग 10 करोड़ लागत एवं 33/11केवी क्षमता वाला यह बिजली घर 20 एमवीए का है, जो स्थानीय औद्योगिक इकाईयों, फिल्म

सिटी, मेडिकल डिवाइस पार्क, डेटा सेंटर और विकसित होने वाले सेक्टरों को विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराएगा।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि इन बिजली घरों से ग्रामीणों को 24 घंटे निर्बाध बिजली की सुविधा से लाभान्वित किया जाएगा। इसी प्रकार सेक्टर-32 स्थित बिजली घर भी बनाकर तैयार हो गया है, जो लगभग 10 करोड़ रुपए की धनराशि से बनकर तैयार हो गया है। इस उपकेंद्र से गांवों तथा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगे हुए औद्योगिक क्षेत्र को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करेगा, जिससे विकास को और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन दोनों उपकेंद्रों के संचालन से न केवल ग्रामीणों के जीवन स्तर में अभूतपूर्व सुधार होगा, बल्कि यह बिजली घर पूरे सेक्टर-28 और सेक्टर-32 के औद्योगिक एवं आवासीय विकास को भी मजबूती प्रदान करेगा। सेक्टर-28 सेक्टर बिजली घर से आज ग्राम तिरथली, नगला हुकम सिंह, नगला भटोना, नगला हांडा, नगला जहानू, तिरथली खेड़ा और कुरैव को जोड़ा गया।

घटिया निर्माण सामग्री से प्राधिकरण की खुली पोल

ग्रेटर नोएडा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। बिरौंडी चक्रसेनपुर गांव में हाल ही में बने समुदाय केंद्र की चारदीवारी गिरने से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की लापरवाही और निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार की आशंका एक बार फिर उजागर हो गई है। घटना के बाद गांव में आक्रोश है और ग्रामीणों ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि चारदीवारी की नींव बहुत ही कमजोर थी और उसमें घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था। पिलर भी बेहद कमजोर थे। इससे यह साफ है कि निर्माण कार्य में नियमों की अनदेखी हुई और गुणवत्ता का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा गया।

- **बिरौंडी गांव में समुदाय केंद्र की चारदीवारी गिरी**
- **ग्रामीणों ने जताई नाराजगी**

समाजसेवी मोहित भाटी और शिवम मावी ने की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर यह दीवार लोगों की मौजूदगी में गिरती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि भ्रष्टाचार का संकेत है। घटना के बाद भी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, जिससे ग्रामीणों में और ज्यादा नाराजगी है। लोगों का कहना है कि जब दीवार गिरने जैसी गंभीर बात पर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही, तो यह प्रशासन की लापरवाही का खुला उदाहरण है। ग्रामीणों ने उत्तर प्रदेश सरकार और प्राधिकरण से मांग की है कि मामले की जांच कर दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न दोहराई जाएं।

हज यात्रा-2026 के लिए आवेदक जरुरी दस्तावेज समय से करें पूरा

ग्रेटर नोएडा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। हज यात्रा 2026 की तैयारी शुरु कर दी गई है, जिसको लेकर उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति, लखनऊ के सचिव/कार्यपालक अधिकारी की तरफ से सूचना जारी कर दिया गया है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी युक्ति पाण्डेय ने बताया कि हज यात्रा 2026 की आधिकारिक घोषणा जुलाई 2025 में होने की संभावना है। हज पर जाने वाले यात्रियों के पासपोर्ट के लिए खास जानकारी दी गई है। सबसे पहले, आवेदक के पास मशीन पठनीय पासपोर्ट होना अनिवार्य है। हस्तलिखित पासपोर्ट स्वीकार नहीं किया जाएगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है कि पासपोर्ट की वैधता कम से कम 31 दिसम्बर 2026 तक हो। जिन लोगों के पास वर्तमान में पासपोर्ट नहीं है और वे नया पासपोर्ट बनवाना चाहते हैं, उन्हें यह सलाह दी गई है कि वे पासपोर्ट बनवाते समय सरनेमध्लास्ट नेम का कॉलम खाली न छोड़ें। यह नुसुक पोर्टल की शर्तों के अनुसार जरूरी है, ताकि आवेदन में कोई गलती न हो और प्रक्रिया में रुकावट न आए। जिला प्रशासन ने यह अपील की है कि जो भी व्यक्ति हज-2026 में शामिल होने के इच्छुक हैं, वे समय रहते अपने दस्तावेजों की जांच कर लें और यदि जरूरी हो तो पासपोर्ट को नवीनीकृत या नया बनवाएं। इससे हज कमेटी की प्रक्रिया में किसी तरह की परेशानी नहीं आएगी और आवेदन समय पर पूरा किया जा सकेगा। इस संबंध में संबंधित पत्र की छायाप्रति भी जिला कार्यालय द्वारा साझा की गई है। अधिकारी ने सभी को सावधानीपूर्वक निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है, ताकि हज यात्रा की तैयारी में कोई कमी न रह जाए।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

पहली बारिश में ग्रेनो प्राधिकरण कार्यालय में पानी निकासी की पोल खुली

- **ग्रेनो प्राधिकरण की इमारत के बेसमेंट में भरा पानी, लिफ्ट बंद**
- **बेसमेंट में स्थित इलेक्ट्रिक पैनल के कमरे में भी घुस गया पानी**
- **लगभग 700 करोड़ रुपए की लागत से बनी इको फ्रेंडली बिल्डिंग में जल निकासी की व्यवस्था फेल**

ग्रेटर नोएडा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। रविवार देर रात हुई तेज बारिश ने जल निकासी की व्यवस्था की पोल खोल दी। करोड़ों रुपए की लागत से बनी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की भव्य इमारत के बेसमेंट में डेढ़ से दो फुट पानी भर गया। इलेक्ट्रिक पैनल के कमरे में भी पानी घुस गया, जिससे प्रशासनिक भवन की लिफ्ट बंद करनी पड़ी। पंखे लगाकर सुखाने का प्रयास किया गया।

प्राधिकरण की इको फ्रेंडली इमारत का निर्माण वर्ष 2016 में लगभग 700 करोड़ रुपए की लागत से किया गया था। उस समय जल निकासी सहित गुणवत्ता के बड़े-बड़े दावे किए गए थे, लेकिन रविवार देर रात तीन घंटे तक हुई तेज बारिश ने सारे दावे पर पानी फेर दिया। पूरे बेसमेंट में दो फुट तक पानी भर गया। यह स्थिति पिछले कई सालों से बनी हुई है, लेकिन समस्या का स्थाई समाधान नहीं किया जा रहा है।

रविवार रात हुई बारिश से एक बार फिर जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि इस बार ज्यादा जलभराव हुआ है। इसको देखते हुए मोटर पंप लगाकर व टैंकर से पानी की निकासी शुरू कराई गई। लोगों का कहना है कि प्राधिकरण जब अपने दफ्तर की बिल्डिंग में जलभराव नहीं रोक पा रहा है, तो शहर में अन्य स्थानों पर हो रहे जलभराव की समस्या का समाधान कैसे होगा। बेसमेंट में जलभराव होने कर्मचारियों और प्राधिकरण में आने फरियादियों को गाड़ी खड़ी करने में दिक्कत हुई।

प्राधिकरण ने बेसमेंट में पॉर्किंग बना रखी है। पानी भर जाने से सुरक्षा कर्मियों ने गाड़ी खड़ी करने से मना कर दिया। प्राधिकरण की इमारत के बेसमेंट में पानी भरने की शिकायत सोशल मीडिया के माध्यम से उच्चाधिकारियों से की गई है।

प्रशासनिक भवन की लिफ्ट बंद

बेसमेंट में लबालब पानी भर जाने से प्रशासनिक भवन की लिफ्ट में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके चलते लिफ्ट को बंद कर दिया गया। पानी निकालकर उसे सुखाने के लिए पंखे लगाए गए। इलेक्ट्रिक पैनल के कमरे में पानी घुस जाने से कर्मचारी डर गए। करंट फैलने का खतरा देख कर्मचारी बाहर खड़े हो गए।

श्रम उपकर की वसूली के लिए जारी आरसी को निरस्त व पुनरीक्षण करने की आईईए ने की मांग

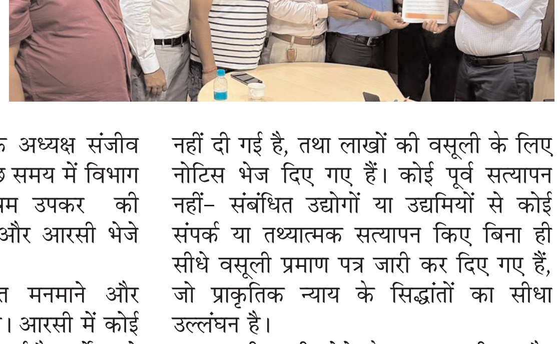

ग्रेटर नोएडा, 7 जुलाई (देशबन्धु)। इंडस्ट्रियल एंट्रेपरेण्योर्स एसोसिएशन की ओर से नोएडा क्षेत्र के उद्यमियों की गंभीर चिंताओं और नाराजगी प्रकट करते हुए श्रम उपकर की मनमानी वसूली के खिलाफ आरसी निरस्त करने की मांग जिला श्रम उपायुक्त, श्रम विभाग नोएडा से की है। आईईए के अध्यक्ष संजीव शर्मा ने बताया कि पिछले कुछ समय में विभाग द्वारा विभिन्न उद्योगों को श्रम उपकर की वसूली के संबंध में नोटिस और आरसी भेजे गए हैं।

यह पूरी प्रक्रिया अत्यंत मनमाने और अपारदर्शी तरीके से की गई है। आरसी में कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है, वर्षों पुराने मामलों के आधार पर नोटिस जारी किए जा रहे हैं। यह अत्यंत अव्यावहारिक है कि कोई भी उद्योग इतने वर्षों तक निर्माण संबंधी रिकॉर्ड सुरक्षित रखे। किसी भी विभाग के लिए नोटिस भेजने की एक समय सीमा तय होती है, लेकिन आपके विभाग द्वारा बिना रिकॉर्ड जांचे केवल अनुमान के आधार पर नोटिस भेजना अनुचित है।

उपकर गणना का कोई स्पष्ट आधार नहीं- नोटिस में निर्माण लागत, क्षेत्रफल, कार्य की अवधि आदि का कोई स्पष्ट उल्लेख या गणना नहीं दी गई है, तथा लाखों की वसूली के लिए नोटिस भेज दिए गए हैं। कोई पूर्व सत्यापन नहीं- संबंधित उद्योगों या उद्यमियों से कोई संपर्क या तथ्यात्मक सत्यापन किए बिना ही सीधे वसूली प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए हैं, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन है।

आरसी जारी होने के बाद तहसील और विभागीय कर्मियों द्वारा उद्यमियों पर अनुचित दबाव डाला जा रहा है, जिससे पूरा उद्योग वर्ग गहरे असंतोष में है। आईआईए ने मांग की है कि अब तक जारी किए गए सभी आरसी को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए। प्रत्येक मामले में नाम, निर्माण वर्ष, क्षेत्रफल, निर्माण लागत एवं उपकर गणना के आधार पर पुनः सत्यापन किया जाए। 8 वर्ष से अधिक पुराने मामलों में नोटिस न भेजे जाएं, क्योंकि इतने पुराने रिकॉर्ड का रखाव उद्यमियों के लिए व्यवहारिक नहीं है।

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, मंगलवार 8 जुलाई 2025
संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

कंगना और प्रियंका

हिमाचल प्रदेश इस समय भारी बारिश से मची तबाही से जूझ रहा है। कई दिनों से लगातार हो रही तेज बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं ने आम आदमी की जान सांसत में डाल दी है। एक बेहद मार्मिक तस्वीर सामने आई है, जिसमें एक 11 महीने की बच्ची महिला अधिकारी की गोद में खेल रही है, उसे पता नहीं कि वह अब अनाथ है, उसके मां-बाप, दादा-दादी समेत पूरा परिवार बह चुका है और वो इस दुनिया में अकेली है। दर्द के ऐसे सैकड़ों किस्से इस समय हिमाचल प्रदेश में दिखाई-सुनाई दे रहे हैं, लेकिन खुद को शान से हिमाचली बताने वाली कंगना रानौत को ऐसे दुख के वक्त में भी हंसी आ रही है।

कंगना रानौत का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें पत्रकार उनसे पूछ रहे हैं कि उन्हें यहां आने में देर क्यों हुई। साथ ही राहत और बचाव कार्य को लेकर भी सवाल हुए तो कंगना ने बाकायदा खुलकर हंसते हुए कहा कि मेरे पास न तो कोई केबिनेट मंत्री का पद है, न फंड है कि मैं कुछ कर सकूं। बता दें कि हिमाचल प्रदेश के मंडी समेत कई जिलों में बाढ़ कहर बरपा रही है, जिसके चलते लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। 20 जून से आए मानसून के बाद बारिश इतनी बढ़ी कि अब तक कम से कम 80 लोगों की जान चली गई है, अकेले मंडी जिले में ही 14 लोगों की मौत हुई है। कई लोग लापता हैं। मवेशी, पशु-पक्षी भी बड़ी संख्या में हताहत हुए हैं। खेती और व्यापार तबाह हो रहे हैं। बाढ़ की वजह से 572 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो चुका है। पेयजल, सड़क, बिजली आदि की सुविधाओं में बड़ी समस्या तो खड़ी हो ही चुकी है, इससे जुड़ी बड़ी परियोजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। सैकड़ों कच्चे और पक्के मकान क्षतिग्रस्त हैं। हिमाचल प्रदेश में पर्यटन आजीविका का एक बड़ा आधार है और इस बार की बारिश में जो तबाही आई है, उसका सीधा असर इस व्यवसाय पर भी पड़ेगा।

फिलहाल राज्य की कांग्रेस सरकार राहत और बचाव में लगी है। कांग्रेस के साथ-साथ भाजपा के भी स्थानीय नेता हालात पर नजर बनाए रखे हैं और लोगों के दर्द सुन रहे हैं। लेकिन कंगना रानौत को इस मौके पर भी राजनीति सूझ रही है। पहले तो कंगना रानौत आपदाग्रस्त क्षेत्र में आने की जगह घूमती-फिरती रहीं और जब रविवार को कंगना ने आपदाग्रस्त सिराज विधानसभा का दौरा किया तो उसमें भी प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करने का मौका नहीं छोड़ा। कंगना ने कहा कि केंद्र सरकार ने तुरंत सेना भेजकर राहत अभियान चलाया है। प्रधानमंत्री भले ही विदेश यात्रा पर हों, लेकिन उन्हें यहां क्या हो रहा है, इसकी जानकारी है। इसके बाद अपनी सीमित भूमिका का जिक्र करते हुए, कंगना ने कहा कि एक सांसद के तौर पर मेरा काम फंड लाना और जमीनी हकीकत को सरकार तक पहुंचाना है। मेरे पास अपना तो कोई फंड है नहीं, न कोई अधिकारी हैं और न ही कोई कैबिनेट है। सांसद का काम सीमित होता है। केंद्र का फंड राज्य सरकार के पास आता है, ये लोग पैसा खाकर बैठे हैं। मेरे पास तो फंड आएगा नहीं, देना तो उन्हीं (हिमाचल सरकार) को है।

कंगना के इस बयान से जाहिर है कि उन्हें न हालात की गंभीरता समझ आ रही है, न ही उन्हें मुद्दों की कोई समझ है। वे बस अभिनेत्री होने की लोकप्रियता को भुनाकर संसद पहुंच गई हैं, लेकिन सही मायनों में जनप्रतिनिधि नहीं बनी हैं। याद कीजिए कि पिछले साल इन्हीं दिनों में केरल में भूस्खलन हुआ था। तब नयी-नयी सांसद बनी प्रियंका गांधी और उनके साथ राहुल गांधी केरल पहुंचे थे और दोनों ने घूम-घूमकर सारे आपदाग्रस्त इलाकों का दौरा किया था, पीड़ितों का दर्द बांटा था। प्रियंका गांधी ने लगातार केंद्र सरकार पर दबाव बनाया था कि केरल के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित करे। प्रियंका गांधी की ही मुहिम का असर था कि फिर नरेन्द्र मोदी को भी राज्य का दौरा करना पड़ा था। प्रियंका गांधी संवेदनशीलता के साथ अपनी सांसद की भूमिका को निभा रही हैं, लेकिन कंगना रानौत यहां पूरी तरह से नाकाम दिखीं।

बल्कि अपनी कमजोरी ढंकने के लिए कंगना हिमाचल प्रदेश की सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही हैं। बिना किसी सबूत के कंगना ने कह दिया कि प्रदेश में भ्रष्टाचारी सरकार काम कर रही है। पूर्व में भी केंद्र सरकार ने आपदा के समय जो हजारों करोड़ रुपए भेजे थे, उसे प्रदेश सरकार ही डकार गई है। उन्होंने आशंका जताई कि अब भी केंद्र से जो रिलीफ फंड आयेगा, वो भी प्रभावितों तक पहुंचेगा या नहीं। प्रभावितों तक हर मदद पहुंचे, इसके लिए कोई रास्ता निकालना होगा। कंगना ने मुख्यमंत्री सुक्खू और पीडब्ल्यूडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह को निशाने पर लेते हुए कहा कि जिनका काम है वो लापता है, उनका मानना है कि कंगना आकर काम कर जाती तो अच्छा था या तो कंगना यहां रहकर मुख्यमंत्री और पीडब्ल्यूडी के काम कर जाती तो वो अच्छा था। खैर हमसे जो भी बन पड़ेगा वो किया जाएगा।

कंगना रानौत सामान्य नेता नहीं हैं, बल्कि निर्वाचित सांसद हैं, इसलिए उन्हें अगर राज्य सरकार पर कोई आरोप लगाना हो तो उसके सबूत भी पेश करने चाहिए। लेकिन वो ऐसा नहीं कर रहीं हैं। वहीं दूसरी ओर अपनी मजबूरी बता रही हैं कि मेरा कोई कैबिनेट तो है नहीं, मेरा काम है केंद्र से राहत कोष लेकर आना। यहां कंगना को पता होना चाहिए कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में सांसद की कई भूमिकाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। एक सांसद के पास सरकार के खर्चों को मंजूरी देने और नियंत्रित करने की शक्ति होती है, यह शक्ति उन्हें बजट और कराधान पर नियंत्रण रखने के कारण हासिल होती है। सांसद यह सुनिश्चित करते हैं कि सरकार का पैसा प्रभावी ढंग से और जनता के हित में खर्च किया जाए। गौरतलब है कि 1993 में शुरू की गई सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडीएस) के तहत हर सांसद को अपने संसदीय क्षेत्र में विकास के लिए हर साल 5 करोड़ रुपए दिए जाते हैं। इस योजना का संचालन सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से किया जाता है। एमपीएलएडीएस के तहत सांसद निधि को जिले में संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों के जरिए भेजा जाता है। जिससे सांसद अपने क्षेत्र में विकास परियोजनाओं की सिफारिश करते हैं। इसमें सड़कें, स्कूल, अस्पताल, पेयजल सुविधाएं और अन्य बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, सांसद जनता की समस्याओं को संसद में उठाते हैं और सरकार से उनके समाधान के लिए अपील करते हैं। प्राकृतिक आपदाओं के समय सांसद अपने क्षेत्र के लोगों को राहत प्रदान करने में मदद कर सकते हैं। राहत सामग्री, राशन, मेडिकल सहायता, राहत शिविर लगाने के साथ-साथ और सरकार से राहत पैकेज की मांग कर सकते हैं। प्रियंका गांधी ने केरल में यही सब किया था। लेकिन कंगना रानौत अपनी जिम्मेदारी निभाने की जगह बहाने बना रही हैं।

नोटबंदी से वोटबंदी तक

राजेंद्र शर्मा

बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षण के लिए स्वीकार कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय के तत्काल जरूरी होने को पहचानते हुए, इस पर विचार के लिए तीन दिन बाद, बृहस्पतिवार 10 जुलाई की तारीख तय की है। इस संबंध में संबंधित पक्षों के लिए नोटिस जारी कर दिए गए हैं। बिहार में विधानसभाई चुनाव से पहले मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की इस प्रक्रिया के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में छः याचिकाएं पहुंची थीं। इनमें, विशेष रूप से चुनाव सुधारों से संबंधित पहलुओं पर काम करने वाले गैर-सरकारी संगठन, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) तथा जनाधिकार संगठन पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज (पीयूसीएल) के अलावा तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सांसद, मनोज कुमार झा की याचिकाएं शामिल हैं। सभी याचिकाओं का मुख्य मुद्दा एक ही है, विधानसभाई चुनाव से पहले इतने कम समय में की जा रही मतदाता सूचियों में भारी फेर-बदल की यह पूरी कसरत, खासतौर पर करोड़ों की संख्या में वंचितों तथा कमजोर व हाशिए के तबके के लोगों से मताधिकार छीनने का ही काम करेगी। इसलिए, इस प्रक्रिया पर ही रोक लगाने की प्रार्थना की गयी है।

कहने की जरूरत नहीं है कि अब सभी निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हुई हैं। लेकिन, 25 जून को मतदाता सूची पुनरीक्षण की इस प्रक्रिया के शुरू होने से अब तक इस मामले भारतीय चुनाव आयोग या ईसीआई का जो आचरण रहा है, मोदी राज के ग्यारह साल में मजबूती से कायम कर दी गयी शासकीय संस्कृति को ही प्रतिबिंबित करता है। इस शासकीय संस्कृति के तीन खास तत्व हैं। पहला, नाटकीय तरीके से बड़े लगने वाले और आम जनता के लिए कड़े साबित होने जा रहे, कथित रूप से 'साहसिक' फैसले लेना। इन कदमों की साहसिकता का एक ही सबूत होता है, जनता की तकलीफों की और इन तकलीफों को स्वर देने वाले राजनीतिक विपक्ष के विरोध की परवाह ही नहीं करते हुए, आगे बढ़ते जाना। दूसरा, जनता की मुश्किलों के रूप में इन निर्णयों के दुष्परिणामों के सामने आने पर, लीपा-पोती करने से लेकर, पांव पीछे खींचने तक की कोशिशें करना। और तीसरा, यह सब करते हुए भी इसका शासकीय अहंकार दिखाना कि शासन का फैसला पूरी तरह से सही था और उसमें कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है! नोटबंदी के मामले में ये तीनों विशेषताएं खुलकर सामने आयी थीं। शहरबंदी या लॉकडाउन में भी ये तीनों ही विशेषताएं देखने को मिली थीं। और अब इस मतदाता सूची पुनरीक्षण में, जिसे उचित ही बिहार के महागठबंध के झंडे तले संगठित विपक्ष ने 'वोटबंदी' का नाम दिया है, इस छोटी सी अवधि में ही इन तीनों विशेषताओं के दर्शन हो चुके हैं। नोट करने वाली बात यह है कि चुनाव आयोग, एक स्वतंत्र वैधानिक संस्था है, इसके बावजूद हम उसे खास मोदीराज की राजनीतिक संस्कृति में रंगा हुआ देख रहे हैं।

जहां तक कथित रूप से 'साहसिक' निर्णय का सवाल है, चुनाव से ऐन पहले और वह भी कुल तीन महीने से भी कम समय में, आठ करोड़ के लगभग मतदाताओं की सूचियां एक तरह से नये सिरे से बनाना, अगर इतना खतरनाक नहीं होता तो बेशक साहसिक तो माना ही जा सकता था। अब यह सभी जान चुके हैं कि बिहार में मतदाता सूचियों में इस तरह का गहन पुनरीक्षण, 2003 में हुआ था। उसके 22 साल बाद, इस गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को नये सिरे से दोहराए जाने की, एक 'बड़ा काम' कर के दिखाने की ललक के सिवा और क्या आवश्यकता थी, इसका चुनाव आयोग की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं आया है।

> **जहां पहले ही गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर इतने सारे भ्रम तथा कन्फ्युजन हैं, उसके संबंध में भ्रमों की धुंध और गहरी की जा रही है। इस धुंध की आड़ में, मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर, नागरिकता के प्रमाण मांग कर एक हद तक एनआरसी थोपी जा रही होगी और करोड़ों भारतीयों का मताधिकार छीना जा रहा होगा और दूसरी ओर, चुनाव आयोग यह कहकर खुद को इसके लिए जिम्मेदारी से भी बचा रहेगा।**

बेशक, इस निर्णय से पहले चुनाव प्रक्रिया के मुख्य हितधारकों के रूप में राजनीतिक पार्टियों के साथ किसी तरह के परामर्श में तो नहीं, बहरहाल आलोचना के तीखे होते स्वरों के सामने चुनाव आयोग ने इस कसरत को जरूरी साबित करने की कोशिश की है। लेकिन, चुनाव आयोग द्वारा दी गयी दलीलें इतनी लचर हैं कि खुद चुनाव आयोग के अधिकारीगण जहां-तहां मैदानी स्तर पर इस फैसले की जरूरत बताते हुए, अक्सर 'पहले नागरिकता तय करने' की दलील में खिसक जाते हैं, जो कि जाहिर है कि चुनाव आयोग का काम नहीं है और जिससे चुनाव आयोग अगर सुप्रीम कोर्ट के सामने अपने फैसले का बचाव करते हुए, अपना दामन ही नहीं छुड़ा ले तो ही आश्चर्य की बात होगी। एक और प्रमुख कारण, जिसका जिक्र चुनाव आयोग के मुंह से निकल गया है, हालांकि इसे भी आयोग द्वारा अब ढांपने की कोशिश की जाएगी, बिहार से रोजी-रोटी कमाने के लिए दूसरे राज्यों में जाने वाले मेहनतकशों की संख्या करोड़ों में होना है। इन मेहनतकशों का मकान ही बिहार में नहीं होता है, बिहार से, उसकी नियति से उनका जीवंत रिश्ता रहता है, जबकि दूसरे राज्यों के जीवन से, जहां वे रोजी-रोटी के लिए रहते हैं, वे वैसा आवयविक रिश्ता नहीं बना पाते हैं। सामान्य रूप से अपने गृह राज्य में नहीं रहने के आधार पर, उन्हें बिहार के मतदाता की हैसियत से बेदखल करने की आयोग की नीयत, कानून के सामने एक मिनट भी नहीं टिक पाएगी। चुनाव आयोग को यह तय करने का तो अधिकार है कि ये प्रवासी, अगर बिहार में मतदाता हैं तो दूसरे राज्यों में भी मतदाता नहीं बनें, लेकिन उसे यह तय करने का अधिकार नहीं है कि किसी प्रवासी को, अपने गृह राज्य में मतदान करना चाहिए या अपने काम की जगह पर।

अपने इस 'बड़े' निर्णय के बचाव के लिए चुनाव आयोग, एक सरासर अर्द्धसत्य का सहारा लेता है। वह राजनीतिक हितधारकों के साथ किन्हीं 'चार हजार परामर्शों' की बार-बार दुहाई देता रहा है। और इसके साथ ही यह दलील दोहराता आया है कि सभी राजनीतिक पार्टियों ने मतदाता सूचियों में सुधार की जरूरत पर जोर दिया था। लेकिन, चुनाव आयोग इन दलीलों के जरिए इस सच्चाई को छुपाने की कोशिश करता है कि न तो किसी भी राजनीतिक पार्टी ने मतदाता सूची के इस तरह के सघन पुनरीक्षण की मांग की थी और न ही आयोग ने किसी भी राजनीतिक पार्टी से इस तरह के पुनरीक्षण को लेकर कोई परामर्श किया था। इसके विपरीत, इस फैसले का राजनीतिक पार्टियों के सिर पर अचानक बम की तरह फोड़ दिया जाना ही, आयोग की नजरों में इस फैसले को बड़ा या साहसिक बनाता था।

नोटबंदी जैसी दूसरी विशेषता तब दिखाई दी, जब चुनाव आयोग ने गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया वाकई शुरू की। अब वे जमीनी सच्चाइयां उसके सामने थीं, जिन्हें सिर्फ प्रचार के सहारे हवा में नहीं उड़ाया जा सकता था। सबसे बड़ी समस्या, जैसा कि सभी टिप्पणीकार शुरू से ही रेखांकित कर रहे थे, जन्म प्रमाणपत्र समेत उन दस्तावेजों के जुटाए जाने की थी, जो मतदाता के रूप में नामांकन के फार्म के साथ, तीन श्रेणियों में मतदाताओं को अलग-अलग हद तक, जमा कराने थे और 26 जुलाई तक जमा कराने थे। यह साफ होने में जरा भी देर नहीं लगी कि करोड़ों मतदाताओं के लिए, जिनमें गरीब भूमिहीन तथा गरीब किसान, मजदूर, प्रवासी मजदूर, कम पढ़े, निचली मानी जाने वाली जातियों के लोगों और महिलाओं की संख्या खासतौर पर बड़ी होगी, आवश्यक सार्टिफिकेट जमा करना ही नहीं, तस्वीर से युक्त फार्म भरकर जमा कराना भी, कठिन परीक्षा होगी।

पहले पग पर इस कठिनाई के सामने पहले चुनाव आयोग की ओर से नया स्पष्टीकरण दिया गया कि 2003 की मतदाता सूची में जिनका नाम है, उनके लिए तस्वीर के साथ फार्म के साथ, सिर्फ मतदाता सूची के संबंधित अंश की फोटो कापी देना ही काफी होगा। फिर और स्पष्टीकरण आया कि 2003 की मतदाता सूची में जिनके नाम नहीं हैं, उनके माता-पिता का नाम अगर उक्त मतदाता सूची में है, तो उनके जन्म प्रमाणपत्र की जगह, मतदाता सूची के संबंधित अंश की फोटो कापी लगाना काफी होगा। इसके बाद भी, जब मुश्किलें कम नहीं हुईं तो चुनाव आयोग की ओर से कह दिया गया कि पहले सिर्फ फार्म भरकर जमा कराया जाए, भले ही उसमें तस्वीर भी नहीं हो। बाकी दस्तावेजों को बाद में देखी जाएगी।

लेकिन, जब राजनीतिक पार्टियों ने इसे चुनाव आयोग की ओर से कठिनाइयों को देखते हुए, नियमों में बदलाव करने की कोशिश बताया गया, जो बेशक उनके हिसाब से स्वागतयोग्य और जरूरी थी, तो चुनाव आयोग का ईगो आगे आ गया और उसने तीसरी विशेषता का प्रदर्शन शुरू कर दिया। चुनाव आयोग ने दावा करना शुरू कर दिया कि उसने नियमों में कोई बदलाव नहीं किये हैं। सारे नियम ज्यों के त्यों हैं। कुछ भी नहीं बदला है। दस्तावेज बाद में लगाए जा सकते हैं, कच्ची सूची बनने के बाद, कच्ची सूची की समीक्षा के दौर तक। इस तरह, एक ओर चुनाव आयोग जो पहले दस दिन में एक करोड़ से थोड़े से ज्यादा फार्म ही जमा कर पाया है, बाकी प्रमाणों की शर्त स्थगित करने के जरिए, एक महीने की तय अवधि में प्रकट विफलता से बचने की कोशिश कर रहा है और दूसरी ओर, यह दावा किया जा रहा है कि आयोग ने नियमों में कोई छूट नहीं दी है, बस अब दस्तावेज बाद में लिए जा सकेंगे। यानी दस्तावेजों की उपलब्धता की जो करोड़ों मतदाताओं की समस्या है, उसे सिर्फ कुछ हफ्तों के लिए टाला भर गया है।

इस तरह, जहां पहले ही गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर इतने सारे भ्रम तथा कन्फ्युजन हैं, उसके संबंध में भ्रमों की धुंध और गहरी की जा रही है। इस धुंध की आड़ में, मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर, नागरिकता के प्रमाण मांग कर एक हद तक एनआरसी थोपी जा रही होगी और करोड़ों भारतीयों का मताधिकार छीना जा रहा होगा और दूसरी ओर, चुनाव आयोग यह कहकर खुद को इसके लिए जिम्मेदारी से भी बचा रहेगा, उसने तो सिर्फ गहन पुनरीक्षण का, मतदाता सूचियों की साफ-सफाई का काम किया है। अब तो सर्वोच्च न्यायालय ही चुनाव आयोग को जनतंत्र पर यह बड़ा आघात करने से रोक सकता है। याद रहे कि यह खेल शुरू भले बिहार से किया गया है, आने वाले दिनों में पूरे देश को इस छद्म एनआरसी से गुजरना पड़ेगा, बशर्ते सुप्रीम कोर्ट इस सिलसिले पर रोक नहीं लगा दे।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

विनाश को विस्तार देते युद्ध!

■ कुमार प्रशांत

आजकल की राजनीतिक शैली में बात कुछ ऐसी बना दी गई है कि देश के बारे में, फौज के बारे में, युद्ध के बारे में, देश की सुरक्षा के बारे में कुछ भी न बोलो, न पूछो, न सोचो! पहलगाम के बाद तमाम विपक्ष ने कह दिया कि हम सरकार के साथ हैं। यह घबराई हुई, जड़विहीन, राजनीतिक दृष्टि से कायर विपक्ष की सोच है। संकट का आसमान रचना और फिर उस आसमान में अपने शिकार करना सरकारों का पुराना हथकंडा है। ऐसे में विपक्ष की एक ही भूमिका होनी चाहिए कि हम हर हाल में देश के साथ खड़े रहेंगे। हमारी इस भूमिका से सरकार को जितनी मदद, जितना समर्थन मिलता है, उससे हमें एतराज़ भी नहीं है, लेकिन सरकार की आंखों से हम देखें, सरकार के कानों से हम सुनें तथा सरकार के पांवों पर हम चलें, यह कैसे हो सकता है? यह तो बौनों का बला का संकट है और इससे घिरा हमारा विपक्ष बौने-से-बौनातर हुआ जा रहा है।

तीन दिन के युद्ध के बाद, गंभीर चर्चा व समीक्षा की हर संभावना को खत्म करते हुए प्रधानमंत्री ने संसदीय विपक्ष की आवाजों को चुन-चुन कर विदेश-यात्रा पर भेज दिया। कहा कि विश्व मंच पर भारत सरकार का पक्ष अच्छी तरह रखने का राष्ट्रीय कर्तव्य निभाने की चुनौती है, सो आप सब तैयार हो जाएं। आख़िर पाकिस्तान को जवाब देना है न! कहने की देर थी कि सभी तैयार हो गए। किसी ने नहीं कहा कि हमें अपनी पार्टी की सहमति लेनी पड़ेगी! जब राष्ट्रीय कर्तव्य निभाना हो, तो पार्टी की क्या बात है। पार्टी से राष्ट्र बड़ा होता है कि नहीं! नतीजे में जहां, जिसे, जैसा मौका मिला, उसने वहां, वैसा सरकार का पक्ष रखा। लौटने पर सबने पाया कि वे तो विदेश से लौट आए हैं, लेकिन उनकी आवाज कहीं विदेश में ही रह गई है। आज हमारे संसदीय विपक्ष के पास न चेहरा है, न आवाज़!

> **तीन दिन के युद्ध के बाद, गंभीर चर्चा व समीक्षा की हर संभावना को खत्म करते हुए प्रधानमंत्री ने संसदीय विपक्ष की आवाजों को चुन-चुन कर विदेश-यात्रा पर भेज दिया। कहा कि विश्व मंच पर भारत सरकार का पक्ष अच्छी तरह रखने का राष्ट्रीय कर्तव्य निभाने की चुनौती है, सो आप सब तैयार हो जाएं। आख़िर पाकिस्तान को जवाब देना है न !**

जब विपक्ष के ऐसे हालात हों और सत्तापक्ष के भीतर सत्ता-सुख व अहंकार के अलावा कुछ हो ही नहीं, तो यह सवाल कौन पूछे कि अंगुलियों पर गिने जाने जैसे आतंकवादी हमारी सीमा में घुस आए और उन्होंने हमारे 26 नागरिकों की हत्या कर दी, इतने से सारा देश कैसे खतरे में आ गया? पहलगांव में घुस आए आतंकवादियों व उन नागरिकों की हत्या से देश खतरे में नहीं आया था, बल्कि वह खतरे में इसलिए आया कि आप कश्मीर की सीमा की सुरक्षा में विफल रहे। केंद्र सरकार की सीधी निगरानी में जो कश्मीर है, चोर उसकी दीवार में सेंध लगा लेता है तो यहां खतरा आपका निकम्मापन है। खतरा यहां है कि आप उस आतंकी कार्रवाई का जवाब देने के लिए ऐसा रास्ता अख्तियार करते हैं जो काइंया अंतरराष्ट्रीय शक्तियों को अपना खेल खेलने के लिए उकसाता है।

अलबत्ता, सच भी कहीं-न-कहीं से अपना सर उठा ही लेता है। हमारे वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल एपी सिंह और बाद में 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' जनरल अनिल चौहान की बात ऐसी नहीं है कि हम उसे नजरंदाज करें। वे कह रहे हैं कि तीन दिनों का यह युद्ध दोनों तरफ़ को बेहद नुक़सान पहुंचा गया है। पाकिस्तान का नुक़सान ज्यादा हुआ है, लेकिन उसने हमारा जितना नुक़सान किया है, वह स्थिति को ख़तरनाक बनाता है। पाकिस्तान ने हमारे विमान भी गिराए और सैनिक अड्डों को भी नुक़सान पहुंचाया। यह युद्ध रुकना ही चाहिए था, क्योंकि इस युद्ध से हासिल कुछ नहीं हो सकता था। परिस्थिति का यह आकलन व अंतरराष्ट्रीय शक्तियों का दबाव हमें युद्धविराम तक ले आया।

हमें यह सच्चाई समझनी चाहिए कि हथियार के व्यापारियों से खरीद-खरीदकर जो जखीरा हम भी और पाकिस्तान भी जमा करता रहता है, वह हर देश को करीब-करीब एक ही धरातल पर ला खड़ा करता है। इसलिए आज की दुनिया में कोई लड़ाई अंतिम तौर पर किसी को जीत नहीं दिलाती, बल्कि विनाश ही आज के युद्ध का सच है। रूस-यूक्रेन का दो बरस से ज्यादा लंबा युद्ध कौन जीत रहा है? दोनों बर्बाद हो रहे हैं। अमेरिका व यूरोप की फौजी मदद से लड़ रहा यूक्रेन और हथियारों का अकूत जखीरा रखने वाला रूस-दोनों का दम फूल रहा है। दोनों का देश बर्बाद हो रहा है। फौजी भी मारे जा रहे हैं, नागरिक भी; शहर-गांव-कस्बे सब मलबों में तब्दील हो रहे हैं। ऐसे में आप जीत-हार की बात क्या पूछेंगे!

पूछने वाला सवाल यही है कि बताइए, कितना विनाश हो चुका है और कितना विनाश करके आप रुकेंगे? इजरायल ने ईरान पर हमला कर किया क्या? या फिर ट्रंप ने वहां अपनी नाक घुसेड़ कर क्या किया? आप सोचिए, अगर ईरान ने अमेरिका पर हमला बोला तो क्या होगा? जीत या हार? नहीं, ऐसा कुछ नहीं होगा। विश्वयुद्ध भी नहीं होगा, वैश्विक विनाश होगा – शायद वैसा, जैसा दुनिया ने अब तक देखा नहीं है।

कोई आश्चर्य नहीं कि देश में आज एक ही विपक्ष राहुल गांधी बचा है, लेकिन इस एक आदमी का विपक्ष भी हर कदम पर ठिठकता, भटकता और असमंजस में पड़ा दिखाई देता है। यह इसलिए कि वह हर तरफ़ से अकालग्रस्त है – अकाल संख्या का नहीं, प्रतिभा, प्रतिबद्धता का अकाल है! किसी भी नेता के लिए निर्णायक भूमिका निभाने या उसकी जिम्मेदारी लेने के लिए कुछ आला सहकर्मियों की ज़रूरत होती है। ऐसे सहकर्मी बने-बनाए नहीं मिलते, बनाने पड़ते हैं। राहुल के पास वे नहीं हैं, क्योंकि अब तक का अनुभव बताता है कि उन्हें ग़लत सहकर्मियों को चुनने में महारत हासिल है।

हिंसा में से वीरता तो पहले ही निकल चुकी है, अब युद्ध में से जीत-हार भी निकल गई है। बची है विशुद्ध हैवानियत- क्रूरता, अश्लीलता और अपरिमित विनाश! कोई राहुल गांधी यदि पूछता है कि बताइए, तीन दिनों के इस युद्ध में हमारा कितना नुक़सान हुआ, कितने विमान गिरे, कितने जवान मरे तो यह देशभक्ति की कमी या अपनी सेना की क्षमता पर भरोसे की कमी जैसी बात नहीं है। यही सवाल है जो पाकिस्तान में भी पूछा जाना चाहिए, इजरायल में भी, यूक्रेन और गाजा व ईरान में भी। आज किसी भी कारण जो जंग का रास्ता चुनते हैं या जबरन किसी को जंग में खींच लाते हैं उन सबके संदर्भ में यही सबसे अहम सवाल है जो आंखों में आंखें डालकर पूछा जाना चाहिए। लेकिन पूछे कौन? जिस विपक्ष की ज़ुबान खो गई है वह पूछे भी तो कैसे?

(लेखक गांधीशांति प्रतिष्ठान केअध्यक्ष हैं।)

ललित सुरजन की कलम से

यात्रा वृतांत: कुछ इंदौर, कुछ उज्जैन

'हमें इंदौर एक दिन रुककर उज्जैन जाना था। मित्रों ने प्रसन्नता के साथ सूचित किया- कोई परेशानी नहीं, बस पचास किलोमीटर तो है, एक घंटे में पहुंच जाएंगे। कोई हड़बड़ी मत कीजिए। हमने उनकी बात मान ली। शहर से निकलकर हाईवे तक आने में जो भी समय लगा हो, उसके बाद तो चालीस-पैंतालीस मिनट में सफर तय हो गया। शहर के भीतर एक एक्सप्रेस-वे है इस पर टोल टैक्स का नाका पड़ता है। हमारे टैक्सी ड्राइवर ने टोल नहीं पटाया। उसने बताया कि यह नाका अवैध रूप से चल रहा है। सरकार इसे बंद कर चुकी है। इंदौर वाले इस बात को जानते हैं, लेकिन बाहर की नंबर प्लेट देखकर नाकेदार वसूली कर लेते हैं। उसने भाजपा के एक बड़े स्थानीय नेता का नाम लिया कि अवैध वसूली में चालीस परसेंट हिस्सा उनको जाता है। उन नेता की शहर में और कहां-कहां हिस्सेदारी है, क्या-क्या जमीन-जायदाद हैं, यह रहस्योद्घाटन भी उसने किया। एक तरफ इंदौर की सड़कों की स्वच्छता, दूसरी तरफ राजनीति की मलीनता, दो विरोधाभासी तथ्य उजागर हुए। लेकिन टैक्सी ड्राइवर ने जो बात बताई वह तो आज की कड़वी सच्चाई है और सर्वव्यापी है। इसकी सफाई कैसे होगी, पता नहीं।'

(देशबन्धु में 29 जून 2017 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2017/06/blog-post_28.html

पावन प्रसंग

कर्मों की अभिव्यक्ति

चलते रहने से ही व्यक्ति मंजिल तक पहुंच पाता है। भाग्य के भरोसे बैठे रहने से मंजिल तक नहीं पहुंचा जा सकता है। इसलिए भाग्य को नहीं, कर्म को प्रधान कहा गया है। कठोर परिश्रम और पुरुषार्थ के द्वारा ही हम जीवन में सफल और सुखी हो सकते हैं। परिश्रम और पुरुषार्थ करने के बजाय आलसी, अकर्मण्य और निष्क्रिय बने रहना और भाग्य के भरोसे बैठे रहने वाले लोगों को जीवन में निराशा और असफलता ही हाथ लगती है। अस्तु हमें सदैव सच्चाई और पुरुषार्थ के पथ पर सक्रिय रहना चाहिए और चलते रहना चाहिए, क्योंकि कर्मरूपी पथ पर चलते रहने से ही मंजिल प्राप्त होती है। समस्त शास्त्रों में कर्म को ही प्रधानता दी गई है, कर्म करने को ही महत्वपूर्ण माना गया है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन को कर्म करने, युद्ध करने, स्वधर्म पालन करने का ही उपदेश दिया था। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अभी युद्ध करना ही तुम्हारा धर्म है, कर्म है। तुम कर्मरूपी धर्म का पालन करो। तुम युद्ध करो, पर युद्ध के परिणाम की चिंता, अपने कर्मों को मुझे अर्पित करते रहो।

कर्म भाग्य के अधीन नहीं, बल्कि भाग्य कर्म के अधीन है। हाथ की लकीरों में अपने भाग्य को ढूंढने के बजाय अगर हम हाथों से कर्म करें, पुरुषार्थ करें तो हम जो कुछ चाहें, वह प्राप्त कर सकते हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में कहा है-

करम प्रधान बिस्व करि राखा।
जो जस करई सो तस फलु चाखा।।
सकल पदारथ है जग माही।
कर्महीन नर पावत नाही।।

अर्थात विश्व में कर्म को ही प्रधान कहा गया है। जो जैसा कर्म करता है. वह वैसा ही फल भोगता है। इस संसार में हर वस्तु उपलब्ध है और हम जो भी पाना चाहें उसे कर्म करके, पुरुषार्थ करके ही प्राप्त कर सकते हैं, पर जो कर्महीन हैं अर्थात जो कर्म नहीं करते, प्रयास नहीं करते वे उसे प्राप्त नहीं कर पाते।

नीतिशास्त्र में भी कहा गया है- यदि सिंह शिकार करने न जाए और सोया रहे तो मृग स्वयं ही उसके मुख में नहीं चला जाएगा। सिंह को यदि भूख मिटाना है तो उसे आलस्य त्यागकर मृग का शिकार करना ही पड़ेगा। उसी प्रकार हमें जीवन में यदि कुछ पाना है उसके लिए हमें तद्नुरूप कर्म, प्रयास करना ही होगा, पर इसके साथ ही महत्वपूर्ण यह भी है कि हमारा प्रयास सही दिशा में होना चाहिए, सफलतारूपी साध्य की प्राप्ति के लिए साधन भी पवित्र होना चाहिए। शुभ कर्म ही शुभ परिणाम दे सकता है और अशुभ कर्म हमेशा अशुभ परिणाम ही लेकर आता है। जैसे बबूल बोने पर बबूल ही प्राप्त होता है और आम बोने पर ही आम ही प्राप्त होता है। शुभ कर्म करना बहुत अच्छा है, पर शुभ कर्म का जन्म भी शुभ विचारों से ही होता है। इसलिए हमें अच्छे कर्मों से सुखद और अच्छे प्रारब्ध अच्छे भाग्य का निर्माण होता है, वहीं बुरे कर्मों से दुखद और बुरे प्रारब्ध और भाग्य का निर्माण होता है। जीवन में मिलने वाले सुख-दुख वे कर्मों का ही फल है।

-अखंड ज्योति

आपके पत्र

क्या समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता का संघ सबसे बड़ा शत्रु है?

महत्वपूर्ण बात ये है कि यदि भाजपा को समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष दलों और सत्ता लोलुप कांग्रेसियों का साथ न मिला होता तो संघनीत भाजपा कभी भी सत्ता के करीब नहीं पहुंच सकती थी। आज भी भाजपा जेडीयू नीतीश कुमार जैसे समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष तेलुगु देशम प्रमुख चंद्राबाबू नायडू की बैसाखियों के दम पर ही सत्ता पर काबिज़ है।

इधर संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले का हालिया बयान कि आपातकाल के दौरान संविधान में जोड़ा गया समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्द को हटाए जाने पर विचार करना चाहिए, ने एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। ठीक वैसे ही जैसे पिछले बिहार विधानसभा चुनाव के पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत का यह कहना कि आरक्षण की व्यवस्था पर पुनर्विचार करना चाहिए। इन दोनों बयानों को नए राजनीतिक संदर्भ में संघ परिवार की संविधान बदलने की मंशा से जोड़ा जाना लगभग तय है।

किंतु,जैसा कि पूर्ववत लिखा जा चुका है कि संघ और भाजपा बिना समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के बिना जीवित नहीं रह सकते हैं। हालांकि उनकी मंशा मनुवादी समाज की स्थापना ही है किंतु भारत जैसे विशाल देश में यह असंभव है इसलिए भागवत जी, सभी के एक डीएनए की बात करते हैं तथा दलित पिछड़ी जातियों को दोयम दर्जे से बाहर निकालने पर जब तब जोर देते हैं और अखंडता, एकता, समानता की बात कहते हैं। किंतु कथनी करनी का फ़र्क सबको नज़र आने लगा है कि इनके इरादे नेक नहीं है।

आज होसबोले को संघ का अपना इतिहास भी टटोलना चाहिए जब जनसंघ ने जयप्रकाश नारायण जैसे समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष नेता के साथ मिलकर इमरजेंसी के बाद कांग्रेस से सत्ता छीनी थी। उसमें मधुलिमिये और जार्ज फर्नांडीज जैसे समाजवादी लोग थे। तब कांग्रेस से निकले मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने थे। याद कीजिए,1977 में चुनाव घोषित हो जाने के बाद, कांग्रेस (ओ) , स्वतंत्र पार्टी, सोशलिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, भारतीय जनसंघ और लोकदल के मिलन से जनता पार्टी का गठन हुआ। कांग्रेस छोड़कर आए जगजीवन राम, हेमवतीनंदन बहुगुणा और नंदिनी सत्पथी ने कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी का गठन किया और जनता गठबंधन में शामिल हो गए।

यही हाल अटल बिहारी जी की सरकार में रही जब भाजपा के साथ,शिवसेना, तेलगु देशम, अखिल भारतीय द्रविड़ मुनेत्र कड़गम,जनता दल यूनाइटेड ,जदयू, आरजेडी, बीजेडी, नेशनल कांफ्रेंस, शिरोमणि अकाली दल, हरियाणा विकास पार्टी, लोकशक्ति, मद्रास स्टेट मुस्लिम लीग,तमिल मनीला कांग्रेस,केरल कांग्रेस, मर्केस्टिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया,ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस,जम्मू एंड कश्मीर पैंथर्स पार्टी,जनतादल (सेक्युलर), राष्ट्रीय लोकदल, भारतीय मजदूर संघ,भारतीय किसान संघ,स्वदेशी जागरण मंच एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा जैसे चौबीस दल एनडीए में शामिल थे। इनमें बहुसंख्यक दल समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के पक्षधर थे तो ऐसे चली थी संघनीत तथाकथित एनडीए सरकार। ये बात और है कि दो बार झूठ और छल से भाजपा पूर्ण बहुमत से भी आई 2014 में संघ के अन्ना हजारे और छिपे संघियों ने कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार के झूठे आरोप का धुआंधार प्रचार कर पूंजीपतियों के धन के ज़रिए कराकर मात्र 31 प्रतिशत वोट हासिल कर सरकार बनाई। आज समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को हटाने का शोर बहुत है किंतु यह संघ का एक शिगूफा ही है। उसमें फिलहाल ऐसा कुछ करने का साहस नहीं है।

सुसंस्कृति परिहार

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव,
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

रूसी वायु सेना ने यूक्रेन के छह ड्रोन को मार गिराया

मास्को, 7 जुलाई (एजेंसियां)। रूसी वायु रक्षा बलों ने सोमवार मास्को पर हमला करने की कोशिश कर रहे छह यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया। मास्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा कि आपातकालीन सेवाओं के विशेषज्ञ दुर्घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले महीनों में मास्को को लक्षित करके हजारों ड्रोन छोड़े गए हैं, लेकिन इनमें से कुछ ही मास्को तक पहुंचने में कामयाब रहे। कोई गंभीर क्षति नहीं हुई है। गौरतलब है कि रूस और यूक्रेन द्वारा एक-दूसरे पर हमला करने के लिए ड्रोन का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है।

भारत ने ईरान-इजरायल संघर्ष पर रखी अपनी राय, कहा

कूटनीतिक बातचीत ही आगे बढ़ने का तरीका

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिक्स में भारत ने आतंकवाद, ईरान-इजरायल संघर्ष समेत ग्लोबल साउथ के मुद्दे पर अपनी बात स्पष्ट की है। विदेश मंत्रालय की और से आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में सचिव (आर्थिक संबंध) दम्मू रवि ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स में भारत की मजबूत और स्पष्ट नीति दुनिया के सामने रखी। उन्होंने पहलगाम और अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर भारत के रुख को रेखांकित किया। ईरान-इजरायल संघर्ष पर उन्होंने कहा कि संदेश बहुत स्पष्ट है कि कूटनीतिक बातचीत ही आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका है।

भारत सालों से संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ व्यापक कन्वेंशन की पहल करता रहा है : दम्मू रवि

दम्मू रवि ने कहा कि पैरा 34 में कुछ अहम बातें साफ-साफ बताई गई हैं। सबसे पहली और महत्वपूर्ण बात यह है कि सभी देशों ने आतंकवाद की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि ये निंदा केवल आतंकवादी हमलों की नहीं है, बल्कि उन देशों, संगठनों या लोगों की भी है जो आतंकवाद को किसी भी रूप में समर्थन, फंडिंग या शरण देते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बैठक में सीमा पार से होने वाली आतंकवादी गतिविधियों और इसमें शामिल समूहों का स्पष्ट जिक्र किया गया। यह भारत के लिए एक अहम मुद्दा रहा है, क्योंकि भारत लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद का दृढ़ता से जवाब दे रहा है। दम्मू रवि ने इस दौरान यह भी बताया कि भारत सालों से संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ व्यापक कन्वेंशन की पहल करता रहा है। इस कन्वेंशन का मकसद वैश्विक स्तर पर आतंकवाद की एक स्पष्ट परिभाषा तय करना और इसके खिलाफ सभी देशों को एक साथ लाना है।

उन्होंने इंटर-ट्रेडिंग रिलेशन पर भी राय रखी। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स वैश्विक दक्षिण देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं, और ब्रिक्स देशों में विविधताएं हैं। इसलिए, देश विकल्प तलाश रहे हैं। सीमा पार व्यापार करने में सक्षम होने के मामले में अंतर-संचालनीय भुगतान (इंटर ऑपरेबल पेमेंट) तेज मैकेनिज्म है। इसे सफलतापूर्वक लागू किया गया है और हम कई देशों के साथ द्विपक्षीय व्यवस्था में भी प्रवेश कर रहे हैं। देशों के भीतर इस पर चर्चा हो रही है। हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में बातचीत होगी और देश इसे स्वीकार किया जाएगा क्योंकि यह अधिकांश के लिए फायदेमंद है। दम्मू ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान दोहराया कि 20वीं सदी के वैश्विक संगठनों में 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने की क्षमता का अभाव है, इसलिए उन्होंने बहुपक्षीय संगठनों में सुधार के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बहुध्रुवीय, समावेशी विश्व व्यवस्था का आह्वान किया और कहा कि वैश्विक शासन संस्थाओं, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएमएफ, विश्व बैंक और डब्ल्यूटीओ को समकालीन वास्तविकताओं और समय को प्रतिबिंबित करने के लिए तत्काल सुधार करना होगा।

पटरी से उतर चुके हैं एलन मस्क : ट्रंप

वाशिंगटन, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व सहयोगी और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क पर तीखा हमला किया है। ट्रंप ने मस्क को पटरी से उतरी ट्रेन बताया है। मस्क ने हाल ही में अमेरिका पार्टी नाम से एक नई राजनीतिक पार्टी के गठन की घोषणा की है, जिससे ट्रंप नाखुश हैं। ट्रंप ने ट्रुथ पर लिखा कि मुझे एलन मस्क को पूरी तरह से पटरी से उतरते देखकर दुख हुआ, जो पिछले पांच हफ्तों में ट्रेन के मलबे के रूप में तब्दील हो गए हैं। वह एक तीसरी राजनीतिक पार्टी भी शुरू करना चाहते हैं, इस तथ्य के बावजूद कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका में कभी सफल नहीं हुए हैं। ऐसा लगता है कि सिस्टम उनके लिए डिजाइन नहीं किया गया है।

'अमेरिका पार्टी' के बनने से ट्रंप नाराज

मस्क इसलिए नाखुश हैं, क्योंकि वन बिग ब्यूटीफुल बिल ने इलेक्ट्रिक व्हीकल मैंडेट को खत्म कर दिया है : डोनाल्ड ट्रंप

उन्होंने आगे कहा कि तीसरी पार्टियां सिर्फ पूर्ण व्यवधान और अराजकता की ओर ले जाती हैं और वाशिंगटन में कट्टरपंथी वामपंथी डेमोक्रेट्स के साथ यह सब बहुत हो चुका है, जिन्होंने अपना आत्मविश्वास और अपना दिमाग खो दिया है। दूसरी ओर, रिपब्लिकन एक अच्छी तरह से चलने वाली मशीन हैं, जिन्होंने अभी-अभी इस तरह का सबसे बड़ा बिल पारित किया है।

ट्रंप ने हाल ही में 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' पर हस्ताक्षर करते हुए उसे एक नया कानून बनाया है।

सुडोकू 6967

6		9						8
	4		2		9	1		
				7			9	
5				2	7			
3								6
			6	1				7
	9			8				
		1	5		6		3	
4						7		9

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 8 जुलाई , 2025 आषाढ़ शुक्ल पक्ष 12

राशिफल

मेष - आज आप सांसारिक बातें भूलकर आध्यात्मिक प्रवृत्ति में संलग्न रहेंगे। गूढ़ रहस्यमय विद्याओं और गहरी चिंतनशक्ति आपके मानसिक भार को हल्का करेंगे। आध्यात्मिक सिद्धि प्राप्त करने के लिए बहुत अच्छा योग है।

वृषभ - आज आप जीवनसाथी की निकटता का सुख प्राप्त कर सकेंगे। परिवार के साथ सामाजिक समारोहों में बाहर घूमने या पर्यटन पर जाने का कार्यक्रम बनेगा। खुशी में समय व्यतीत होगा। तन-मन से प्रसन्नता अनुभव करेंगे।

मिथुन - अधूरे कामों को पूरा करने के लिए अच्छा समय है। आपके परिवार में आनंद और उत्साह का वातावरण होगा। अपने काम में यश एवं प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे। लोगों के साथ संपर्क के दौरान स्वभाव को शांत रखना आवश्यक है।

कर्क - आज आपका दिन चिंता और भय से भरा रहेगा। शारीरिक और मानसिक तकलीफ भी रहेगी। नए काम के आरंभ के लिए दिन अनुकूल नहीं है। अचानक कोई खर्चा हो सकता है।

सिंह - आज का दिन शुभ फलदायी नहीं है। घर में वाद-विवाद का वातावरण रहेगा। आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। मन किसी चिंता में रहेगा। नेगेटिव विचार आपको परेशान करेंगे।।

कन्या - आज आपको किसी भी काम में बिना सोचे-समझे भाग नहीं लेना है। साथियों के साथ अच्छी तरह से समय गुजरेगा। भावनात्मक संबंधों में आप नरम रहेंगे। मित्रों एवं स्वजनों से भेंट होगी। भाई-बहनों से लाभ होगा।

तुला - आज मानसिक वृत्ति नकारात्मक रहेगी। क्रोधावेश में वाणी पर संयम खोने से पारिवारिक सदस्यों के साथ विवाद होंगे। अनावश्यक खर्च होगा। स्वास्थ्य खराब होगा। मन में ग्लानि रहेगी। अनैतिक प्रवृत्तियों से दूर रहें।

वृश्चिक - आज का दिन अच्छा रहने वाला है। दोपहर के बाद तन और मन की प्रसन्नता रहेगी। सुख एवं आनंद की प्राप्ति होगी। परिजनों के साथ आनंद-उल्लास में समय व्यतीत होगा। मित्रों, स्नेहीजनों से उपहार मिलने से मन खुश होगा।

धनु - आज अपनी बोली पर संयम रखें। आपको किसी बात पर गुस्सा भी आ सकता है। इससे किसी के साथ वाद-विवाद हो सकता है। मानसिक रूप से चिंता सताएगी। दुर्घटना से सावधान रहें। आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहेगा।

मकर - सामाजिक कामों से आपको लाभ होगा। मित्रों तथा सम्बंधियों के साथ हुई भेंट आपके लिए लाभदायी सिद्ध हो सकती है। विवाहोत्सुक जातकों का रिश्ता पक्का हो सकता है। घर में शुभ प्रसंग का आयोजन होगा।

कुंभ - आज आपका दिन अनुकूल है। आप का हर काम सरलता से पूरा होगा, जिस वजह से आप प्रसन्न रहेंगे। कार्यालय और व्यापार में अनुकूल परिस्थिति का वातावरण रहेगा। बड़ी सफलता भी मिल सकती है।

मीन - मन में व्याकुलता एवं अशांति का अहसास बना रहेगा। शारीरिक रूप से आपको थकान का अनुभव होगा। अधिकारियों के साथ संभलकर चलें। संतान के विषय में चिंता हो सकती है। व्यर्थ में धन खर्च होगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

इजरायल ने यमन में लाल सागर के बंदरगाहों पर किए हमले

यरुशलम/सन्ना, 7 जुलाई (एजेंसियां)। इजरायल ने कल देर रात यमन में लाल सागर के बंदरगाहों पर हवाई हमले किए हैं। यह हमला इजराइली सेना द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों को तत्काल क्षेत्र को खाली निकासी की चेतावनी जारी करने के कुछ ही मिनटों बाद पश्चिमी होदेइदाह प्रांत में हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने होदेइदाह बंदरगाह सहित यमन के पश्चिमी तट पर कई स्थानों पर विस्फोटों की सूचना दी।

इजराइल काट्ज़ ने एक बयान में कहा कि हमलों ने हूती के गढ़ों को निशाना बनाया, जिसमें होदेइदाह, अस सालिफ़ और रास ईसा के बंदरगाह, रास कातिब पावर स्टेशन और गैलेक्सी लीडर शामिल हैं। इजरायली सेना ने कहा कि लक्षित बंदरगाहों का इस्तेमाल हूती द्वारा ईरानी शासन से हथियार स्थानांतरित करने के लिए किया गया था, जिसका उपयोग तब इजरायल और उसके सहयोगियों के खिलाफ आतंकी अभियान चलाने के लिए किया जाता है। इजरायली सेना के अनुसार गैलेक्सी लीडर को रेड सी में जहाजों को ट्रैक करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली रडार प्रणाली से लैस किया गया है, जिससे आगे की आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। श्री कैट्ज ने कहा कि जो कोई भी इजरायल को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा, उसे नुकसान पहुंचाया जाएगा। हुतियों को अपने कार्यों के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

इराक में मीथेन गैस से आठ तुर्की सैनिकों की मौत

अंकारा/दमिश्क, 7 जुलाई (एजेसियां)। उत्तरी इराक में स्थित एक गुफा में तलाशी एवं निकासी अभियान के दौरान मीथेन गैस के संपर्क में आने से बुरी तरह बीमार तीन और तुर्की सैनिकों की मौत के बाद मरने वाले सैनिकों की संख्या बढ़कर आठ हो गई। यह जानकारी तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को दी।

यह दुर्घटना रविवार को तुर्की के ऑपरेशन क्लॉ-लॉक क्षेत्र में हुई जहां तुर्की सेना 2022 में मारे गए एक प्रथम लेफ्टिनेंट के अवशेषों का पता लगाने की कोशिश में एक गुफा की तलाश कर रही थी। इसका उपयोग पहले प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) द्वारा किया जाता था। मंत्रालय ने कहा कि अभियान के दौरान मीथेन गैस के संपर्क में आए 19 सैनिकों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिनमें से पांच की कल मौत हो गई थी और तीन सैनिकों की मौत आज हो गई। इसे मिलाकर मरने वाले सैनिकों की संख्या बढकर आठ हो गई है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि हम इस घटना में अपनी जान गंवाने वाले बहादुर शहीदों के प्रति अपनी संवेदना एवं श्रद्धांजलि व्यक्त करते हैं।

पश्चिमी नाइजर में 11 आतंकवादी मारे गए : सेना

नियामी, 7 जुलाई (एजेंसियां)। नाइजीरिया की सेना ने कहा है कि उसने पश्चिमी नाइजर के टिल्लाबेरी और डोसो क्षेत्रों में दो जुलाई और तीन जुलाई को किए गए दो समन्वित हमलों के जवाब में कम से कम 11 आतंकवादियों को मार गिराया है। नाइजीरियाई रेडियो और टेलीविजन पर रविवार को प्रसारित एक सैन्य बयान के अनुसार पहली मुठभेड़ दो जुलाई को हुई। उस समय आतंकवादी समूहों ने टिल्लाबेरी के एक गांव के रास्ते में एक सैन्य काफिले पर घात लगाकर हमला किया। बयान में कहा गया कि जवाबी कार्रवाई में पांच आतंकवादी मारे गए। चार एके-47 राइफलें, 10 मैगजीन, तीन मोटरसाइकिल और अन्य उपकरण बरामद किए गए हैं।

हसीना सरकार के पूर्व कानून मंत्री की बढ़ी मुश्किलें

ढाका, 7 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की एक अदालत ने सोमवार को पूर्व कानून मंत्री अनीसुल हक को अवैध हथियार रखने के आरोप में दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेजने का आदेश दिया है। यह मामला आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज किया गया है।

ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद मिन्हाजुर रहमान ने पुलिस द्वारा दायर रिमांड याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। इससे पहले मामले की जांच कर रहे अधिकारी ने अनीसुल हक को अदालत में पेश करते हुए पूछताछ के लिए पांच दिन की रिमांड की मांग की थी। वहीं, बचाव पक्ष ने पुलिस की याचिका खारिज करने की अपील की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने उन्हें दो दिन की रिमांड पर भेजने का फैसला सुनाया।

गौरतलब है कि अनीसुल हक को अगस्त 2024 में हिंसक विद्रोह के बाद अवामी लीग सरकार के पतन के बाद गिरफ्तार किया गया था। अब तक अलग-अलग मामलों में अदालतें

■ अवैध हथियार रखने के आरोप में दो दिन की पुलिस रिमांड

उन्हें कुल 58 दिनों की रिमांड पर भेज चुकी हैं। पिछले महीने भी शाहबाग थाने में दर्ज हत्या के मामले में अदालत ने उन्हें पांच दिन की रिमांड पर भेजा था।

इससे पहले, बांग्लादेश की भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) ने उनके खिलाफ 146 करोड़ टका की कथित अवैध संपत्ति जुटाने का मामला भी दर्ज किया था। आयोग का आरोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग कर यह संपत्ति जुटाई।

ताइवान में डानास तूफान से दो लोगों की मौत, सैकड़ों घायल

ताइपे, 7 जुलाई (एजेंसियां)। ताइवान में रविवार देर रात डानास तूफान की चपेट में आकर दो लोगों की मौत हो गई और 334 अन्य लोग घायल हो गए। यह जानकारी ताइवानी मीडिया ने दी। स्थानीय प्राधिकारियों ने कहा कि डानास तूफान के कारण साढ़े छह लाख से अधिक घरों में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है तथा 10 से अधिक काउंटियों एवं शहरों में स्कूली गतिविधियों को स्थगित करना पड़ा है। स्थानीय मौसम विज्ञान ने कहा कि सोमवार दोपहर तक तूफान का केंद्र ताइपे से लगभग 130 किमी उत्तर में था तथा इसके केंद्र में हवा की अधिकतम गति लगभग 90 किमी प्रति घंटा थी। प्राधिकरण ने कहा कि हालांकि ताइवान का मुख्य द्वीप तूफानी घेरे से बाहर हो चुका है लेकिन उत्तरी तटीय जल क्षेत्र अभी भी खतरे में है।

तूफान डानास द्वीप की घनी आबादी वाले पश्चिमी तट पर 120 वर्षों में वहां पहुंचने वाला पहला तूफान है। स्थानीय आपदा प्रतिक्रिया केंद्र के अनुसार, आज सुबह आठ बजे तक तूफान के कारण नुकसान की कुल 2,270 घटनाएं हुई जिनमें से अधिकांश घटनाएं ताइनान, चियाई, काऊशुंग और युनलिन में आधारभूत ढांचे और पेड़ गिरने से संबंधित थीं।

वर्ग पहेली 6967

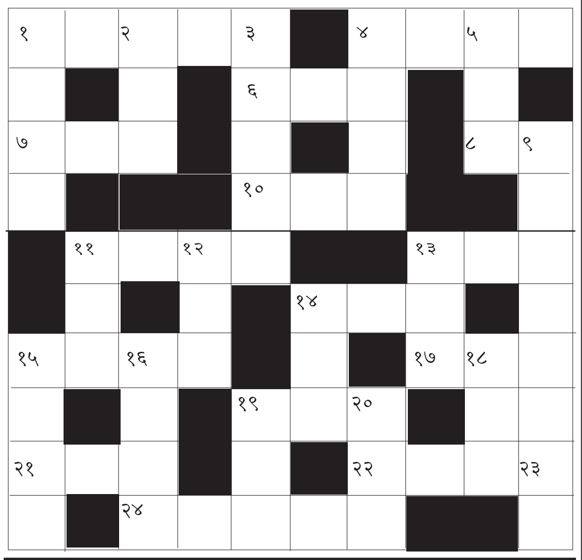

बायें से दायें:-

१. लोगों की मानसिकता
४. नक्शेकदम
६. सीमा, प्रतिष्ठा
७. धीमा
९. एक से अधिक
१०. पत्थर
११. एक छोटी चिड़िया
१३. असहमति (उर्दू)
१४. दुर्घटना
१५.सैनिकों का अभ्यास, कसरत
१७. वह धन जो तुरंत अदा किया जाए, सिक्कों के रूप में दान
१९. मातृभूमि (उर्दू)
२१. राक्षस, असुर
२२. जंगल में पैदा होने वाला
२४. कौशल्या

ऊपर से नीचे:-

१. करत करत अभ्यास के... होत सुजान
२. मृत्यु शोक (उर्दू)
३. टाईम कीपर
४. पधारना
५. उत्तर भारत की एक नदी
९. कलाकार (उर्दू)
११. निमंत्रण
१२. ऊंचा
१३. मानव (उर्दू)
१४. आवश्यकता, चाहत (उर्दू)
१५. ऋणी
१६. आजीवन अविवाहित रहने वाली स्त्री
१८. कछुआ
१९. व्यापारी
२०. मक्खन
२३. शीघ्र (उर्दू)

वर्ग पहेली-6966

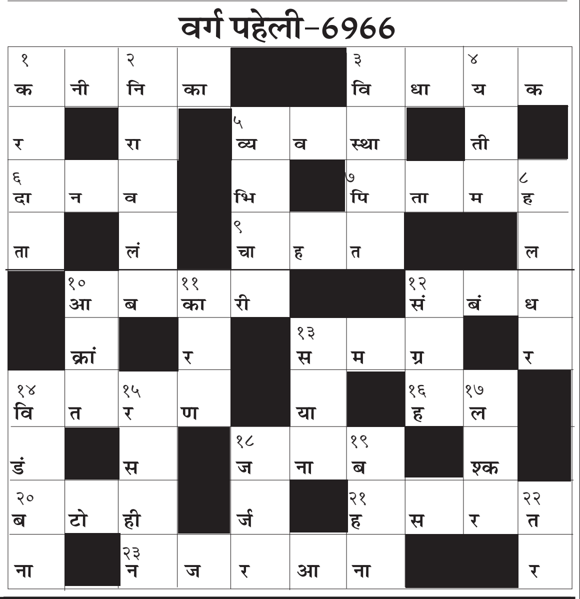

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1776- अमेरिका में कर्नल जॉन निक्सन ने स्वतंत्रता की घोषणा को पहली बार सार्वजनिक रूप से पढ़ा।
1792- फ्रांस ने परशिया के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1836- महान वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन शोध करने सेंट हेलेना पर पहुंचे।
1889- अमेरिकी अखबार 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' की शुरुआत हुई। आज हर दिन इसकी 20 लाख प्रतियां बिकती हैं।
1914- महान वामपंथी नेता और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद पर रिकार्ड लंबे समय तक कार्यरत रहे ज्योति बसु का जन्म।
1954- भाखड़ा नहर परियोजना का उद्घाटन
1963- अमेरिका ने क्यूबा के साथ अपने सभी वित्तीय लेनदेन बंद किए।
1967- पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की सलाहाकार और बहन फातिमा जिन्ना का निधन।
1972- बतौर कप्तान भारतीय क्रिकेट को नए तेवर देने वाले खिलाड़ी सौरव गांगुली का जन्म।
1981- फ्रांस के प्रधानमंत्री मॉरिस ने बैंको और कुछ बड़े उद्योगों का राष्ट्रीयकरण किया।
1994- उत्तर कोरिया के तानाशाह और संस्थापक किम इल सुंग का निधन।
1994- पिता के निधन के बाद किम जोंग उन ने नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर का पद संभाला।
2007- पूर्व प्रधानमंत्री एवं समाजवादी नेता चंद्रशेखर का निधन।
2016- पाकिस्तान के विश्व प्रसिद्ध इदी फाउंडेशन के संस्थापक अब्दुल सत्तार ईधी का निधन।

मामला / बलूच वॉइस फॉर जस्टिस ने पाक की काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट पर लगाया आरोप, कहा

गुलजार दोस्त की गिरफ्तारी मानवाधिकारों का उल्लंघन

क्वेटा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों के बीच पाकिस्तान की काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) ने बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता गुलजार दोस्त को जबरन हिरासत में ले लिया। इस घटना की कई मानवाधिकार संगठनों ने कड़ी निंदा की है। मानवाधिकार संगठन बलूच यकजैती कमेटी (बीवाईसी) की कार्यकर्ता सामी दीन बलूच ने गुलजार दोस्त की जबरन गिरफ्तारी को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि गुलजार दोस्त को सोमवार तड़के बलूचिस्तान के केच जिले के तुर्बत स्थित उनके घर से सीटीडी ने जबरन उठा लिया।

उन्होंने कहा कि यह सोची-समझी साजिश के तहत बलूच आवाजों को दबाने और शांतिपूर्ण असहमति जताने वालों को डराने की कार्रवाई है। गुलजार दोस्त जैसे अहिंसक कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई संकेत देती है कि शांतिपूर्ण विरोध भी उतना ही खतरनाक समझा जा रहा है, जितना आतंकवाद।

गुलजार दोस्त की पहचान एक ऐसे कार्यकर्ता के रूप में है जो हमेशा न्याय के लिए अहिंसात्मक मार्ग अपनाते रहे हैं। बीवाईसी ने उनकी तत्काल रिहाई और सुरक्षा की मांग की है।

सामी ने कहा कि यदि राज्य बलूचिस्तान में वास्तव में शांति चाहता है, तो उसे हिंसा नहीं, बल्कि बदलाव के लिए शांतिपूर्ण प्रयास करने वालों की सुरक्षा करनी होगी। हर प्रकार के प्रतिरोध को सजा देकर लोकतांत्रिक रास्ते बंद कर देना, चरमपंथ को ही जन्म देता है।

■ संयुक्त राष्ट्र में मानवाधिकार रक्षकों ने की गुलजार दोस्त की तत्काल रिहाई की अपील

संयुक्त राष्ट्र में मानवाधिकार रक्षकों की विशेष प्रतिनिधि मैरी लॉलर ने भी पाकिस्तान से गुलजार दोस्त की तत्काल रिहाई की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मुझे गुलजार दोस्त की हिरासत की चिंता है। मैंने 2024 में उनसे ऑनलाइन बातचीत की थी। मैं पाकिस्तान के स्थायी मिशन से मांग करती हूं कि उन्हें तुरंत वकील, परिवार से मिलने की अनुमति मिले और जल्द रिहा किया जाए।

बलूच वॉइस फॉर जस्टिस (बीवीजे) ने भी इस जबरन हिरासत की कड़ी आलोचना करते हुए इसे मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताया है। संगठन ने कहा कि गुलजार दोस्त की जबरन गिरफ्तारी पूरी तरह से गैरकानूनी और अमानवीय है। उनके ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इस तरह की कार्रवाई तुरंत बंद होनी चाहिए। ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ बलूचिस्तान (एचआरसीबी) ने भी गिरफ्तारी को निंदनीय बताया और गुलजार दोस्त की बिना शर्त रिहाई की मांग की। संगठन ने कहा कि गुलजार दोस्त ने बलूचिस्तान में जबरन गायब किए गए लोगों के परिवारों के लिए लगातार काम किया है।

दुनिया को जानें

अधिक वजन के कारण ब्रेस्ट कैंसर का बढ़ सकता है खतरा : अध्ययन

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक नई स्टडी में खुलासा हुआ है कि मेनोपॉज के बाद हृदय रोग से पीड़ित महिलाओं में अधिक वजन होना ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है। यह स्टडी अमेरिकन कैंसर सोसाइटी के जर्नल 'कैंसर' में सोमवार को प्रकाशित हुई। स्टडी के अनुसार, जिन महिलाओं का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) ज़्यादा होता है, उनमें स्तन कैंसर का खतरा पहले से ही अधिक होता है। टाइप-2 डायबिटीज का इस खतरे पर कोई खास असर नहीं देखा गया, यानी डायबिटीज वाली और बिना डायबिटीज वाली महिलाओं में अधिक बीएमआई से ब्रेस्ट कैंसर का जोखिम समान रूप से बढ़ता है।

संगठन की कैंसर रिसर्च विंग, इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर के शोधकर्ता हेंज फ्रीस्लिंग ने बताया कि इस स्टडी के नतीजे ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग प्रोग्राम को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में वजन घटाने के ट्रायल में हृदय रोग वाली महिलाओं को शामिल करके ब्रेस्ट कैंसर रोकथाम पर शोध किया जाना चाहिए।

प्रादेशिकी

पंतनगर युनिवर्सिटी ने दिल्ली में आयोजित किया आम उत्सव

देहरादून। दिल्ली के आकाश एयर फोर्स ऑफिसर मैस में जीबी पंत यूनिवर्सिटी और जीबीआर मेमोरियल फाउंडेशन आफ इंडिया ने आम उत्सव का आयोजन किया गया। सीडीएस जनरल अनिल चौहान, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित, चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड स्टाफ और वीसी जीबी पंत यूनिवर्सिटी डॉ मनमोहन सिंह चौहान आम महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए और उन्होंने भी रसीले आमों का स्वाद लिया। किस्म-किस्म के आमों के स्वाद लेने के साथ ही गणमान्य लोगों ने देश और उत्तराखंड के सरोकारों को लेकर विचार विमर्श भी किया। इस आम महोत्सव प्रदर्शिनी में जीबी पंतनगर यूनिवर्सिटी का विशेष सहयोग रहा और इसमें कई प्रकार के आम के किस्मों की प्रदर्शिनी लगाई गई। जिसमें दशहरी, लंगड़ा, चौसा, फजली, आम्रपल्ली, मल्लिका, पंत सिंदुरी, पीएमएसएस-1 (पंत शरद ऋतु), पीएमएसएस-17, गौरजीत, वनराज, सेंसेशन आदि कई प्रकार के आम के किस्मों की प्रदर्शनी लगाई गई।

चारधाम यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड से हो रही मुश्किलें

- जगह-जहग रास्ते में फंस रहे तीर्थयात्री
- केदारनाथ जाने वाले श्रद्धालुओं को सोनप्रयाग में ही रोका

■ अमरनाथ तिवारी

रुद्रप्रयाग, 7 जुलाई (देशबन्धु)। पहाड़ों में रविवार रात से लगातार भारी बारिश जारी है। बारिश के कारण अलकनंदा और मंदाकिनी नदी विकराल रूप धारण करके बह रही है। बदरीनाथ और केदारनाथ हाईवे पर भी जगह-जगह बोल्डर व मलबा गिर रहा है, जिस कारण चारधाम यात्रियों को भी परेशानियां हो रही हैं।

केदारनाथ हाईवे के मुनकटिया में पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर आने से मार्ग बंद हो गया था। इससे केदारनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को सोनप्रयाग में ही रोका गया। कड़ी मशक्कत के बाद मार्ग को पैदल यात्रियों और शटल के लिए खोला गया। वहीं बदरीनाथ हाईवे सिरोबगड़ में बंद पड़ा था। इसे भी युद्ध स्तर पर काम करके खोला गया है। राजमार्गों को खोलने को लेकर एनएच विभाग की मशीनें जुटी रहीं। बारिश इसी प्रकार होती रही तो दिक्कतें अधिक बढ़ सकती हैं।

मौसम विभाग ने दो दिन तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है और बारिश के अलावा भूस्खलन की चेतावनी भी जारी की है। पहाड़ों में मौसम विभाग की भविष्यवाणी सच साबित होती दिखाई दे रही है और लगातार कल रात से बारिश जारी है। केदारनाथ धाम सहित रुद्रप्रयाग जनपद में बारिश के कारण हालात अस्तव्यस्त हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण अलकनंदा व मंदाकिनी नदी उफान पर बह रहे हैं। रुद्रप्रयाग स्थित संगम स्थल का निचला हिस्सा भी पूरी तरीके से जलमग्न हो गया है।

मौसम विभाग ने दो दिन तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है और बारिश के अलावा भूस्खलन की चेतावनी भी जारी की है। पहाड़ों में मौसम विभाग की भविष्यवाणी सच साबित होती दिखाई दे रही है और लगातार बीती रात से बारिश जारी है। केदारनाथ धाम सहित रुद्रप्रयाग जनपद में बारिश के कारण हालात अस्तव्यस्त हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण अलकनंदा व मंदाकिनी नदी उफान पर बह रही है। रुद्रप्रयाग स्थित संगम स्थल का निचला हिस्सा भी पूरी तरीके से जलमग्न हो गया है।

आपदा से 143 भवनों को नुकसान, दो राष्ट्रीय राजमार्ग व 50 सड़कें बंद

देहरादून। राज्य में आपदा से 143 भवनों को नुकसान हो चुका है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून के बाद से 133 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। आठ मकानों को गंभीर नुकसान पहुंचा और दो मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इसके अलावा आपदा के कारण 21 लोगों की जान जा चुकी है और 11 घायल हुए। नौ लोग लापता है।

प्रदेश में बारिश के बाद जगह-जगह मलबा आने से दो राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 50 सड़कें बंद हो गई हैं। इससे स्थानीय लोगों के साथ ही चारधाम आने वाले तीर्थयात्रियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक देहरादून जिले में लखवाड़ बैंड के पास किलोमीटर 26 में मलबा आने से विकासनगर-कालसी-बड़कोट राष्ट्रीय राजमार्ग में वाहनों की आवाजाही बंद है। जिले में तीन ग्रामीण सड़कें भी बंद हैं। इसके अलावा उत्तरकाशी जिले में ऋषिकेश-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग औजरी में बंद है।

उत्तराखंड में फिर जमकर बरसेगा मानसून

मानसून : उत्तराखंड में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। आज प्रदेश में तेज बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने छह जुलाई के लिए रुद्रप्रयाग, टिहरी, बागेश्वर और देहरादून जिलों में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि अन्य जिलों के लिए येलो अलर्ट घोषित किया गया है। इस बीच राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण मलबा आने से सड़कें बंद हो गई हैं। यमुनोत्री हाईवे समेत कुल 67 सड़कें विभिन्न जिलों में बंद हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। भारी वर्षा की चेतावनी को देखते हुए प्रशासन ने सभी जिलों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने 20 टेम्पो ट्रैवलर को दिखाई हरी झंडी

वातानुकूलित टैम्पो ट्रैवलर राज्य के परिवहन तंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे : पुष्कर सिंह धामी

देहरादून, 7 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय से आयोजित एक समारोह में उत्तराखण्ड परिवहन निगम को संचालित की जा रही 20 नई वातानुकूलित यूटीसी मिनी (टैम्पो ट्रेवलर) का फ्लैग ऑफ किया। इनमें से 10 टैम्पो ट्रेवलर वाहन देहरादून, मसूरी और 10 टैम्पो ट्रेवलर वाहन हल्द्वानी नैनीताल रूट पर चलेंगे। इससे नैनीतालक् हल्द्वानी और देहरादून मसूरी के बीच जाम की समस्या में भी कमी आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल सफल रही तो, इस तरह की सेवाओं की संख्या और बढ़ाई जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कैम्प कार्यालय से जीटीसी हेलीपैड तक टैम्पो ट्रेवलर से सफर भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वातानुकूलित टैम्पो ट्रैवलर राज्य के परिवहन तंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे। इनसे यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और किफायती यात्रा की सुविधा मिल सकेगी तथा प्रदेश की आर्थिक और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि राज्य के प्रत्येक क्षेत्र को बेहतर सड़क नेटवर्क और विश्वसनीय परिवहन सेवाओं से जोड़ा जाए। आज डिजिटल टिकटिंग, ऑनलाइन बुकिंग, ट्रैकिंग सिस्टम जैसी सेवाओं द्वारा परिवहन विभाग जनता को सुलभ यात्रा उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड परिवहन निगम को मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप लगातार तीन वर्षों से परिवहन निगम मुनाफे में है।

पर्यटन के लिए हाई अल्टीट्यूड अल्ट्रा मैराथन की शुरुआत

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्चस्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाई अल्टीट्यूड अल्ट्रा मैराथन की शुरुआत करने के निर्देश दिए। कुमाऊं क्षेत्र में यह मैराथन गुंजी से आदि कैलाश और गढ़वाल में नीति माणा से लेकर मलारी तक आयोजित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस आयोजन को वार्षिक पर्यटन कैलेंडर में शामिल किया जाए और हर वर्ष निर्धारित तिथि पर इसका नियमित आयोजन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आपदा प्रबंधन तंत्र को अधिक सशक्त बनाने के साथ ही तय समय पर प्रभावितों को सहायता राशि उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। सीमांत एवं पर्वतीय क्षेत्रों में फसलों की सुरक्षा के लिए घेरबाड़ व सोलर फेंसिंग के संबंध में विस्तृत योजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली और अपर सचिव बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

सार संक्षेप

महिला साइबर ठग गिरफ्तार, अंतरराष्ट्रीय नंबरों का करती थी उपयोग

देहरादून। उत्तराखण्ड एसटीएफ के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की टीम ने साइबर धोखाधड़ी के एक मामले में आरोपी एक महिला को ऋषिकेश के श्यामपुर क्षेत्र, देहरादून (उत्तराखंड) से गिरफ्तार किया गया है। आरोप महिला फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल व अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबरों का उपयोग कर लोगों को ठगा करती थी। जिसने पीड़िता को खुद के सरकारी एजेंसी की अधिकारी बताकर लगभग 40 लाख रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम दिया था। जिसके पास से घटना में प्रयुक्त 2 मोबाइल फोन, 3 डेबिट कार्ड्स व 2 सिम कार्ड्स बरामद हुए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, नवनीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि एक प्रकरण देहरादून निवासी पीड़िता ने मई 2025 में दर्ज कराया था। पीड़िता को व्हाट्सएप पर अमेरिका के नंबर से कॉल कर एक महिला ने स्वयं को सरकारी एजेंसी की अधिकारी बताया।

डीएपी खाद को लेकर सरकारी बिक्री केंद्र में किसानों ने किया हंगामा

सिरसा। गांव गुडियाखेड़ा में सोमवारा को डीएपी खाद को लेकर किसानों ने सरकारी बिक्री केंद्र के बाहर खूब हंगामा किया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। सुबह सैकड़ों किसान डीएपी खाद लेने सरकारी बिक्री केंद्र पहुंचे, लेकिन बिक्री केंद्र के कर्मचारी खाद देने में आनाकानी करने लगे। कर्मचारियों के रवैये को देखते हुए किसानों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। इसके बाद डीएपी खाद का वितरण तो किया गया, लेकिन मात्र 125 किसानों को ही डीएपी खाद के दो कट्टे मिल पाएं।

बिजली के बढ़े दरों के विरोध में लालटेन लेकर प्रदर्शन

सोनीपत। हरियाणा में बिजली बिलों में बढ़ोतरी करने और बीपीएल परिवारों के तेल में 60 रुपए की बढ़ोतरी करने के विरोध में सोनीपत के जिला पार्षद संजय बड़वासनियां ने जिला उपायुक्त कार्यालय के बाहर अनोखे ढंग से लालटेन एवं लाइट लेकर प्रदर्शन किया। श्री बड़वासनिया व ऋतुराज ने प्रदर्शन के बाद नायब तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जिला पार्षद ने कहा कि चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने प्रदेश में 300 यूनिट लाइट फ्री देने का वादा किया था लेकिन 300 यूनिट देने की बजाय बिजली बिलों में भारी बढ़ोतरी करके आम जनता पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया।

हिमाचल में मानसूनी आपदा से बेघर हुए लोगों को मिलेगा प्रतिमाह पांच हजार रुपए किराया

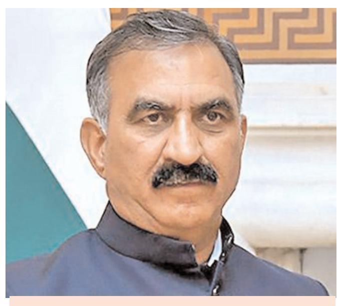

■ मानसूनी आपदा से प्रभावित लोगों को मिलेगी मदद

शिमला, 7 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में मानसून और मौसम जनित अन्य हादसों से बेघर हुए लोगों को राज्य सरकार प्रति माह पांच हजार रुपए किराए के रूप में देगी ताकि वे मकान लेकर रह सकें। राज्य सरकार के इस कदम से मानसूनी आपदा से प्रभावित लोगों को काफी मदद मिलेगी।

राज्य के मुख्य सचिव सह राज्य कार्यकारी समिति के प्रमुख प्रबोध सक्सेना ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना 31 मार्च, 2026 तक अमल में रहेगी और अगर कोई प्रभावित परिवार आवास हासिल कर लेता है तो उसे किराया देना बंद कर दिया जाएगा। यह कदम मंडी, कांगड़ा और अन्य जिलों में बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण प्रभावित लोगों की मदद के लिए उठाया गया है। इस साल के मानसून सीजन के कारण करीब 150 परिवारों को विस्थापन का दर्द झेलना पड़ रहा है।

सीएम सुक्खू ने बादल फटने की बढ़ती घटनाओं के अध्ययन पर दिया जोर

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू ने राज्य में बादल फटने की घटनाओं में वृद्धि पर गंभीर चिंता व्यक्त की तथा वैज्ञानिक अध्ययन और मजबूत आपदा तैयारियों की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। यहां राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) की 9वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री सुखू ने हाल ही में हुई चरम मौसम की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मंडी जिले में 123 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है, जबकि शिमला जिले में सामान्य से 105 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि केवल कुछ दिनों में 19 बादल फटने की सूचना मिली है जिससे जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को केंद्रीय गृह मंत्री के समक्ष भी उठाया गया है। श्री सुखू ने वैज्ञानिक तरीके से मलबा डंप करने और सुरक्षित निर्माण प्रथाओं की आवश्यकता को रेखांकित किया, तथा सिफारिश की कि सभी आवास और सरकारी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं नदियों और नालों से कम से कम 100 मीटर की दूरी बनाए रखें। उन्होंने एसडीएमए को नियमित रूप से मौसम संबंधी अपडेट जारी करने और सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं का मुकाबला करने का निर्देश दिया, साथ ही लोगों से केवल आधिकारिक अलर्ट पर भरोसा करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य अपनी आपदा प्रतिक्रिया क्षमताओं को मजबूत कर रहा है। पालमपुर में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) का एक नया परिसर स्थापित किया जा रहा है जबकि हिमाचल लोक प्रशासन संस्थान में राज्य आपदा प्रबंधन संस्थान की स्थापना की जाएगी।

टिहरी डैम के नाम जुड़ी एक और उपलब्धि

पीएसपी की दूसरी यूनिट का संचालन शुरू

■ योजना से हरियाणा, दिल्ली व गुजरात को मिलेगी बिजली

टिहरी, 7 जुलाई (देशबन्धु)। टिहरी बांध परियोजना के नाम एक और उपलब्धि दर्ज हो गई है। टिहरी बांध परियोजना के अंतर्गत पीएसपी की दूसरी 250 मेगावाट यूनिट का संचालन शुरू हो गया है। इससे हरियाणा, दिल्ली गुजरात को बिजली सप्लाई मिलेगी। टिहरी बांध परियोजना के अधिशासी निदेशक एलपी जोशी ने कहा कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के टिहरी बांध में 1000 मेगावाट के वैरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज प्लांट (पीएसपी) की दूसरी यूनिट (250 मेगावाट) का संचालन शुरू कर दिया। टिहरी पंप स्टोरेज प्लांट न केवल देश की पहली वैरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज सुविधा है, बल्कि किसी भी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम द्वारा कार्यान्वित अपनी तरह की सबसे बड़ी सुविधा भी है।

केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल ने दूसरी यूनिट के वाणिज्यिक संचालन का शुभारंभ किया। उन्होंने इस सफलता के लिए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अधिकारी-कर्मचारियों और परियोजना से जुड़ी अनुबंध एजेंसियों के कार्यों की सराहना की। टिहरी बांध परियोजना की ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि चार जून को पहली यूनिट के सफल सीओडी संचालन के बाद आज दूसरी यूनिट का संचालन करना टीएचडीसी की बेहतर कार्यक्षमता को दर्शाता है।

टिहरी पंप स्टोरेज जो प्रोजेक्ट है इसमें 4 टरबाइन लगी हैं। जो रिवर्स पंप टरबाइन है उसमें एक समय में एक दिशा में पंप काम करता है। दूसरी दिशा में टरबाइन का काम करता है जो इसकी दूसरी यूनिट है। इसकी वाणिज्य संचालन होता है। जिसको कमर्शियल ऑपरेशन बोलते हैं। उसकी प्रक्रिया शुरू की है। इसमें हमारी जो एक ऑपरेशन रिसाइकल है। जिसमे 7 घंटे पंपिंग और 6 घंटे जेनरेसन वाली रिसाइकल है। इसको कैटिन्यू मशीन को चलाएंगे। ग्रिड को डिमेस्टड करेंगे। उसके बाद नेशनल ग्रिड में ये सेटिफिकेशन इशु करता है। जिसको सेक्ससफुल ट्रायल रन ऑफ दी मशीन जैसे ही सेक्ससफुल ट्रायल रन का सेटिफिकेशन हो जायेगी। इसके बाद ये वाणिज्य गतिविधि शुरू हो जाएगी। इसकी जो शेड्यूलिंग है वह स्टार्ट कर देंगे। इसको ग्रिड शेड्यूल करेगा।

भारत के प्रसिद्ध यात्रा लेखक दंपती ह्यू व कोलीन गैंटजर को पद्म श्री सम्मान

मसूरी, 7 जुलाई (देशबन्धु)। भारत के प्रख्यात यात्रा लेखक दंपती ह्यू गैंटजर और कोलीन गैंटजर को वर्ष 2025 का पद्म श्री सम्मान प्रदान किया गया है। यह सम्मान देश की साहित्यिक, सांस्कृतिक और मीडिया क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए दिया गया है।

विशेष बात यह रही कि कोलीन गैंटजर को यह पुरस्कार मरणोपरांत प्रदान किया गया, जबकि स्वास्थ्य कारणों से ह्यू गैंटजर स्वयं पुरस्कार ग्रहण करने दिल्ली नहीं जा सके। इस परिस्थिति को देखते हुए उत्तराखंड सरकार के सचिव शैलेश बगोली विशेष रूप से मसूरी स्थित उनके निवास पर पहुंचे और उन्हें यह सम्मान उनके घर पर ही सौंपा।

1950 के दशक से सक्रिय इस लेखक जोड़े ने भारत की सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य, और जनजीवन को जिस संजीवता और संवेदना से प्रस्तुत किया, वह अभूतपूर्व रहा है।

यात्रा लेखन का युगांतकारी योगदान

गैंटजर दंपती को भारत में यात्रा लेखन की आधारशिला रखने वालों में गिना जाता है। उस दौर में जब पर्यटन पत्रकारिता सीमित थी, उन्होंने भारत को भारतीयों की नजर से देखना और दिखाना सिखाया। उनकी लेखनी ने केवल पर्यटन स्थल ही नहीं, बल्कि उस स्थल की आत्मा, वहाँ के लोग, रीति-रिवाज़ और बोलियों की झलक भी होती थी, जो उन्हें विशिष्ट बनाती है।

सरकार और साहित्य जगत से सराहना : उत्तराखंड सरकार ने गैंटज़र दंपती के योगदान को न केवल राज्य बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए अमूल्य बताया है। साहित्य और मीडिया जगत से जुड़ी कई हस्तियों ने भी उन्हें सम्मान दिए जाने पर प्रसन्नता जताई है।

स्व. नरेंद्र सिंह भंडारी की प्रतिमा जौरासी में झाड़ियों के बीच दबी

पौड़ी, 7 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश में पर्वतीय विकास मंत्री रहते हुए पूरे पर्वतीय क्षेत्र को विकास की राह दिखाने वाले जौरासी गांव, विकास खंड के निवासी स्वर्गीय नरेंद्र सिंह भंडारी की अष्ट धातु की प्रतिमा आज उनके पैतृक गांव जौरासी जाखधार में शासन-प्रशासन की उपेक्षा के कारण कंटीली झाड़ियों और विच्छू घास के बीच ढकी हुई है। स्वर्गीय नरेंद्र सिंह भंडारी तीन बार संयुक्त उत्तर प्रदेश में विधायक और दो बार कैबिनेट मंत्री रहे। 1958 में पहली बार वे 7 बद्री-केदार विधानसभा से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीतकर विधानसभा पहुंचे। इसके बाद दो बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा में पहुंचे। 1972-73 में पर्वतीय विकास मंत्री के रूप में उन्होंने पर्वतीय क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया।

उनकी देन के रूप में 118 किलोमीटर लंबा रुद्रप्रयाग-पोखरी-हापला-गोपेश्वर मोटर मार्ग, 29 किलोमीटर का पोखरी-कर्णप्रयाग मोटर मार्ग, मोहन खाल-भीरी-चंद्रापुरी सड़क शामिल हैं। मोहनखार-कनातोली-चोपता और हापला-धोतीधार सड़कों की नींव भी उनके प्रयासों से पड़ी, हालांकि ये सड़कें आज तक पूरी नहीं हो सकीं। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जोशीमठ-औली रोपवे का निर्माण भी उनके द्वारा करवाया गया, जिसका उद्घाटन 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने किया था। संयुक्त जनपद चमोली में शामिल रुद्रप्रयाग और चमोली के नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उनके प्रयासों से जिला चिकित्सालय गोपेश्वर की स्थापना हुई।

एचएनबी विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2025-26 की प्रवेश विवरणिका जारी

श्रीनगर, 7 जुलाई (देशबन्धु)। कुलपति सचिवालय सभागार में हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025-26 की प्रवेश विवरणिका को कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने जारी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसाईं, कुलसचिव प्रो. राकेश ढोड़ी, परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेएस चौहान, एनईपी कोर्डिनेटर प्रो. प्रशान्त कण्डारी, कोर्डिनेटर समर्थ ईआरपी डा. प्रीतम सिंह नेगी उपस्थित थे।

सत्र 2025-26 के लिएए स्नातक कक्षाओं में प्रवेश सीयूईटी के मैरिट के आधार पर दिए जाएंगे, जबकि स्नातकोत्तर स्तर की प्रवेश परीक्षा दिनांक 14 जुलाई से 17 जुलाई, 2025 तक आयोजित की जायेगी। इसके परीक्षा केन्द्र विश्वविद्यालय के तीनों परिसर श्रीनगर, पौड़ी एवं बादशाहीथौल, टिहरी के अतिरिक्त रूड़की, हरिद्वार एवं देहरादून में भी होंगे।

समस्त स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश भारत सरकार के 'समर्थ पोर्टल' के जरिए किए जाएंगे, जिसमें सीयूईटी (यूजी-2025), यूईटी-2025 व एनसीईटी-2025 (इंटीग्रेटेड बीएड कार्यक्रम आइटेप) में सम्मिलित छात्रों को सर्वप्रथम 'समर्थ पोर्टल' में पंजीकरण करना होगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय का शैक्षणिक कलैण्डर सत्र 2025-26 भी जारी किया गया। इस सत्र में नवीन प्रवेशार्थियों को "दीक्षारम्भ" के तहत पाठ्यक्रम, परिसर में होने वाली गतिविधियों एवं उपलब्ध सुविधाओं से अवगत कराया जाएगा। इस वर्ष से समस्त पाठ्यक्रमों के साथ ही प्रथम बार दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत संचालित किए जाएंगे।

महान बलिदानी, सच्चे श्रद्धालु व वीर योद्धा थे बाबा लक्खी शाह वंजारा : सैनी

■ अमित नेहरा

चंडीगढ़, 7 जुलाई - हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए घोषणा की, कि राज्य सरकार द्वारा जिला कुरुक्षेत्र के गांव ईशरगढ़ स्थित बाबा लक्खी शाह बावड़ी का सौंदर्यकरण करवाया जाएगा। साथ ही गांव में उनके नाम से सामुदायिक केंद्र का निर्माण और एक मूर्ति की स्थापना भी की जाएगी। इसके लिए उन्होंने अपनी ओर से 31 लाख रुपये और कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार व आरती सिंह राव की तरफ से 11-11 लाख रूपये देने की घोषणा की।

■ मुख्यमंत्री ने बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती पर की अनेक घोषणाएं

प्रदेश में किसी एक चौक और एक सड़क का नाम बाबा लक्खी शाह वंजारा के नाम पर रखा जाएगा : नायब सिंह सैनी

उन्होंने कहा कि समाज की सहमति से प्रदेश में किसी एक चौक और एक सड़क का नाम बाबा लक्खी शाह वंजारा के नाम पर रखा जाएगा। इसके अलावा, उनके नाम से एक सामुदायिक केंद्र का निर्माण भी करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह घोषणाएं सोमवार को यहां संत कबीर कुटीर पर बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को सम्बोधित करते हुए की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बाबा लक्खी शाह वंजारा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि वंजारा समाज की ओर से उन्हें आज पगड़ी पहनाकर जो मान-सम्मान दिया गया है उसे वह कभी कम नहीं होने देंगे और सदैव इस सम्मान को बढ़ाने के लिए कार्य करते रहेंगे।

प्रदेशवासियों को बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती की हार्दिक बधाई एव शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा लक्खी शाह वंजारा एक महान बलिदानी, एक सच्चे श्रद्धालु और एक वीर योद्धा थे, जिन्होंने अपने जीवन की आहुति देकर इतिहास में एक अमर गाथा लिखी। उन्होंने कहा कि जब हम भारत की महान संस्कृति, विविधता और बलिदानी परंपरा की बात करते हैं, तो कई महान वीरों की छवि उभरती है, जिन्होंने राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए अपना सबकुछ न्योछावर कर दिया। बाबा लक्खी शाह वंजारा उनमें से एक थे। वे ऐसे सिक्ख सेवक थे, जिन्होंने गुरु भक्ति और साहस का ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसे युगों-युगों तक याद किया जाता रहेगा। नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने समाज के अंतिम और वंचित व्यक्ति का उत्थान करने का बीड़ा उठाया है। घुमन्तू जातियों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए इनके परिवारों के पहचान पत्र बनाये गये हैं। अब इन्हें सरकार की सभी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ परिवार पहचान पत्र के माध्यम से दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने दशकों से बेघर रही घुमंतू जातियों को एक जगह बसाकर समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किया है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाबा लक्खी शाह वंजारा ने हमें सिखाया कि सिर्फ तलवार से ही नहीं, बल्कि त्याग और साहस से समाज के कल्याण के लिए किये गये कार्यों से भी इतिहास रचा जा सकता है।

इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, प्रदेश प्रभारी सतीश पुनिया, संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, बंजारा समाज के प्रधान जसमेर वंजारा, सूबेदार मेजर किशोरी लाल सहित अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

सुडोकू 6967 का हल

6	7	9	3	5	1	2	4	8
8	4	5	2	6	9	1	7	3
1	3	2	4	7	8	6	9	5
5	6	8	9	2	7	3	1	4
3	1	7	8	4	5	9	2	6
9	2	4	6	1	3	8	5	7
2	9	3	7	8	4	5	6	1
7	8	1	5	9	6	4	3	2
4	5	6	1	3	2	7	8	9

प्रादेशिकी

बरेली में जिला सहकारी बैंक में 1.31 करोड़ का गबन

बरेली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में सहकारी बैंक की फरीदपुर सायंकालीन शाखा में करीब 1.31 करोड़ रुपए की गबन की साजिश में दो शाखा प्रबंधक और दो कैशियर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बैंक के उप महाप्रबन्धक अंकित कुमार और वरिष्ठ सहायक प्रबंधक सर्वेन्द्र सिंह चौहान ने फरीदपुर थाने में तहरीर देकर अवगत कराया कि जिला सहकारी बैंक फरीदपुर शाखा सायंकालीन में कार्यरत रहे चन्द्र प्रकाश, लिपिक/कैशियर, दीपक पाण्डे, लिपिक/कैशियर, मुकेश कुमार गंगवार, शाखा प्रबन्धक व गौरव वर्मा, शाखा प्रबन्धक ने मिलकर किसान सम्मान निधि में हेराफेरी कर घोटाला किया है। आंतरिक जांच में दोषी पाए जाने पर चिन्हित कर्मियों को निलंबित किया गया है। तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

कांवड़ यात्रा को अपवित्र करने की कोशिश करने वालों पर हो सख्त कार्रवाई : योगी

मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद से बिजनौर तक हेलीकॉप्टर से किया कांवड़ यात्रा मार्ग का सर्वेक्षण

लखनऊ/बिजनौर, 7 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से बिजनौर तक हेलीकॉप्टर द्वारा पूरे यात्रा मार्ग का वृहद सर्वेक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को यात्रा की सुचारू व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और आस्था के सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए कड़े दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से यात्रा की पवित्रता को बनाए रखने पर बल दिया, ताकि लाखों श्रद्धालुओं का विश्वास और उत्साह अक्षुण्ण रहे।

मुख्यमंत्री ने खानपान की वस्तुओं को अपवित्र करने जैसी कुचेष्टा करने वालों के विरुद्ध सख्ती बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे कृत्यों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए, ताकि कांवड़ यात्रा की शुचिता पर कोई आंच न आए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था फैलाने वालों को

श्रद्धालुओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विश्राम स्थलों व स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो : **योगी आदित्यनाथ**

बख्शा न जाए, जिससे यात्रा का माहौल शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रहे। श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने जगह-जगह पंडाल, खानपान, और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यापक व्यवस्था करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ मार्ग में साफ-सफाई, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था के लिए उच्च कोटि की व्यवस्था की जाए। पूरे कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने में कोई कोर-कसर न छोड़ी जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विश्राम स्थलों और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों के सहयोग से इन व्यवस्थाओं को और मजबूत करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री का यह दौरा और उनके दिशा-निर्देश कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और पवित्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनके निर्देशों के अनुपालन में प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं, ताकि श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के अपनी आस्था का पर्व हर्षोल्लास के साथ मना सकें।

मुख्यमंत्री योगी ने धर्मपाल सिंह के गांव जाकर जताई शोक संवेदनाएं

बिजनौर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह की माता भगवती देवी के निधन पर उनके गांव हुरनंगला पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। भगवती सिंह का शनिवार को 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। मुख्यमंत्री ने धर्मपाल सिंह के परिवार को सांत्वना देते हुए उनकी माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी सोमवार दोपहर लखनऊ से राजकीय विमान द्वारा गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट पहुंचे। इसके बाद उन्होंने राजकीय हेलीकॉप्टर से कांवड़ यात्रा मार्ग का हवाई सर्वेक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सर्वेक्षण के बाद वे हेलीकॉप्टर से नगीना क्षेत्र के गांव हुरनंगला पहुंचे, जहां उन्होंने शोकाकुल परिवार के साथ समय बिताया।

अधेड़ व्यक्ति ने खाया जहरीली पदार्थ, मौत

मवाना, 7 जुलाई (देशबन्धु)। नगर में मुबारिकपुर रोड निवासी अधेड़ व्यक्ति ने रविवार रात जहरीला पदार्थ खा लिया। स्वजन उसे चिकित्सक के क्लीनिक पर ले गए, लेकिन डाक्टर ने मेरठ के लिए रेफर कर दिया, चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस भी पहुंची, लेकिन परिवार के लोगों ने कार्यवाही से मना कर दिया। जिस पर पुलिस लौट गई।

मवाना के मुबारिकपुर रोड निवासी 57 वर्षीय नरेशपाल पुत्र समय सिंह ने रविवार रात करीब साढ़े दस बजे शराब के नशे में जहरीला पदार्थ निगल लिया। परिजन उसे आनन-फानन में परिजन उसे नगर में ही निजी अस्पताल में ले गए, जहां से डॉक्टर ने गंभीर हालत में नरेशपाल को मेरठ रैफर कर दिया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामे की कार्रवाई की, लेकिन स्वजन ने पीएम कराने के लिए साफ मना कर दिया। मृतक के तीन बेटे हैं। बाद में शव का बेरियो वाले शमशान घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया।

जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को हो फांसी की सजा : बबिता चौहान

- राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने की अवैध धर्मांतरण कराने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग
- जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को हाल ही में यूपी एटीएस ने किया है गिरफ्तार
- अलग-अलग समुदाय की बेटियों के धर्मांतरण के लिए छांगुर ने तैयार की थी रेट लिस्ट

लखनऊ, 7 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश में गैर-मुस्लिम लड़कियों को बहला-फुसलाकर किए जा रहे अवैध धर्मांतरण के खिलाफ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने इस तरह के अपराधों में शामिल लोगों के लिए फांसी की सजा की मांग की है। हाल ही में यूपी एटीएस ने अवैध धर्म परिवर्तन के एक बड़े गिरोह के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को गिरफ्तार किया है, जिसके ऊपर 50 हजार रुपए का इनाम था। छांगुर बाबा पर अलग-अलग समुदायों की लड़कियों को निशाना बनाने और उनके लिए एक रेट लिस्ट तैयार करने का आरोप है। इस घिनौने कृत्य ने पूरे राज्य में आक्रोश पैदा कर दिया है। महिला आयोग की अध्यक्ष ने इसे सुनियोजित साजिश करार देते हुए कहा कि हमारी बेटियां कोई प्रयोगशाला नहीं हैं, जहां धर्मांतरण की जहरीली सोच का टेस्ट हो। जो बेटियों को छलकर उनका धर्म छीनते हैं, वे समाज के दुश्मन हैं। ऐसे लोगों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अवैध धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कानून बनाया है और अब समाज की जिम्मेदारी है कि वह चुप न रहे और इस मुद्दे पर आवाज उठाए। अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि बेटियों को झूठ, लालच और धोखे से धर्म बदलने पर मजबूर करने वालों के लिए फांसी ही एकमात्र सजा होनी चाहिए। यूपी एटीएस की इस कार्रवाई को राज्य में अवैध धर्मांतरण के खिलाफ चल रहे अभियान का हिस्सा माना जा रहा है। महिला आयोग की अध्यक्ष ने महिलाओं से अपील की कि वे इस तरह की साजिशों के खिलाफ एकजुट हों और अपनी आवाज बुलंद करें।

सार संक्षेप

राष्ट्रीय हिन्दू संघर्ष समिति ने सौंपा ज्ञापन

मवाना। मवाना नगर में आगामी श्रावण मास में होने वाली पावन कांवड़ यात्रा से पहले राष्ट्रीय हिन्दू संघर्ष समिति, जिला मेरठ के पदाधिकरियों ने सोमवार को उपजिलाधिकारी मवाना को ज्ञापन दिया, जिसमें नगर की दुर्दशा और कांवड़ मार्ग पर व्याप्त अव्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त करने की मांग की गई। संगठन के जिलाध्यक्ष ज्ञानेंद्र अग्रवाल ने बताया कि कांवड़ यात्रा में कई जिलों के हजारों श्रद्धालु मवाना नगर व गंग नहर पटरी से होकर गुजरते हैं, किंतु नगर के मुख्य मार्गों पर बड़े-बड़े गड्ढे और टूटी हुई सड़कें श्रद्धालुओं के लिए खतरा बनी हुई हैं। साथ ही, कई स्थानों पर जर्जर विद्युत खंभे एवं लटकते तार किसी भी बड़े हादसे को न्योता दे रहे हैं। संगठन ने मांग की कि इन सभी खतरनाक विद्युत खंभों एवं तारों को जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए। ज्ञापन देने वाले में मुख्य रूप से शुभम जैन एडवोकेट, विनोद गुप्ता, विकास गोयल, हरिओम शर्मा, रजनीश रोहल, सतीश भारद्वाज, प्रवीण जैन, रवि रस्तोगी, राजेश शर्मा, अंकुर सैनी आदि लोग उपस्थित रहे।

महिला तस्कर गिरफ्तार

बरेली। बरेली के बारादरी क्षेत्र में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की बरेली यूनिट ने असम से आई महिला तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 211 ग्राम हेरोइन, 265 ग्राम अवैध अफीम के अलावा नगदी बरामद की। इस कार्रवाई में उसकी बरेली निवासी साथी सिमरन कौर को भी गिरफ्तार किया गया है, जो बरेली में मादक पदार्थ की स्थानीय सप्लाई से जुड़ी थी।

आरबीएसके के वाहनों में अनियमितिता की जांच शुरू

हमीरपुर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत हमीरपुर जिले में सातों ब्लाकों में बाल मरीजों को उपचार देने के लिए लिए लगाए गए वाहनों में भारी धांधली सामने आई है। सरकार ने मामले की जांच चित्रकूटधाम मंडल में विभाग के अपर निदेशक व संयुक्त निदेशक को सौपी है।

भगवान जगन्नाथ की ऐतिहासिक रथयात्रा धूमधाम से निकली

- श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ किया स्वागत
- मंदिर परिसर में भगवान को विधिवत भोग व प्रसाद किया अर्पित

मवाना, 7 जुलाई (देशबन्धु)। श्री शिव मंदिर बाबा मोहनराम, खोलीधाम, वामनीवाला की वर्षगांठ के उपलक्ष में भगवान जगन्नाथ जी की ऐतिहासिक रथयात्रा बड़े ही श्रद्धा और भव्यता के साथ निकाली गई। वर्षों से परंपरागत रूप से निकाली जाने वाली इस रथयात्रा का आयोजन भगवान जगन्नाथ शोभायात्रा समिति द्वारा किया गया, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर परिसर में भगवान को विधिवत भोग व प्रसाद अर्पित कर की गई। रथयात्रा का शुभारंभ तहसील रोड नगर पालिका छोटे मैदान से किया गया। बाबा मोहनराम खोलीधाम वामनीवाला के महंत सरिता दास की माता उर्मिला देवी व मयंक रस्तोगी, अमर रस्तोगी के साथ मिलकर आरती व घंटा बजाकर किया गया। इस दौरान भक्तों ने जय जगन्नाथ के जयघोषों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

रथयात्रा के लिए विशेष रूप से भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा की प्रतिमाओं को जगन्नाथपुरी उड़ीसा से लाया गया था। यात्रा की शोभा देखते ही बन रही थी, जिसमें रथ को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया था और जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा की गई। यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। भक्तजन नृत्य करते हुए, शंख और ढोल-नगाड़ों की धुन पर झूमते दिखे। चारों ओर हरि नाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन और झांकियों का भव्य दृश्य लोगों को आध्यात्मिक आनंद से भर रहा था।

जिला निर्वाचन अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

मेरठ, 7 जुलाई (देशबन्धु)। आयुक्त सभागार, मेरठ में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा की अध्यक्षता में 15 जनपदों के जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी को निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण, निर्वाचन प्रक्रिया एवं संबंधित नियम-कानूनों के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। आयुक्त मेरठ मंडल व जिलाधिकारी

द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी उप्र का शॉल ओढ़ाकर व बुके देकर स्वागत किया। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में वोटर लिस्ट की त्रुटियों को सही करने, बीएलओ को ट्रेनिंग देने, संविधान के प्राविधानों से लेकर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1950, रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्ट्रोरल रोल 1960 तथा कमीशन के अलग-अलग मैन्युअल तथा इन्स्ट्रक्शन के बारे में विस्तार से बताया गया। ईआरओ नेट एक डाटाबेस है, जिससे वोटर लिस्ट बनती है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश थे कि किन अधिकारियो को बीएलओ के रूप में नियुक्त करना है, उसी के अनुसार बीएलओ की नियुक्ति कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि आज पश्चिमी उप्र के मेरठ जिले में 15 जिला निर्वाचन अधिकारियो का प्रशिक्षण हो रहा है।

जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों का हुआ शपथ ग्रहण

फर्रुखाबाद, 7 जुलाई (देशबन्धु)। नवनियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं पूर्व विधायक लुइस खुर्शीद ने नवनियुक्त कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराया और संगठन को मजबूत बनाने के बारे में टिप्स दिए। जाकिर महल पितौरा में हुए इस कार्यक्रम में जिला संयोजक प्रकाश प्रधान, मनीष द्विवेदी फ्रंटल जिला कोडीनेटर, यशपाल शहर कोडीनेटर, सलमान इम्तियाज शहर फ्रंटल कोडीनेटर मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शकुंतला देवी जिला अध्यक्ष ने की। पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों को माला अंगवस्त्र तथा कार्ड दे कर सम्मानित किया गया और उनको पद गोपनीयता और दायित्व निर्वाह की शपथ दिलाई गई तथा पार्टी को मजबूत करने के लिए दिशा निर्देश दिए गए।

संगठन पर दिया बल

नवनियुक्त कुलपति ने स्व. संघमाता मुक्ति भटनागर को किया नमन

स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

मेरठ, 7 जुलाई (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर प्रमोद कुमार शर्मा ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित बोधि उपवन में सुभारती समूह की संस्थापिका संघमाता डॉ. मुक्ति भटनागर की समाधि पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। वहीं स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। इसके साथ ही विवि के नन्दलाल बोस सुभारती कॉलेज ऑफ फाईन आर्ट एंड फैशन डिजाइन की राजा रवि वर्मा आर्ट गैलरी का भ्रमण किया। फाइन आर्ट कॉलेज के डीन डॉ. पिन्टू मिश्रा ने कुलपति प्रोफेसर प्रमोद कुमार शर्मा का कॉलेज आगमन पर स्वागत किया। कुलपति प्रो. प्रमोद कुमार शर्मा ने आर्ट गैलरी में स्वर्गीय संघमाता डॉ. मुक्ति भटनागर जी के द्वारा बनाए गये भव्य चित्रों का अवलोकन किया। प्रो. प्रमोद कुमार शर्मा ने कहा कि स्वर्गीय संघमाता बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी थीं। उन्होंने कहा कि संघमाता एक कुशल चिकित्सक होने के साथ-साथ वे गुरु परम्परा की असाधारण शिक्षाविद और शिक्षिका भी रही। संगीत, गायन चित्रकला, उद्यान, वास्तुशास्त्र इत्यादि में उन्हें विस्तृत अनुभव था। संघमाता डॉ.मुक्ति भटनागर के आदर्शों से प्रेरणा लेकर वह छात्र एवं राष्ट्रहित में पल्लवित करने का कार्य करेंगे।

एआई तकनीक के माध्यम से खेती करना अब और भी आसान : डॉ. केके सिंह

मेरठ, 7 जुलाई (देशबन्धु)। सोमवार को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। कुलपति डॉक्टर के के सिंह ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपण पंजाब के सहयोग से सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विविढपरिसर में तकनीक महाविद्यालय के अंतर्गत एक लैब में ए.आई. सेंटर स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कृषि विवि में ए.आई. आई सेंटर बनकर तैयार हो चुका है जो आईआईटी रोपण पंजाब और कृषि विवि ने संयुक्त रूप से खोलने का निर्णय लिया है। आज इस लैब का लोकार्पण किया जाएगा। पत्रकार वार्ता में स्वागत निदेशक ट्रेंनिंग प्लेसमेंट डॉ आर. एस. सेंगर एवं धन्यवाद प्रस्ताव अधिष्ठाता टेक्नोलॉजी प्रोफेसर जयवीर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ. पी.के. सिंह तथा तकनीक महाविद्यालय के इस केंद्र के कोऑर्डिनेटर डॉ. पुष्पेंद्र कुमार सिंह भी मौजूद रहे। कुलपति ने बताया कि इस लैब के माध्यम

- कृषि विवि में एग्रीटेक इन्नोवेशन हब का लोकार्पण आज
- नव निर्मित कृषि तकनीक नवाचार केंद्र की स्थापना से किसानों को मिल सकेगा लाभ

से यहां पर बनाई जाने वाली विशेष डिवाइस किसानों को बताएगी कि उनकी फसल में कौन सा रोग लगा है इसका इलाज कैसे कीटनाशक से हो सकता है। फसल में कब और कितने पानी और खाद की आवश्यकता पड़ेगी फसल का उत्पादन कितना बढ़ेगा। साथ ही लागत भी कम हो सकेगी इन सब तकनीक के लिए किसानों के नवाचार की जानकारी दी जाएगी और उनका समय-समय पर प्रशिक्षण भी दिया जाएगा जिससे वह लाभान्वित हो सकेंगे। कुलपति बताया कि जब गेहूं गाना धान आलू डालें सरसों आदि फसलों में बीमारी आती है तो यह बिना किसी की सलाह लिए ही कीटनाशक और अन्य दवाइयां का प्रयोग करते हैं आधा ढूंढ खाद का प्रयोग किया जाता है। विवि में एग्रीटेक इन्नोवेशन हब के नाम से खोले जा रहे ए.आई. सेंटर में बनने वाली अलग-अलग डिवाइस बताएंगे की फसल में कब व कितनी ऊंचाई तक पानी देना है। खाद व कीटनाशक डालने व बीमारी बताने के लिए अलग-अलग डिवाइस तैयार की जाएगी। इस आई सेंटर में किसानों और नवयुवकों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। यहां पर एक साथ 20 किसानों को प्रशिक्षण दिया जा सकता है। एक दिन में कई बैच चलाई जाने की व्यवस्था की जा रही है। सेंटर में किसानों के लिए रिसर्च करके अप तैयार किए जाएंगे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद्, मवाना (मेरठ)

पत्रांक : 459/कर विभाग/न०पा०परि/2025–26 **दिनांक : 07–07–2025**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद् मवाना कर निर्धारण सूची में भवन कर में प्रस्तुत किये गये साक्ष्यो, पंजीकृत बैनामा/विरासत के आधार पर उनके सामने अंकित भवन संख्या अपना नाम बतौर स्वामी दर्ज करने हेतु प्रार्थना–पत्र दिए गये है ! उक्त नामांतरण की कार्यवाही हेतु नगर पालिका अधिनियम–1916 की धारा 147(2) के अंतर्गत सूचना जारी की जाती है, यदि आप किसी व्यक्ति को भवन नामान्तरण की कार्यवाही पर कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति साक्ष्य सहित इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर कार्यालय में किसी कार्यशील दिवस में प्रस्तुत कर सकता है ! वाद निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा !

क्रम सं0	नाम क्रेता/पिता/पत्नि का नाम	नाम विक्रेता/पिता/पत्नि का नाम	म0स0	वर्ष	मोहल्ला	साक्ष्य आधार
1	मुनेश चौहान पत्नि स्व० राजेन्द्र कुमार चौहान	राजेंद्र कुमार चौहान पुत्र स्व० त्रिलोक चन्द चौहान	2163/1	2025–26	तिहाई	मृत्यु वारिसान
2	पवन कुमार रस्तौगी पुत्र धर्मप्रकाश व श्रीमति साधना रस्तौगी पत्नि स्व० विपिन रस्तौगी	विजयपाल, विरेन्द्र कुमार, सरिता देवी पत्नि विरेन्द्र कुमार वर्मा, श्रीमति पुष्पा देवी पत्नि विजयपाल व मथुरा प्रसाद	1771	2025–26	हीरालाल	बैनामा
3	प्रमोद कुमार पुत्र विजयपाल सिंह	श्रीमति सुमित्रा पत्नि स्व० बाबूराम पुत्र बलदेवा	1833	2025–26	काबली गेट	बैनामा
4	सलीम पुत्र मुनीर	अली मौ० पुत्र शेरदीन	1493	2025–26	मुन्नालाल	बैनामा
5	मौहम्मद अनवर पुत्र अजीमुल्ला	श्रीमति मिस्सो पत्नि मौ० अनवर	3604	2025–26	कल्याण सिंह	मृत्यु वारिसान
6	श्रीमति मंजू चौहान पत्नि स्व० राकेश चौहान	राकेश चौहान पुत्र खेम सिंह	1891, 1892	2025–26	तिहाई	मृत्यु वारिसान
7	सादिक पुत्र खुर्शीद	अब्दुल कादिर पुत्र मौ० रजाक	267	2025–26	तिहाई	बैनामा
8	श्रीमति गीता पत्नि शिव कुमार	श्रीमति मायावती पत्नि मूलचंद	45/1	2025–26	काबली गेट	बैनामा
9	रईस अहमद पुत्र अब्दुल वदूद	अब्दुल वदूद पुत्र अब्दुल रशीद	487	2025–26	खैरात अली	दान–पत्र
10	नवीन कुमार पुत्र बलेश्वर सिंह	बलेश्वर पुत्र खचेडू	1309/1	2025–26	मुन्नालाल	मृत्यु वारिसान
11	अमजद खान पुत्र शाहबुद्दीन	रूबिना पत्नि अमजद खां	1524	2025–26	मुन्नालाल	मृत्यु वारिसान
12	गोपाल गोयल पुत्र प्रहलाद राम गुप्ता	डालचंद चौहान पुत्र रघुपत सिंह	196	2025–26	मुन्नालाल	बैनामा
13	अमरवती पत्नि स्व० संजय	हरिराम पुत्र श्रवण	2266	2025–26	मुन्नालाल	मृत्यु वारिसान

(राजीव कुमार)
अधिशासी अधिकारी

'आंखों की गुस्ताखियां' का मेरा किरदार 'शोले' की 'बसंती' से प्रेरित : सानंद

मुंबई। 'भाबीजी घर पर हैं' फेम अभिनेता सानंद वर्मा की अपकमिंग फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। अभिनेता ने अपने किरदार के बारे में बताया कि इसे रचने में हेमा मालिनी के 'शोले' के किरदार 'बसंती' से प्रेरणा मिली। इस फिल्म में सानंद का किरदार एक मजेदार और बातूनी ड्राइवर का है। सानंद ने अपने किरदार के बारे में बताया कि अपकमिंग फिल्म में मेरे किरदार का नाम शौकी लाल है, जिसका नाम भी काफी मजेदार है। वह एक हंसमुख और बातूनी ड्राइवर है, जो बिल्कुल रुकता नहीं और लगातार बात करता है। यह किरदार 'शोले' की बसंती की याद दिलाता है, जो गाड़ी चलाते हुए लगातार बोलती थी, खूब बात करती थी।

पंजाबी की तुलना में तेलुगू फिल्म सेट पर रहती है ज्यादा गंभीरता : यामिनी मल्होत्रा

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री यामिनी मल्होत्रा पंजाबी के साथ ही तेलुगू फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने दोनों इंडस्ट्री के काम करने के तौर-तरीकों में बड़ा अंतर बताया। यामिनी के अनुसार, पंजाबी फिल्मों के सेट किसी बड़े शादी फंक्शन जैसे होते हैं, जबकि तेलुगू सेट पर सख्त प्रोफेशनल माहौल रहता है।

उन्होंने कहा कि पंजाबी फिल्म की शूटिंग किसी शादी फंक्शन की तरह है। हर कोई उत्साह से भरा होता है। खाना, हंसी-मजाक और म्यूजिक का माहौल रहता है। काम के बावजूद यह परिवार के एकजुट होने जैसा लगता है। शूटिंग के बाद लोग साथ में समय बिताते हैं, रिश्ते बनते हैं और माहौल बेहद दोस्ती भरा होता है। वहीं, तेलुगू सेट्स के बारे में यामिनी का अनुभव बिल्कुल अलग है। उन्होंने बताया कि तेलुगू सेट्स पर नियम और सटीकता की सख्ती होती है। हर कोई अपना काम करने के बाद वैनिटी वैन में चला जाता है। आपस में बातचीत बहुत कम होती है। माहौल पूरी तरह प्रोफेशनल और कभी-कभी मशीन जैसा लगता है। 'बिग बॉस 18' की कंटेस्टेंट रहीं यामिनी दोनों इंडस्ट्री की खासियतों को पसंद करती हैं। उनके हिसाब से फिल्म के अनुसार माहौल का भी निर्धारण होता है। वे पंजाबी सेट्स की गर्मजोशी और तेलुगू सेट्स की दक्षता, दोनों का आनंद लेती हैं। यामिनी अब बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली हिंदी फिल्म 'चिल मारना ब्रो' जल्द रिलीज होगी। तेजस दत्तानी के निर्देशन में बनी यह फिल्म कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें ढेर सारे ट्विस्ट्स और हंसी-मजाक का तड़का है।

हाथ धोने का सही तरीका

हाथ धोने के समय 'सुमंक' को अपनाएं

- संक्रमण के प्रसार और रोकथाम में हाथ की बहुत अहम भूमिका
- 6 प्रक्रिया में कम से कम 40 सेकंड तक साबुन से हाथ धोना चाहिए

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। देश भर में कोविड-19 के प्रकोप के बाद पर्सनल हाइजीन पर खास ध्यान दिया गया है। इस वर्ष कोविड के मामलों में एक बार फिर से बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। वहीं, मानसून का सीजन आने से अन्य संक्रमण से संबंधित बीमारियां भी पांव पसार रही हैं। बैक्टिरिया या वायरस से होने वाली बीमारियों के संक्रमण के प्रसार और रोकथाम दोनों में हमारे हाथ की बहुत अहम भूमिका है। लेकिन बहुत ही कम लोगों को हाथ धोने का सही तरीका पता है। चाहे विश्व स्वास्थ्य संगठन हो भारत सरकार का स्वास्थ्य मंत्रालय, इनकी ओर से कई बार हाथ धोने के सही तरीकों के बारे में जागरूक किया जाता रहा है।

नेशनल हेल्थ मिशन (यूपी) के 'स्वच्छ हाथ, सुरक्षित जीवन' अभियान ने भी हाथ धोने के तरीके बारे में जरूरी जानकारी रोचक तरीके से दी है। इसके तहत यह बताया गया है कि सिर्फ हाथ धोना काफी नहीं, बल्कि सही तरीके से हाथ धोना जरूरी है। इसके लिए 'सुमंक' विधि को अपनाने की सलाह दी जाती है, जो एक प्रभावी और आसान तरीका है।

यूनीसेफ के अनुसार, इन 6 प्रक्रिया में कम से कम 40 सेकंड तक साबुन से हाथ धोना चाहिए, फिर साफ पानी से धोकर सुखाना चाहिए। 'सुमंक' विधि से बैक्टीरिया, वायरस और अन्य रोगजनकों को प्रभावी ढंग से हटाया जा सकता है।

यह विधि फ्लू, कोविड-19 और अन्य संक्रामक रोगों से बचाव में काफी हद तक प्रभावी हो सकती है। यह सभी लोगों के लिए जरूरी है, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों के लिए इसे ध्यान रखना बहुत अहम है। 'सुमंक' विधि रक्त प्रवाह में सुधार के अलावा अस्पतालों में होने वाले संक्रमणों को कम करने में भी मददगार है। यह सस्ता और आसान उपाय है, जो स्वास्थ्य लागत को भी कम करता है। स्वच्छ भारत मिशन के अनुसार, सही तरीके से हाथ धोने से बीमारियों से बचा जा सकता है। साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोने की आदत डालकर, न केवल स्वस्थ भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकते हैं बल्कि कई बीमारियों को पनपने से भी रोक सकते हैं।

सुमंक के बारे में समझना जरूरी

- 'सुमंक' अंग्रेजी के लेटर 'एसयूएमएएनके' से मिलकर बना है। यह हाथ धोने के 6-स्टेप वाले प्रोसेस को दर्शाता है। नेशनल हेल्थ मिशन इसके बारे में विस्तार से जानकारी देता है।
- 'एस' का मतलब है 'सीधा' – यानी धोते हुए साबुन से पहले सीधी हथेलियों को बारी-बारी से घिसें।
- 'यू' का मतलब है 'उल्टा'– जिसके अनुसार हाथों को उल्टा करके भी बारी-बारी से रगड़े।
- 'एम' मतलब 'मुट्ठी'– यानी मुट्ठी बंद करने के बाद भी हाथों को साबुन से अच्छी तरह रगड़े।
- 'ए' का मतलब है अंगूठे – यानी मुट्ठी बंद कर हाथों को रगड़ने के बाद अंगूठों को भी ठीक से रगड़ें।
- 'एन' का मतलब है 'नाखून' – यानी अपने नाखूनों को भी अच्छी तरह साफ करें।
- 'के' कलाई को दर्शाता है– यानी सबसे अंत में अपनी कलाइयों को भी ठीक से रगड़ें।

इस तरह 'सुमंक' के जरिए आप हाथ को सही तरीके से धोने का क्रम आसानी से याद कर सकते हैं और बहुत सी बैक्टीरिया या वायरस जनित बीमारियों के प्रसार को रोक सकते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर धनिया पत्ती

- धनिया की पत्तियां खाने से पाचन तंत्र होता है मजबूत
- विटामिन सी शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाता है धनिया

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। रसोई में यूं तो कई तरह की हरी सब्जियां मौजूद होती हैं, लेकिन इनमें से सबसे खास होती है 'धनिया'। चाहे दाल हो या सब्ज़ी, रायता हो या चटनी, धनिया की पत्तियां हर खाने का स्वाद और खुशबू बढ़ा देती हैं। ये पत्तियां सिर्फ स्वाद ही नहीं बढ़ातीं, बल्कि हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद भी होती हैं। यह एक ऐसी चीज है जो दिखने में भले ही मामूली लगे, लेकिन इसके अंदर छिपे पोषक तत्व हमारी सेहत को मजबूत बनाने में मददगार होते हैं। आयुर्वेद में भी धनिया को औषधि के रूप में माना गया है।

धनिया कई पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में इस्तेमाल किया जाता है। आधुनिक समय में भी इसकी महत्ता कम नहीं हुई है। अमेरिका की एफडीए और यूरोप की खाद्य सुरक्षा एजेंसियों ने धनिया को सुरक्षित और उपयोगी चीजों के रूप में स्वीकार किया है।

अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, धनिये की पत्तियों में जरूरी विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं। इनमें विटामिन ए, सी, और के होता है, जो आंखों, त्वचा और हड्डियों के लिए बहुत जरूरी होता है। इसके अलावा, इसमें फोलेट, कैल्शियम, पोटेशियम, आयरन और मैग्नीशियम जैसे तत्व भी पाए जाते हैं। इन तत्वों से शरीर को न केवल ऊर्जा मिलती है, बल्कि ये बीमारियों से बचाने में भी मदद करते हैं।

धनिया की पत्तियां खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। सुबह खाली पेट इन पत्तियों को चबाने से या इनका पानी पीने से गैस, एसिडिटी और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है। इसमें मौजूद फाइबर खाना पचाने में मदद करता है और आंतों की सफाई करता है। धनिया में विटामिन सी शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाता है। जब शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी रहती है, तो सर्दी-जुकाम, खांसी, फ्लू जैसी मौसमी बीमारियां जल्दी नहीं होतीं। रिसर्च में पाया गया है कि धनिया की पत्तियों में कुछ ऐसे तत्व होते हैं जो ब्लड शुगर को संतुलित रखते हैं। यह डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

धनिया में मौजूद पोटेशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह कोलेस्ट्रॉल को भी संतुलित करता है। वहीं एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ए त्वचा को चमकदार बनाते हैं, चेहरे के मुंहासे और दाग-धब्बों को कम करने में मदद करते हैं, और साथ ही बालों को झड़ने से रोकते हैं।

यह शरीर को डिटॉक्स भी करता है। धनिया का पानी शरीर में से जहरीले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है। इससे लीवर और किडनी सही से काम करते हैं और शरीर हल्का व साफ महसूस होता है। इसमें मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम हड्डियों की मजबूती के लिए फायदेमंद होते हैं।

80 प्रतिशत सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध एंटी-रेबीज वैक्सीन

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में 2030 तक रेबीज उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश के करीब 80 प्रतिशत सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में एंटी-रेबीज वैक्सीन उपलब्ध है। यह जानकारी इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के एक नए अध्ययन में सामने आई है, जो प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल द लैंसेट रीजनल हेल्थ, दक्षिण पूर्व एशिया में प्रकाशित हुआ है।

अध्ययन में कहा गया है कि रेबीज के मामलों को रोकने के लिए पशु के काटने के बाद की रोकथाम का सुलभ और किफायती होना बेहद जरूरी है। अध्ययन के प्रमुख लेखक और आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज मुर्हेकर के अनुसार, हमने पाया कि देश के लगभग 80 प्रतिशत सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में एंटी-रेबीज वैक्सीन उपलब्ध थी। आईसीएमआर के आंकड़ों के अनुसार, भारत में रेबीज से होने वाली मौतों में 75 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। फिर भी, हर साल लगभग 5,700 लोग इस बीमारी से जान गंवाते हैं और करीब 90 लाख पशु काटने के मामले सामने आते हैं। यह सर्वे 15 राज्यों के 60 जिलों में किया गया, जिसमें कुल 534 स्वास्थ्य केंद्रों को शामिल किया गया। इनमें से 467 (87.5 प्रतिशत) केंद्र सार्वजनिक क्षेत्र के थे।

वहीं, एंटी-रेबीज वैक्सीन की उपलब्धता 60 प्रतिशत से लेकर 93.2 प्रतिशत तक भिन्न रही। सबसे कम उपलब्धता शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पाई गई। रेबीज इम्युनोग्लोब्युलिन केवल 95 सार्वजनिक केंद्रों में उपलब्ध था, जिसमें सबसे अधिक उपलब्धता दक्षिण भारतीय राज्यों में रही। मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में इसकी उपलब्धता 69.2 प्रतिशत तक पहुंची, जबकि शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में यह महज 1.8 प्रतिशत रही। उन्होंने बताया कि उत्तर-पूर्वी भारत में वैक्सीन की उपलब्धता सबसे कम थी, जबकि दक्षिण भारत में सबसे अधिक रही। दो-तिहाई सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों ने डोज-बचाने वाले इंट्राडर्मल रेजीम को अपनाया है।

पीएम मोदी को ट्रोल करने वालों को अमीश त्रिपाठी का जवाब

हिंदी हमारी कमजोरी नहीं, ताकत है

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। लेखक अमीश त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करते हुए कहा है कि उनकी हिंदी बोलने की क्षमता कोई कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत है। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की अंग्रेजी बोलने को लेकर हुई ट्रोलिंग पर अमीश त्रिपाठी ने प्रतिक्रिया दी और इसकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि आज इंग्लिश जरूरी हो गई है, खासकर नौकरी और समाज में आगे बढ़ने के लिए। लेकिन इंग्लिश जरूरी होने का मतलब यह नहीं कि हम अपनी मातृभाषा को छोटा समझें। आज बहुत से लोग दबाव में इंग्लिश बोलते हैं, और जो लोग हिंदी बोलते हैं, उन्हें कमतर समझा जाता है, जो गलत सोच है। हमें भारतीय भाषाओं पर गर्व करना चाहिए, न कि शर्म महसूस करनी चाहिए।

अमीश त्रिपाठी ने कहा कि मैं अंग्रेजी बोलने के खिलाफ नहीं हूं। आज के समय में इंग्लिश सीखना जरूरी हो गया है। अगर आपको अच्छी नौकरी चाहिए तो आपको इंग्लिश बोलनी सीखनी होगी। हमारे परिवार में हम पहली पीढ़ी हैं जो इंग्लिश मीडियम स्कूल में गए। मेरे माता-पिता ने हिंदी मीडियम स्कूल में पढ़ाई की थी। इसलिए, मैं फिर से दोहराता हूं कि मैं इंग्लिश बोलने के खिलाफ नहीं हूं और न ही इसके प्रभाव के खिलाफ हूं।

अमीश त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण देते हुए कहा कि लोग फ्लूएंट इंग्लिश न बोलने पर मोदी जी का मजाक उड़ाते हैं। यह गलत है। मोदी जी ने इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाई नहीं की, फिर भी वह हिंदी में बिना किसी कागज या नोट्स के बहुत अच्छा बोलते हैं। हमें उनकी इस बात की सराहना करनी चाहिए, न कि आलोचना। उन्होंने कहा कि अगर मोदी जी चाहें तो इंग्लिश में भी बोल सकते हैं, लेकिन इस बात पर मजाक उड़ाना बिल्कुल भी सही नहीं है।

अमीश त्रिपाठी ने दूसरे देशों के नेताओं, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, जापान और चीन के नेताओं के उदाहरण देते हुए कहा कि वे सभी अपनी भाषा में बोलते हैं, लेकिन उन पर कोई नहीं हंसता।

उन्होंने सवाल किया कि जब दूसरे देशों में ऐसा नहीं होता, तो हम भारत में ऐसा क्यों करते हैं? अमीश ने कहा कि इंग्लिश का प्रभाव अच्छा हो सकता है, लेकिन इसे बोलने का दबाव इतना नहीं होना चाहिए कि लोग खुद को ही छोटा समझने लगें।

कमर दर्द, थायरॉइड समेत कई समस्याओं को दूर करने में मददगार 'सेतु बंध सर्वांगासन'

- पीठ के निचले हिस्से की जकड़न को कम करने में मदद
- गर्भवती महिलाओं को भी यह आसन करने से बचना चाहिए

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। प्राचीन भारतीय पद्धति योग के पास हर एक शारीरिक और मानसिक समस्या का समाधान है, जो स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी मददगार है। इनमें सेतु बंध सर्वांगासन, जिसे 'ब्रिज पोज' भी कहा जाता है, एक ऐसा योगासन है जो कमर दर्द, थायरॉइड समेत कई समस्याओं को दूर करने में कारगर है।

यह आसन रीढ़, हैमस्ट्रिंग, ग्लूट्स और कंधों को मजबूत करता है, साथ ही छाती और फेफड़ों को खोलकर सांस लेने की क्षमता को भी बेहतर बनाता है।

भारत सरकार का आयुष मंत्रालय 'सेतु बंध सर्वांगासन' के अभ्यास से होने वाले लाभ को गिनाता है। इससे कमर दर्द और पीठ के निचले हिस्से की जकड़न को कम करने में मदद मिलती है। यह थायरॉइड ग्रंथि को उत्तेजित करता है, जिससे हार्मोनल संतुलन में सुधार होता है। यह आसन तनाव, चिंता और अवसाद को कम करने में भी सहायक है। इसके अलावा, यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है और रक्त संचार को बढ़ाता है। महिलाओं में पीरियड्स से जुड़ी समस्याओं को कम करने में भी प्रभावी है।

एक्सपर्ट बताते हैं कि इस आसन को करने की सही विधि क्या है। इसके लिए सबसे पहले पीठ के बल जमीन पर लेट जाएं। अपने हाथों को शरीर के दोनों तरफ रखें, हथेलियां नीचे की ओर हों। अब दोनों पैरों को घुटनों से मोड़ें और पैरों को कूल्हों के पास लाएं, ताकि पैर जमीन पर सपाट रहें। धीरे-धीरे सांस लेते हुए कूल्हों को ऊपर की ओर उठाएं, जिससे शरीर का पोस्चर एक पुल जैसा आकार ले ले। इस दौरान कंधा और सिर जमीन पर ही रहना चाहिए। अभ्यास के दौरान इस स्थिति में 10-15 सेकंड तक रुकना चाहिए और सामान्य तरीके से सांस लेते रहना चाहिए। फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए कूल्हों को वापस जमीन पर लाएं। इस प्रक्रिया को 3 से 5 बार दोहराना चाहिए।

नियमित अभ्यास से सेतु बंध सर्वांगासन शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकता है। हालांकि एक्सपर्ट इस आसन के अभ्यास के दौरान कुछ सावधानियां बरतने की भी सलाह देते हैं। यदि गर्दन, पीठ या कंधों में चोट है, तो इसे नहीं करना चाहिए।

फिल्मों में महिला कलाकारों की भूमिका सीमित, ओटीटी पर असली मौका : वाणी कपूर

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर ने सिनेमा में महिलाओं की बदलती स्थिति पर बात की। उन्होंने कहा कि अब एक नई पीढ़ी की एक्ट्रेस सामने आ रही हैं, जो सिर्फ रोमांटिक या पारंपरिक किरदार ही नहीं निभा रही हैं, बल्कि एक्शन से भरे, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल भी कर रही हैं।

उन्होंने ओटीटी पर भी बेबाक राय रखते हुए कहा कि फिल्मों के मुकाबले ओटीटी पर एक्ट्रेस को टैलेंट दिखाने का सही मौका मिलता है। वाणी का मानना है कि यह एक अच्छा बदलाव है, जो दिखाता है कि महिलाएं अब हर तरह की भूमिका में आगे आ रही हैं और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा कि आजकल की नई एक्ट्रेस पुरानी सीमाएं तोड़ रही हैं। वह अब ऐसे किरदार कर रही हैं, जो एक्शन, तेज रफ्तार और उत्साह से भरपूर होते हैं। ये किरदार दिखाते हैं कि ताकत और गहराई से भरे भाव, दोनों एक साथ स्क्रीन पर दिख सकते हैं। अब भारतीय एक्ट्रेस बिना किसी डर के एक्शन फिल्मों में लीड रोल निभा रही हैं, जो पहले नहीं होता था। अब इंडस्ट्री में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है और ये बदलाव जरूरी भी है।

वाणी कपूर जल्द ही नेटफ्लिक्स की थ्रिलर सीरीज 'मंडला मर्डर्स' से ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। एक्ट्रेस का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर एक्ट्रेस को अब पहले से बेहतर और दमदार कहानियों वाले रोल मिल रहे हैं।

उम्र बढ़ने के साथ बढ़ती है हड्डियों की बीमारी

- हड्डियों से संबंधित परेशानियों से बचने के लिए खाने में लें प्रोटीन से भरपूर फूड्स
- मसूर दाल, राजमा, चना, अंडा, दूध, पनीर, दही जैसी चीजों में पर्याप्त प्रोटीन

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। बढ़ती उम्र के साथ अगर सेहत का खास ख्याल न रखा जाए तो कई तरह की समस्याएं शुरू हो सकती हैं। बुढ़ापे में हमारी मांसपेशियां और हड्डियां युवावस्था की तुलना में काफी कमजोर हो जाती हैं। यदि इस पर ध्यान न दिया जाए तो ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्या गंभीर हो सकती है। ऐसे में यह जरूरी है कि बुढ़ापे में हड्डियों की कमजोरी से बचने के लिए आप पहले से ही इनका ख्याल रखना शुरू कर दें।

ऑस्टियोपोरोसिस बुढ़ापे में होने वाला एक ऐसा हड्डी रोग है, जिसमें हड्डी की मिनरल डेंसिटी और बोन मास में कमी हो जाती है। आम भाषा में कहें तो हड्डियां बेहद कमजोर हो जाती हैं और थोड़ी भी चोट लगने पर इनमें फ्रैक्चर (हड्डियों के टूटने) का खतरा बढ़ जाता है। यह बीमारी अक्सर उम्र बढ़ने के साथ बढ़ती ही जाती है।

हालांकि बढ़ती उम्र के साथ कुछ जरूरी चीजें अपनाकर इस हड्डियों के कमजोर होने की रफ्तार को कम किया जा सकता है। नेशनल हेल्थ मिशन के अनुसार, वृद्धावस्था में हड्डियों से संबंधित परेशानियों से बचने के लिए आप अपनी डाइट में प्रोटीन से भरपूर फूड्स जरूर लें। मसूर दाल, राजमा, चना, अंडा, दूध, पनीर, दही जैसी चीजों में शाकाहारी लोगों के लिए पर्याप्त प्रोटीन होता है। अगर आप मांसाहारी हैं तो मछली का सेवन भी आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। प्रोटीन शरीर में ऊतकों की मरम्मत करने के अलावा बॉडी मास को मेंटेन करने में अहम रोल अदा करता है, जिससे हड्डियों को सपोर्ट मिलता है।

इसके साथ ही बुजुर्ग लोगों को कुछ समय धूप में जरूर बिताना चाहिए। धूप में विटामिन डी मिलता है। विटामिन-डी हड्डियों को मजबूत बनाने, इम्यूनिटी स्ट्रांग करने और कैल्शियम को एब्जॉर्ब करने में मदद करता है। विटामिन-डी के रूप में आप सूर्य की रोशनी के साथ ही फिश- जैसे सैल्मन, मैकेरल, ट्यूना या अंडे की जर्दी, फोर्टिफाइड दूध, अनाज को डाइट में शामिल कर सकते हैं।

कैल्शियम की कमी से भी हड्डियां कमजोर हो सकती हैं, जिससे फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आप दूध, पनीर, दही, हरी पत्तेदार सब्जियां, जैसे पालक, सरसों के पत्ते, बादाम, तिल, सोया मिल्क आदि का सेवन कर सकते हैं। हड्डियों की मजबूती के लिए बुढ़ापे में उम्र के अनुसार हल्के-फुल्का व्यायाम करना भी बहुत फायदेमंद है। जैसे- रोजाना पैदल चलना, योग, और हल्की-फुल्की शारीरिक गतिविधियां करना बेहद जरूरी हैं। इससे ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं कम होती हैं और पूरे दिन बॉडी एनर्जेटिक भी रहती है। गलत पोस्चर में बैठने से भी हड्डियों से जुड़ी समस्याएं हो सकती है। व्यायाम से यह समस्या भी दूर सकती है। धूम्रपान और शराब वृद्धावस्था में हड्डियों को कमजोर कर सकता है और साथ ही यह ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्या को बढ़ावा देता है। ऐसे में आपको इसका सेवन करने से परहेज करना चाहिए।

'प्लॉस्टिक मुक्त जुलाई' मुहिम दिया मिर्जा को आई पसंद

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। एक्ट्रेस और पर्यावरण संरक्षण समर्थक दिया मिर्जा ने सोमवार को 'प्लॉस्टिक मुक्त जुलाई' मुहिम की सराहना की। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने इस कार्यक्रम को लेकर एक प्रेरणादायक बात कही। कहा कि मकसद लोगों को पर्यावरण की रक्षा करने के लिए जागरूक करना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि प्रकृति और पर्यावरण को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम युनाइटेड नेशंस हाउस (भारत में मौजूद) में आयोजित किया गया था। दिया मिर्जा ने अपनी पोस्ट में बताया कि हम जितना प्लास्टिक कचरा फैला रहे हैं, उसे संभालने की हमारी क्षमता बहुत कम है, और इस फर्क को जल्दी दूर करना जरूरी है। उन्होंने टाइड टर्नर्स प्लॉस्टिक चैलेंज की तारीफ की, जो संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के नेतृत्व में एक वैश्विक पहल है। इसका मकसद युवाओं को प्लॉस्टिक प्रदूषण के खिलाफ कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है। दिया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि इस मंडे मोटिवेशन में मुझे विश्व पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम की याद आ रही है, जो काफी प्रभावशाली था। इसमें बताया गया कि हम जितना कचरा बनाते हैं, उसे संभालने की हमारी ताकत उतनी नहीं है, और यह फर्क लगातार बढ़ता जा रहा है।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

हिंद यूनिलीवर	3.06 प्रतिशत
कोटक बैंक	1.07 प्रतिशत
ट्रेंट	0.94 प्रतिशत
रिलायंस	0.90 प्रतिशत
आईटीसी	0.87 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

बीईएल	2.46 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	1.83 प्रतिशत
अल्ट्रा टेक	1.28 प्रतिशत
मारूति सुजुकी	1.07 प्रतिशत
इटरनल	1.00 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	96,596
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,06,531
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	6700-6800
मसूर काली	7900-8000
उड़द दाल	9250-9350
मूंग दाल	9200-9300
अरहर दाल	8400-8500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

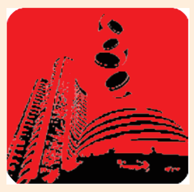

वाहनों की बिक्री जून में 20 लाख यूनिट के पार

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोटिव डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने सोमवार को कहा कि भारत में सभी सेगमेंट में ऑटोमोबाइल की कुल खुदरा बिक्री जून में सालाना आधार पर 4.84 प्रतिशत बढ़कर 20.03 लाख यूनिट को पार कर गई, जो त्योहार और शादी के मौसम की मांग की वजह से देखी गई।

फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विग्नेश्वर ने कहा कि सेगमेंट-वाइज, हर कैटेगरी में दोपहिया वाहनों की बिक्री 4.73 प्रतिशत, तिपहिया वाहनों की बिक्री 6.68 प्रतिशत, पैंसेजर व्हीकल की बिक्री 2.45 प्रतिशत, कमर्शियल व्हीकल की बिक्री 6.6 प्रतिशत, ट्रैक्टरों की बिक्री 8.68 प्रतिशत और कंस्ट्रक्शन इक्विप्मेंट्स की बिक्री 54.95 प्रतिशत रही। उन्होंने कहा कि त्योहारों और शादी के मौसम की मांग ने बिक्री को बढ़ावा दिया, लेकिन वित्तीय बाधाओं और बीच-बीच में वैरिएंट की कमी ने बिक्री को धीमा कर दिया। मानसून की शुरुआती बारिश और ईवी की बढ़ती पहुंच ने भी खरीदारी के पैटर्न को आकार दिया।

विग्नेश्वर ने कहा कि कुल मिलाकर, जून में मिश्रित बाजार संकेतों के बीच दोपहिया वाहनों का प्रदर्शन

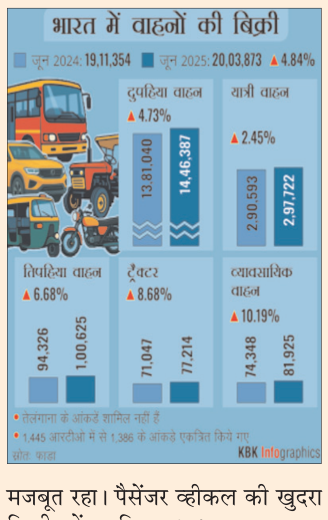

मजबूत रहा। पैसेंजर व्हीकल की खुदरा बिक्री में मासिक आधार पर 1.49 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि सालाना आधार पर 2.45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

भारी बारिश और बाजार में लिक्विडिटी की कमी के कारण ग्राहकों की संख्या पर असर पड़ा, जबकि प्रोत्साहन योजनाओं में वृद्धि और नई बुकिंग ने चुनिंदा समर्थन दिया।

विग्नेश्वर ने कहा कि कुछ डीलरों ने संकेत दिया कि कुछ पीवी मैन्युफैक्चरर्स ने वॉल्यूम लक्ष्यों को पूरा करने के लिए स्वचालित थोक डेबिट जैसी अनिवार्य बिलिंग प्रक्रियाएं शुरू की हैं । परिणामस्वरूप इन्वेंट्री लगभग 55 दिनों की है।

- त्योहारों व शादी के मौसम की मांग से बिक्री को मिला बढ़ावा
- ईवी की बढ़ती पहुंच ने भी खरीदारी के पैटर्न को दिया आकार

इस प्रकार जून में विभिन्न बाजार संकेतों के बीच पीवी प्रदर्शन की मामूली लेकिन स्थिर तस्वीर पेश की गई। सीवी खुदरा बिक्री में मासिक आधार पर 2.97 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि सालाना आधार पर 6.6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

विग्नेश्वर ने कहा कि मानसून से जुड़े स्लोडाउन मंदी और सीमित लिक्विडिटी के कारण पूछताछ और रूपांतरण में कमी आने से पहले महीने की शुरुआत में डिलीवरी ने वॉल्यूम को बढ़ाया। उन्होंने बताया कि सदस्यों ने नए सीवी कराधान और अनिवार्य वातानुकूलित केबिनों के प्रभाव की ओर इशारा किया, जिससे स्वामित्व लागत बढ़ गई है, साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग में भी कमी आई है। कुल मिलाकर, जून में एक मजबूत सीवी सेगमेंट दिखाई दिया।

वित्त वर्ष 2026 में भारत में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 2-5 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान

नई दिल्ली। पिछले दो वित्तीय वर्षों में धीमी वृद्धि दर्ज करने के बाद वित्त वर्ष 2026 में भारत में वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) की थोक बिक्री में लगभग 2-5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। यह जानकारी सोमवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि चालू वित्त वर्ष में मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहन (एमएचसीवी) सेगमेंट में 4-6 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि इसी अवधि में हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) सेगमेंट में 2-4 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। कैरएज रेटिंग्स की एसोसिएट डायरेक्टर आरती रॉय ने कहा कि वाणिज्यिक वाहन (सीवी) उद्योग में मध्यम वृद्धि का अनुभव होने की उम्मीद है, वित्त वर्ष 2026 में कुल बिक्री मात्रा में लगभग 2-5 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।

मक्के का उत्पादन 2047 तक दोगुना करने का का लक्ष्य : शिवराज

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि कृषि आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान अर्थव्यवस्था की आत्मा हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी नीति देश की खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के साथ, किसानों की आमदनी को बढ़ाना और खेती को लाभकारी बनाना है।

फिक्की द्वारा आयोजित 11वें मक्का सम्मेलन में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 90 के दशक में मक्के का उत्पादन 10 मिलियन टन था, जो बढ़कर लगभग 42.3 मिलियन टन तक पहुंच चुका है। वहीं, विकसित भारत के संकल्प के साथ मक्के का उत्पादन 2047 तक बढ़कर 86.10 मिलियन टन तक पहुंच सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में औसत मक्का उत्पादन 3.7 टन प्रति हेक्टेयर है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे राज्यों में मक्का उत्पादन राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है, जिसे समग्र रूप से अधिक बढ़ाए जाने की जरूरत है।

मक्के के उत्पादन में नए रिकॉर्ड स्थापित करने वाले किसानों को

कृषि आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ व किसानों की अर्थव्यवस्था की आत्मा हैं : शिवराज सिंह चौहान

सम्मानित करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं इन किसानों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि किसानों को वैज्ञानिकों से जोड़ने के लिए हमने विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से वैज्ञानिकों को किसानों के बीच भेजने के साथ लैब को लैंड से जोड़ने का काम किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस अभियान के तहत करीब 11 हजार वैज्ञानिक 60 हजार से ज्यादा गांवों में पहुंचे। हमने देखा कि उत्पादन खेत में बढ़ता है और वैज्ञानिक लैब में काम कर रहे हैं। किसान अलग काम कर रहा था, वैज्ञानिक अलग काम कर रहा था। हमने तय किया कि लैब और लैंड की दूरी को खत्म कर इन्हें जोड़ने का काम किया जाएगा।

सबसे तेज डिलीवरी स्पीड के साथ अमेजन प्राइम डे का आनंद लें

गुरुग्राम 7 जुलाई (एजेंसियां)। अमेजन इंडिया अपने सबसे प्रतीक्षित शॉपिंग इवेंट - प्राइम डे 2025 के लिए पूरी तरह तैयार है, जो विशेष रूप से प्राइम मेंबर्स के लिए आयोजित किया जा रहा है। 12 जुलाई की मध्यरात्रि 12:00 बजे से लेकर 14 जुलाई की रात 11:59 बजे तक, 72 घंटों की नॉन-स्टॉप शॉपिंग के लिए तैयार हो जाइए, जहां मिलेगा सबसे बड़ा कलेक्शन, सबसे तेज डिलीवरी, बेमिसाल डील्स और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट। चाहे आप अपने गैजेट्स अपग्रेड करना चाहते हों, वॉर्डरोब को रिफ्रेश करना हो या घर को नया लुक देना हो, प्राइम डे में स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, टीवी, अप्लायंसेज़, अमेजन डिवाइसेज़, फैशन, ब्यूटी, होम व

किचन, फर्नीचर, किराना, रोजमर्रा की जरूरतें और बहुत कुछ शानदार छूट के साथ मिलेगा। प्राइम, डिलिवरीज और रिटर्न्स, इंडिया और इमर्जिंग मार्केट्स के डायरेक्टर अक्षय साही ने कहा, प्राइम डे हमारे ग्राहकों के लिए एक उत्सव है, और इस साल हम इसे अब तक से भी बड़े स्तर पर मना रहे हैं, 72 घंटों की शॉपिंग, बेहतरीन बचत और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट के साथ। हजारों डील्स के साथ, प्राइम डे देशभर के प्राइम सदस्यों के लिए अमेज़न का सबसे अच्छा अनुभव लाएगा।

वित्त वर्ष 2026 में अधिक लाभ कमा सकता है सीमेंट उद्योग : क्रिसिल

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की सीमेंट मांग में वृद्धि चालू वित्त वर्ष के दौरान 6.5-7.5 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। सोमवार को जारी क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग की प्राप्तियों में वृद्धि के साथ परिचालन लाभप्रदता लगभग 100 रुपए बढ़कर दशकीय औसत से थोड़ा ऊपर के स्तर पर पहुंच जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत बैलेंस शीट के साथ स्वस्थ उपार्जन सीमेंट निर्माताओं की क्रेडिट प्रोफाइल को स्थिर रखेगा।

क्रिसिल का विश्लेषण 17 सीमेंट कंपनियों के आंकड़ों पर आधारित है, जो घरेलू बिक्री मात्रा का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान आम चुनावों और अनियमित मानसून के कारण निर्माण गतिविधियों में धीमी गति के कारण पहली छमाही में

- मजबूत बैलेंस शीट के साथ स्वस्थ उपार्जन सीमेंट निर्माताओं की क्रेडिट प्रोफाइल को रखेगा स्थिर

सीमेंट की मांग में नरमी आई और 2-3 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, दूसरी छमाही में सुधार हुआ, जिससे वार्षिक मांग में लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

क्रिसिल इंटेलिजेंस के निदेशक सेहुल भट्ट ने कहा कि इस वित्त वर्ष में, सीमेंट की मांग ग्रामीण आवास सेगमेंट में 7-8 प्रतिशत की वृद्धि से बढ़ेगी, जो घरेलू मांग का एक तिहाई है। वास्तव में, संभावित स्वस्थ मानसून पर कृषि आय में वृद्धि की उम्मीदों के कारण ग्रामीण आवास की मांग इस वित्त वर्ष में प्राथमिक मांग चालक के रूप में इंफ्रास्ट्रक्चर सेगमेंट की जगह लेगी। कर कटौती और सौम्य मुद्रास्फीति के कारण उच्च प्रयोज्य आय भी ग्रामीण आवास की मांग को बढ़ावा देगी।

दूसरी ओर, इंफ्रास्ट्रक्चर सेगमेंट के पिछले दो वित्त वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के कम आवंटन और रेलवे के लिए पूंजीगत व्यय वृद्धि के कारण अपेक्षाकृत धीमी, लेकिन स्थिर गति से बढ़ने की उम्मीद है। यह सेगमेंट लगभग 30 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सीमेंट की मांग में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।

बिकवाली के दबाव से बाजारों में कारोबार सीमित

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय बाजारों में सीमित कारोबार और नरमी की धारणा के बीच बैंकिंग, आटो और आईटी क्षेत्र के शेयरों में बिकवाली के दबाव के साथ सोमवार को प्रमुख सूचकांक पिछले सप्ताहांत के स्तर पर बने रहे।

बाजार विश्लेषकों के अनुसार निवेशक अमेरिका में आयात शुल्क पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले की प्रतीक्षा में कोई जोखिम उठाना नहीं चाह रहे हैं। बाजार को स्पष्ट संकेतों का इंतजार है और आने वाले दिनों वे निवेशक भारत-अमेरिका व्यापार समझौता वार्ता के नतीजे तथा कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजों से संकेत ले सकते हैं। बीएसई का 30 शेयरों वाला संसेक्स सुबह 83,398.08 पर खुलने के पूर्वाह्न में एक समय 83,516.82 तक चढ़ गया था। यह तेजी ज्यादा देर नहीं टिकी और कारोबार के दौरान 83,262.23 तक गिरने के बाद अंत में पिछले बंद के मुकाबले 9.61 यानी 0.01 प्रतिशत की तेजी नाममात्र की बढ़त के साथ 83,442.50 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 83,432.89 पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 में से 12 शेयर हानि और 18 लाभ में बंद हुये। लाभ में रहे शेयरों में हिंदुस्तान लीवर तीन प्रतिशत बढ़त के साथ बंद हुआ। कोटक बैंक, ट्रेंट, रिलायंस, आईटीसी, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, सनफार्मा, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और अडानी पोर्ट भी हल्के लाभ में रहे।

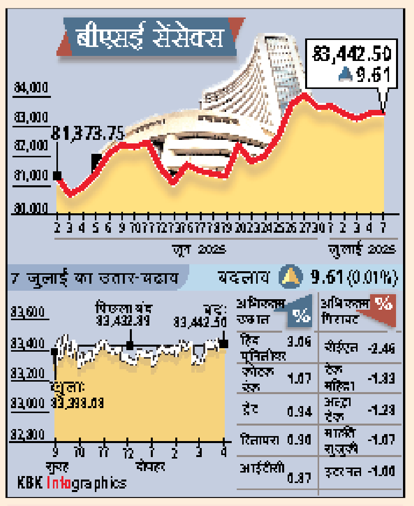

- सेंसेक्स 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,442.50 अंक पर
- निफ्टी 0.30 अंक की बढ़त के साथ 25461.30 पर बंद

सेंसेक्स के बाकी शेयरों में 0.01 प्रतिशत से 1.83 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गयी। सबसे ज्यादा 2.46 प्रतिशत की गिरावट बीईएल में रही, जबकि टाटा मोटर 0.01 प्रतिशत हानि में रहा। आटो, बैंक और आईटी शेयरों में भी बिकवाली का दबाव बढ़ा हुआ था।

नेशनल स्टॉक एस्क्चेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 ज्यादातर समय पिछले बंद के स्तर से नीचे रहने के बाद 0.30 अंक (0.00 प्रतिशत) की नाम मात्र की बढ़त के साथ 25461.30 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह नरमी के साथ 25,450.45 पर खुलने के बाद ऊपर में 25,489.80 और नीचे में 25,407.25 तक गया था। एनएसई में बैंक और वित्तीय सेवाओं के वर्ग के सूचकांकों में भी गिरावट दर्ज की गई।

आशिका समूह के आशिका स्टॉक ब्रोकिंग सर्विसेज के तकनीकी और डेरिवेटिव विश्लेषक सुंदर केवट ने कहा कि पूरे सत्र के दौरान सूचकांक में सीमित दायरे में कारोबार हुआ, क्योंकि निवेशक अमेरिका में प्रशुल्क पर ट्रम्प सरकार की घोषणाओं से पहले सतर्कता बरत रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण भी बाजार का उत्साह गिरा हुआ है, जिससे निवेशकों ने प्रमुख क्षेत्रों में रक्षात्मक रुख अपनाया। श्री केवट ने कहा कि इसके बावजूद बाजार में उपभोक्ता वस्तुओं, तेल और गैस, उपभोग और रियल्टी शेयरों में खरीदारी में दिलचस्पी देखी गयी। इसके विपरीत, मीडिया, धातु, आईटी और ऑटो क्षेत्रों में कुछ मुनाफावसूली हुई और इन शेयरों का प्रदर्शन खराब रहा।

एल्गोक्वांट फिनटेक का बड़ा ऐलान, 8:1 बोनस इश्यू और स्टॉक स्प्लिट को मिली मंज़ूरी

नई दिल्ली 7 जुलाई (एजेंसियां)। वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में उभरती हुई कंपनी एल्गोक्वांट फिनटेक ने अपने निवेशकों के लिए एक अहम घोषणा की है। कंपनी ने रु.2 फेस वैल्यू वाले शेयरों को रु.1 में विभाजित करने और हर रु.1 के शेयर पर 8 बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी है। इस कॉर्पोरेट ऐक्शन का उद्देश्य न सिर्फ निवेशकों को प्रत्यक्ष लाभ देना है, बल्कि स्टॉक की तरलता और खुदरा निवेशकों की पहुंच को भी बढ़ाना है। कंपनी का मानना है कि यह कदम दीर्घकालिक दृष्टिकोण से बाजार में उसके स्टॉक को और आकर्षक बनाएगा।

कंपनी के अनुसार, आवश्यक नियामकीय अनुमोदन प्राप्त होते ही अगले दो महीनों के भीतर यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी और रिकॉर्ड डेट की घोषणा भी जल्द की जाएगी। एल्गोक्वांट फिनटेक के मैनेजिंग डायरेक्टर देवांश गुप्ता ने बताया कि रु.2 के फेस वैल्यू वाले हर शेयर को रु.1 में विभाजित किया जाएगा और फिर प्रत्येक रु.1 के शेयर पर 8 बोनस शेयर दिए जाएंगे। इस प्रकार, जो निवेशक पहले रु.2 का एक शेयर रखते हैं, उन्हें कुल 18 नए रु.1 वाले शेयर प्राप्त होंगे। गुप्ता ने कहा कि कंपनी का यह फैसला दीर्घकालिक निवेशकों को सशक्त करने और स्टॉक के व्यापारिक दायरे को बढ़ाने की दिशा में उठाया गया है। बाजार में भी इस घोषणा का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है। बीएसई पर हाल ही में कंपनी का शेयर 2.6 प्रतिशत की मजबूती के साथ रु.1065 पर बंद हुआ, जिससे निवेशकों की उत्साही प्रतिक्रिया साफ दिखती है। विशेषज्ञों का मानना है कि बोनस और स्टॉक स्प्लिट का यह संयोजन स्टॉक की लिक्विडिटी को बेहतर बनाएगा और छोटे निवेशकों के लिए इसकी सुलभता को बढ़ाएगा। इससे शेयर की मांग में दीर्घकालिक रूप से वृद्धि की उम्मीद जताई जा रही है।

अब भारत में 23 ट्रिलियन डॉलर के वैश्विक स्वर्ण बाजार का 15 प्रतिशत हिस्सा : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 12.5 ट्रिलियन डॉलर है, जबकि सोने का बाजार वर्तमान में 23 ट्रिलियन डॉलर का है, जिसमें से 15 प्रतिशत भारत में है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

डीएसपी म्यूचुअल फंड की जुलाई 2025 की नेत्रा रिपोर्ट के अनुसार, अब तक निकाले गए कुल सोने में से 65 प्रतिशत आभूषणों के रूप में है और वैश्विक भंडार का मात्र 5 प्रतिशत सोने में स्थानांतरित होने से इसकी कीमत में निरंतर और महत्वपूर्ण उछाल आ सकता है। केंद्रीय बैंक के सोने के भंडार में वृद्धि हो रही है और उन्होंने पिछले 21 वर्षों की तुलना में पिछले चार वर्षों में अधिक सुरक्षित-संपत्तियां खरीदी हैं। 2000 से 2016 तक केंद्रीय बैंक द्वारा की गई सोने की खरीद कुल 85 बिलियन डॉलर थी। लेकिन एक ही वर्ष, 2024 में, केंद्रीय बैंकों ने 84 बिलियन डॉलर का सोना खरीदा। रिपोर्ट के अनुसार, 2022 से, केंद्रीय बैंकों ने हर साल लगभग 1,000 टन कीमती धातु खरीदी है, जो सोने की वार्षिक खनन आपूर्ति का एक चौथाई से भी अधिक है। सोने की खरीद का यह सिलसिला अधिकांश देशों की गैर-डॉलर आरक्षित परिसंपत्तियों को रखने की रुचि को दर्शाता है।

केंद्रीय बैंक के सोने के भंडार में हो रही वृद्धि

अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड की अस्थिर प्रकृति ने सोने को केंद्रीय बैंकों के लिए अधिक आकर्षक साधन बना दिया है। इसलिए, रिपोर्ट में बताया गया है कि फिलहाल सोने की मांग मजबूत है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत में भारतीय रिजर्व बैंक के पास कुल 880 मीट्रिक टन सोना है। देश ने वित्त वर्ष 2026 में अभी तक अपने सोने के भंडार में कुछ नहीं जोड़ा है, संभवतः भारत भू-राजनीतिक और व्यापार अनिश्चितताओं के बीच पांच वर्षों में 80 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करने वाली सुरक्षित-संपत्ति की कीमतों में नरमी का इंतजार कर रहा है।

2035 तक 9.82 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा भारतीय कंपनियों का जीवीए : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के तेजी से विकसित होने के साथ, भारतीय व्यवसाय 2035 तक ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) में 9.82 ट्रिलियन डॉलर का लाभ उठा सकते हैं। यह जानकारी हाल ही में आई एक रिपोर्ट में दी गई। पीडब्ल्यूसी इंडिया स्टडी के अनुसार, जीवीए गणना में योगदान देने वाले सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक 'मेक' डोमेन होगा, जिसमें अन्य क्षेत्रों के अलावा मैन्युफैक्चरिंग और औद्योगिक उत्पादन शामिल हैं।

रिपोर्ट का अनुमान है कि अकेले यह क्षेत्र 2023 के 945 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2035 तक लगभग 2.7 ट्रिलियन डॉलर का जीवीए हो जाएगा। पीडब्ल्यूसी इंडिया की रिपोर्ट, 'नेविगेटिंग द वैल्यू शिफ्ट' में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव और तकनीकी व्यवधान जैसे बड़े रुझान वैल्यू क्रिएशन के नए रास्ते बना रहे हैं, जो पारंपरिक उद्योग

- पीडब्ल्यूसी ने रणनीतिक-निर्णय लेने का मार्गदर्शन करने के लिए एक डोमेन-बेस्ड फ्रेमवर्क किया डेवलप

सीमाओं से परे हैं। इस परिदृश्य के बीच, व्यवसाय तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य का लाभ उठाने के लिए विविधीकरण कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि, इस परिवर्तन को प्रभावी ढंग से नेविगेट करने के लिए उन्हें एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है, ताकि वे पहचान कर सकें कि गतिशील मूल्य को प्राप्त करने के लिए कहां और कैसे विविधता लानी है। इस आवश्यकता का समर्थन करने के लिए पीडब्ल्यूसी ने इस नए युग में रणनीतिक-निर्णय लेने का मार्गदर्शन करने के लिए एक डोमेन-बेस्ड फ्रेमवर्क डेवलप किया है।

डोमेन ऐसे बाजारों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां व्यवसाय बुनियादी मानवीय और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पारंपरिक क्षेत्र की सीमाओं से परे जाते हैं।

पीडब्ल्यूसी इंडिया के अध्यक्ष संजीव कृष्ण ने कहा कि भारत के सीईओ पहले से ही इन बदलावों पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। पीडब्ल्यूसी के 28वें 'एनुअल ग्लोबल सीईओ सर्वे- इंडिया पर्सपेक्टिव' में भारत के 40 प्रतिशत सीईओ ने कहा कि उनकी कंपनियों ने पिछले पांच वर्षों में कम से कम एक नए क्षेत्र में प्रवेश किया है, जिनमें से आधे ने इन नए उपक्रमों से अपने राजस्व का 20 प्रतिशत तक कमाया है।

सार संक्षेप

जियो ब्लैकरॉक ने एनएफओ में जुटाए 17,800 करोड़ रुपए

मुंबई। जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट) ने अपने पहले ही न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) में निवेशकों से कुल 17,800 करोड़ रुपए (2.1 अरब डॉलर) से अधिक का निवेश हासिल किया है। यह जानकारी कंपनी ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में दी। कंपनी ने तीन नकद एवं ऋण म्यूचुअल फंड लॉन्च किए थे। इनमें जियो ब्लैकरॉक ओवरनाइट फंड, जियो ब्लैकरॉक लिक्विड फंड और जियो ब्लैकरॉक मनी मार्केट फंड शामिल थे। विज्ञप्ति के अनुसार 90 से अधिक संस्थागत निवेशकों और 67,000 से अधिक व्यक्तियों ने ऑफर अवधि के दौरान इन फंडों में निवेश किया।

तमिलनाडु में ईवी चार्जिंग की बढ़ सकती है लागत

चेन्नई। तमिलनाडु विद्युत विनियामक आयोग (टीएनईआरसी) द्वारा बिजली दरों में संशोधन के बाद पूरे तमिलनाडु में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग ऑपरेटर परिचालन लागत में भारी वृद्धि हो सकती हैं। तमिलनाडु में नई बिजली दरें 1 जुलाई से प्रभावी हो गई हैं। संशोधित टैरिफ संरचना ने ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए ऊर्जा शुल्क और निश्चित मासिक शुल्क दोनों में वृद्धि की गई है, जिससे राज्य में सार्वजनिक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की आर्थिक व्यवहार्यता के बारे में ऑपरेटरों के बीच चिंता बढ़ गई है। हालांकि, टीएनईआरसी ने अपने टाइम-ऑफ-डे (टीओडी) टैरिफ मॉडल को बरकरार रखा है, जिसे पहली बार 2023 में ऑफ-पीक चार्जिंग को प्रोत्साहित करने के लिए पेश किया गया था।

वित्त वर्ष 2025 में भारत की ऋण वृद्धि दर में आई नरमी

नई दिल्ली। भारत में अग्रणी क्रेडिट ब्यूरो और ग्लोबल क्रिफ़ समूह का हिस्सा क्रिफ़ हाई मार्क ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 'हाउ इंडिया लेंड्सः एफवाई25' जारी की है। रिपोर्ट भारत के क्रेडिट लैंडस्केप में इन-डेप्थ इनसाइट्स प्रदान करती है, जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष में व्यापक आर्थिक स्थितियों, उधारकर्ता व्यवहार और ऋणदाता रणनीतियों के प्रभाव के बारे में बताया गया है। रिपोर्ट होम लोन, पर्सनल लोन, टू-व्हीलर और ऑटो लोन, कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन, क्रेडिट कार्ड लोन, माइक्रोफाइनेंस और अन्य सहित प्रमुख ऋण श्रेणियों के बारे में इन-डेप्थ इनसाइट्स देती है।

काया क्लीनिक्स ने भारत में शुरू किया ग्लोबली ट्रस्टेड नियो एलीट लेजर ट्रीटमेंट

नई दिल्ली। लेजर स्किन ट्रीटमेंट में ग्लोबल लीडर एरोलेज़ ने भारत में कदम रखते हुए अपना यूएस एफडीए-स्वीकृत नियो एलीट लेज़र ट्रीटमेंट लॉन्च किया है। यह ट्रीटमेंट भारत की प्रमुख डर्मेटोलॉजी क्लीनिक चेन काया के साथ साझेदारी में शुरू किया गया है। अब यह ट्रीटमेंट देशभर के सभी काया क्लीनिक्स में उपलब्ध होगा। यह भारत में बिना सर्जरी वाले स्किनकेयर में एक बड़ी प्रगति है। एरोलेज़ अब भारतीय स्किन की ज़रूरतों के अनुसार रिसर्च पर आधारित, एडवांस्ड और पर्सनलाइज़्ड ट्रीटमेंट उपलब्ध करवा रहा है।

खेल जगत

शुभमन गिल कप्तान की जिम्मेदारी बखूबी निभा रहे हैं: मदन लाल

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के पूर्व क्रिकेटर मदन लाल ने टेस्ट कप्तान होने के दबाव को संभालने के लिए शुभमन गिल की जमकर तारीफ की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे गिल ने टीम को जीत दिलाई और साथ ही अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन का भी ख्याल रखा। मदन लाल ने कहा, 'भारत ने दोनों टेस्ट मैचों में दबदबा बनाया। टीम इंडिया पिछले मैच में खासकर खराब फील्डिंग के कारण हारी थी, इसके अलावा उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। गेंदबाजी विभाग ने शानदार प्रदर्शन किया। हमारी गेंदबाजी इंग्लैंड की तुलना में कहीं बेहतर थी। पिछले मैच में हमने थोड़ी शॉर्ट बॉलिंग की, जिससे इंग्लैंड को लक्ष्य हासिल करने का मौका मिला।' मदन लाल ने युवा कप्तान की तारीफ करते हुए कहा, 'शुभमन गिल की चर्चा हर जगह हो रही है। वह आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं।

अगर हमारी टीम मेरे योगदान से टेस्ट सीरीज जीतती है तो मुझे खुशी होगी: शुभमन गिल

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

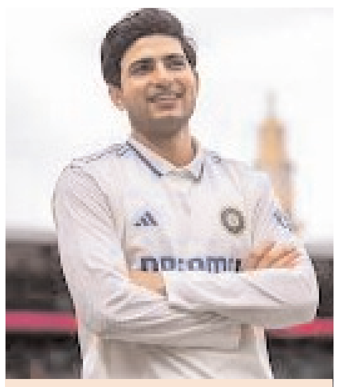

■ हमारी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण वाकई शानदार था
■ पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बना मैन ऑफ द' मैच रहे शुभमन गिल

नई दिल्ली, 7 जुलाई (देशबन्धु)। कप्तान शुभमन गिल के पहली पारी में दोहरे शतक और दूसरी पारी में शतक सहित कुल 430 रन बना और आकाश दीप के मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में दोनों पारियों में चटकाए कुल दस विकेट की बदौलत भारत ने एजबेस्टन, बर्मिंघम में रविवार रात 336 रन की बड़ी जीत के साथ एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पांच टेस्ट की क्रिकेट सीरीज में एक एक की बराबरी पा लिए। चीफ कोच गौतम गंभीर व कप्तान शुभमन गिल की जसप्रीत बुमराह को आराम देकर दूसरे टेस्ट की एकादश में शामिल तेज गेंदबाज आकाश दीप, वाशिंगटन सुंदर व नीतिश रेड्डी सहित दूसरे टेस्ट जिन तीन बदलावों के लिए कड़ी आलोचना की जा रही उनमें से आकाश दीप व सुंदर कसौटी पर खरे उतरे और भारत की जीत में अहम योगदान किया।

पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बना मैन ऑफ द' मैच रहे शुभमन गिल ने भारत की बड़ी जीत के बाद कहा, 'गेंदबाजों के लिए एजबेस्टन टेस्ट में गेंदबाजी करना बहुत मुश्किल था। पिच पर गेंद ज्यादा जल्दी ढीली हो बहुत जल्दी अपना आकार खो रही थी। मुझे नहीं मालूम यह क्या था, मौसम या पिच कुछ भी लेकिन गेंदबाजों के लिए इस पिच पर विकेट चटकाना बहुत मुश्किल हो रहा था। बतौर टीम जब आप यह जानते हैं कि विकेट लेना मुश्किल है और रन आसानी से बन रहे हैं तो बहुत सी चीजे आपके काबू से बाहर हो जाती हैं। जहां तक मेरे खेल की बात है तो मैं कहूंगा कि मैं अपने खेल को लेकर सहज महसूस कर रहा हूं। अगर हमारी टीम मेरे योगदान से टेस्ट सीरीज जीतती है तो मुझे खुशी होगी। मैं एक बल्लेबाज के तौर पर खेलना चाहता हूं। बल्लेबाज के तौर पर सोचना चाहता हूं। पहले टेस्ट के बाद हमने जो कुछ भी किया सही किया। हमारी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण वाकई शानदार थी। जब आप कप्तान होते हैं तो तब आपको अनुकरणीय खेल दिखाने की जरूरत होती है जिससे कि जब कोई अन्य खिलाड़ी इस स्थिति में हो आप उसका मार्गदर्शन कर सकें। आपको अपने मन की करने की बजाय खुद से पहले टीम को रखना होता है। मैं अच्छी गेंद पर आउट हो जाउ तो भले हो जाउ लेकिन मैं लंबे से लंबा खेलना चाहता हं। बेशक दूसरा टेस्ट भी पांच दिन तक चला लेकिन हमारी भारतीय टीम इतने लंबे टेस्ट मैच खेलने की आदत नहीं है।बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में अच्छी बात यह रही कि हम इसमें ज्यादा समय तक बल्लेबाजी कर रहे थे न कि गेंदबाजी।

शुभमन ने कहा,' यहां तक पहली पारी में हमने लगभग एक दिन यानी 90 ओवर फील्डिंग की और हमारे लिए यह अच्छा ही रहा। अब मौजूदा टेस्ट सीरीज के बाकी आगामी टेस्ट मैचों में हम यदि निरंतर 300 अथवा 400 के करीब रन बनाते हैं तो हम हमेशा टेस्ट में बने रहेंगे। हमारे तेज गेंदबाज आकाशदीप और मोहम्मद सिराज ने धारदार गेंदबाजी दूसरे टेस्ट में दोनों पारियों में कुल मिलाकर आपस में 17 विकेट बांटे जो अपने आप में तब एक बड़ी उपलब्धि है और उन्होंने यह कामयाबी जसप्रीत बुमराह भाई के बिना हासिल की। दूसरे टेस्ट से पहले बहुत सवाल थे कि क्या हम इसमें इंग्लैंड के 20 विकेट चटका पाएंगे? जिस तरह आकाश दीप और सिराज ने मिलकर दोनों पारियों में इंग्लैंड को आउट किया वह वाकई शानदार था और मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं।'

इंग्लैंड वैसा नहीं खेल पाई, जैसा हम चाहते थे : ब्रैंडन मैकुलम

बर्मिंघम। एजबेस्टन में खेले गए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में भारत के हाथों 336 रनों से करारी हार झेलने के बाद इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने स्वीकार किया कि मेजबान टीम अपनी इच्छानुसार नहीं खेल पाई और टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला गलत साबित हुआ। रिकॉर्ड 608 रनों का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम पांचवें दिन दूसरे सत्र से में 271 रन पर सिमट गई। भारत की सीरीज बराबर करने वाली जीत में कप्तान शुभमन गिल ने पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए, जबकि आकाश दीप ने मैच में 10 विकेट लिए। ब्रैंडन मैकुलम ने कहा, 'हम पांच दिनों तक दूसरे नंबर पर रहे। भारत ने असाधारण खेल दिखाया। शुभमन गिल ने इस पिच पर शानदार प्रदर्शन किया। हम इस पर वैसा नहीं खेल पाए जैसा हम खेलना चाहते थे और भारत पूरी तरह से जीत का हकदार था।'

ईस्ट बंगाल व साउथ यूनाइटेड के बीच होगा डूरंड कप फुटबॉल का उद्घाटन मैच

शिरकत करने वाली टीमों चार चार टीमों के छह ग्रुप में बांटा गया

नई दिल्ली, 7 जुलाई (देशबन्धु)। ईस्ट बंगाल और साउथ युनाइटेड के बीच ग्रुप ए के कोलकाता में 23 जुलाई को खेले जाने वाले उदघाटन मैच से देश के सबसे पुराने 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप की का आगाज होगा। दोनों टीमों के बीच यह उद्घाटन मैच कोलकाता के प्रतिष्ठित विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (साल्ट लेक स्टेडियम) में खेला जाएगा। डूरंड कप एक महीने तक चलेगा और इसमें कुल 43 मैच होंगे और फाइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा।

टूर्नामेंट के ग्रुप और कार्यक्रम की घोषणा सोमवार को की गई, जिससे एक बार फिर भारतीय फुटबॉल की परंपरा और जुनून को देखने का अवसर मिलेगा। इसमें शिरकत करने वाली टीमों चार चार टीमों के छह ग्रुप में बांटा गया है। छहों ग्रुप की विजेता और दो सर्वश्रेष्ठ उप विजेता टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी, जो 16 और 17 अगस्त को खेले जाएंगे। सेमीफाइनल 19 और 20 अगस्त को होंगे। फाइनल 23 अगस्त, शनिवार को खेला जाएगा। नॉकआउट दौर के मैचो के स्थानो की घोषणा जल्द की जाएगी।

कोलकाता में ग्रुप ए और बी के मुकाबले होंगे। ईस्ट बंगाल के शुरुआती मैच के बाद इंडियन एयर फोर्स फुटबॉल टीम और आई-लीग क्लब नामधारी एफसी क्रमश: 27 और 30 जुलाई को एसयूएफसी के खिलाफ अपना अपना पहला मैच खेलेगी। ग्रुप बी का आगाज 28 जुलाई को मोहम्मडन एससी और डायमंड हार्बर एफसी के मैच से होगा जो कि भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा। इसके बाद 31 जुलाई को इसी मैदान में आईएसएल चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट और मोहम्मडन एससी के बीच बहुप्रतीक्षित मैच होगा।बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स फुटबॉल टीम 1 अगस्त को डायमंड हार्बर के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।

ग्रुप सी की शुरुआत जमशेदपुर में 24 जुलाई को होगी, जहां जमशेदपुर एफसी, नेपाल की त्रिभुवन आर्मी एफटी के खिलाफ जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेलेगी। इंडियन आर्मी एफटी और 1 लद्दाख एफसी क्रमश: 29 जुलाई और 2 अगस्त को अपना पहला मुकाबला खेलेंगे.। कोकराझार ग्रुप डी की मेज़बानी करेगा, जिसमें आईएसएल क्लब पंजाब एफसी, असम की करबी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार एफसी, स्थानीय बोडोलैंड एफसी और इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस एफटी (आईटीबीपी एफटी) शामिल हैं। आईटीबीपी और कार्बी आंगलोंग के बीच पहला मैच 27 जुलाई को होगा। बोडोलैंड एफसी 31 जुलाई को अपना पहला मैच खेलेगा, जबकि पंजाब एफसी 3 अगस्त को मैदान में उतरेगा।

ग्रुप ई की शुरुआत शिलॉन्ग में 26 जुलाई को होगी, जहां मेजबान शिलॉन्ग लाजोंग एफसी का सामना फॉरेन सर्विस टीम से होगा। गत विजेता नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी 2 अगस्त को फॉरेन सर्विस टीम के खिलाफ अपने खिताब की रक्षा शुरू करेगा। शिलॉन्ग डर्बी 29 जुलाई को लाजोंग और रंगदाजीद यूनाइटेड एफसी के बीच खेली जाएगी। ग्रुप एफ की मेज़बानी इंफाल करेगा, जहां 30 जुलाई को ट्राउ एफसी और नेरोका एफसी के बीच स्थानीय डर्बी से शुरुआत होगी। इंडियन नेवी एफटी और रियल कश्मीर एफसी 2 अगस्त को अपना अभियान शुरू करेंगे। अंतिम ग्रुप चरण मुकाबला 12 अगस्त को कोकराझार में बोडोलैंड एफसी और आईटीबीपी एफटी के बीच खेला जाएगा। आईएसएल क्लबों, प्रमुख सर्विसेज़ टीमों और क्षेत्रीय चहेते क्लबों की भागीदारी के साथ, 134वां इंडियन ऑयल डूरंड कप न सिर्फ भारतीय फुटबॉल की विरासत का जश्न मनाएगा बल्कि देश भर की प्रतिभाओं को मंच देने का अवसर भी प्रदान करेगा।

साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट में कप्तानी करते हुए वियान मुल्डर ने तिहरा शतक जड़कर रचा इतिहास

बुलावायो, 7 जुलाई (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज वियान मुल्डर ने तिहरा शतक जड़कर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 334 गेंदों में नाबाद 367 रन बनाए। पारी के दौरान 49 चौके और चार गगनचुंबी छक्के जड़े। केशव महाराज की अनुपस्थिति में वियान मुल्डर को टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई। टेस्ट में पहली बार कप्तानी कर रहे 27 वर्षीय ऑलराउंडर ने पहले दिन शानदार बल्लेबाजी की और नाबाद 264 रन बनाए। इसके अगले दिन जब खेल शुरू हुआ तो उन्होंने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और लंच तक नाबाद 367 रन बना लिए। दक्षिण अफ्रीका के लिए किसी बल्लेबाज की ओर से यह स्कोर अब तक का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन 24 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद मुल्डर ने अपनी पहली कप्तानी पारी में बहुत धैर्य दिखाया। उन्होंने कमजोर गेंदों को सीमा रेखा के पार पहुंचाया। उन्होंने डेविड बेडिंगम के साथ 184 रन और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस के साथ चौथे विकेट के लिए केवल 185 गेंदों पर 217 रन की शानदार साझेदारी की। यह दक्षिण अफ्रीका के लिए घर से बाहर चौथे विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

मुल्डर ने टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले दिन 264 रन बनाए, जो किसी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा टेस्ट के पहले दिन बनाया गया सर्वाधिक स्कोर और विश्व में ओपनिंग डे पर दूसरा सर्वाधिक स्कोर है। दूसरे दिन उन्होंने तेजी से बल्लेबाजी जारी रखी और 297 गेंदों में तिहरा शतक (300 रन) पूरा किया, जो टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे तेज तिहरा शतक है। इस उपलब्धि के साथ वे हाशिम अमला के बाद यह मुकाम हासिल करने वाले दूसरे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज बने।

आईसीसी ने जून महीने में 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के लिए मार्करम, रबाडा और निसांका के नाम की घोषणा की

दुबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज एडेन मार्करम, तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और श्रीलंका क्रिकेट टीम के उभरते हुए सितारे पथुम निसांका को जून 2025 के लिए पुरुष कैटेगरी में 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार देने की घोषणा की। आईसीसी ने पुरुष के अलावा महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार के लिए नामांकित खिलाड़ियों की भी घोषणा की।

मार्कराम ने लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी। गेंद से स्टीव स्मिथ का महत्वपूर्ण विकेट लेने के बाद, मार्कराम ने शानदार 136 रन बनाकर प्रोटियाज को 282 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने में मदद की। वियान मुल्डर और चोटिल कप्तान टेम्बा बावुमा के साथ उनकी साझेदारी ने दक्षिण

अफ्रीका को 27 वर्षों में पहली बार आईसीसी पुरुष ट्रॉफी जीतने में मदद की।

रबाडा ने अपनी आक्रामक शैली का जोरदार प्रदर्शन करते हुए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में दक्षिण अफरीका के गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया। उन्होंने पहली पारी में 49 रन देकर 5 विकेट लिए। उन्होंने इस प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका के प्रमुख टेस्ट विकेट लेने वालों की सूची में पूर्व गेंदबाज एलन डोनाल्ड को पीछे छोड़ दिया। रबाडा ने मैच में कुल नौ विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को ज्यादा खुलकर शॉट्स खेलने का मौका नहीं दिया। जिससे ऑस्ट्रेलिया बड़ा स्कोर करने में सफल नहीं हो पाई। पहली पारी में कम स्कोर के बाद दक्षिण अफ्रीका को मुकाबले में बनाए रखने में रबाडा की गेंदबाजी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जीत के दौरान पथुम निसांका श्रीलंका के स्टार बल्लेबाज थे। उन्होंने पहले टेस्ट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 187 रन की पारी खेली और अपनी टीम को मैच ड्रॉ कराने में मदद की और दूसरे टेस्ट में 158 रन बनाकर श्रीलंका को पारी और 78 रन से जीत दिलाई। निसांका ने बेहतरीन निरंतरता और धैर्य दिखाते हुए सीरीज का अंत शीर्ष स्कोरर के रूप में किया। आईसीसी की ओर से महिला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स और दो वेस्टइंडीज मूल की खिलाड़ी, हेले मैथ्यूज और अफी फ्लेचर शामिल हैं। ब्रिट्स के लिए यह महीना सभी प्रारूपों में प्रभावशाली रहा।

इंग्लैंड की 'बैजबॉल' शैली से दुखी माइकल वॉन, टीम को दे डाली नसीहत

बर्मिंघम, 7 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड को एजबेस्टन में भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट 336 रन से गंवाना पड़ा, जिससे पूर्व कप्तान माइकल वॉन दुखी हैं। उनका मानना है कि हेडिंग्ले में 'बैजबॉल विद ब्रेन' के बाद मेजबान टीम फिर से अपने पुराने ढर्रे पर आ गई है। माइकल वॉन ने सोमवार को 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा, 'ईमानदारी से कहें, तो इस हफ्ते इंग्लैंड की टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा है। तीसरे दिन चार घंटे के खेल को छोड़कर, जिसमें हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ ने शानदार बल्लेबाजी की, भारत ने इंग्लैंड पर पूरी तरह से दबदबा बनाया। यह ऐसा प्रदर्शन था, जिसने मुझे बहुत चिंतित किया।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे डर है कि इंग्लैंड ने पहले मैच को टेस्ट क्रिकेट खेलने के तरीके के पूर्ण प्रमाण के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने पहले टेस्ट के दौरान जीत में शानदार स्किल दिखाई, लेकिन इसमें काफी हद तक भाग्य भी शामिल था। इंग्लैंड की टीम यहां (एजबेस्टन) आई और सोचा कि उन्हें सबकुछ उसी तरह करना चाहिए, लेकिन यह उल्टा पड़ गया।' पूर्व कप्तान ने कहा, 'आपको अपनी पूरी रणनीति एक हफ्ते के प्रदर्शन पर आधारित नहीं करनी चाहिए, खासकर तब जब किस्मत ने भी साथ दिया हो।

माही के घर के बाहर पहुंचे फैंस, केक काटकर मनाया जन्मदिन

रांची, 7 जुलाई (एजेंसियां)। महेंद्र सिंह धोनी सोमवार को अपना 44वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर अपने इस हीरो को बधाई देने फैंस रांची स्थित माही के घर के बाहर एकत्रित हुए, जहां उन्होंने केक काटकर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान का जन्मदिन मनाया। सानिया सिंह एक युवा क्रिकेटर हैं। उन्होंने कहा, 'मैं क्रिकेट एकेडमी में खेलती हूं। मेरे कोच धोनी सर के बड़े फैन हैं। मैं भी उनकी बड़ी फैन हूं। सभी प्रोफेशनल क्रिकेटर्स के लिए धोनी प्रेरणा हैं। मैं चाहती हूं कि उनके जैसी ही खिलाड़ी बनूं।' धोनी के एक अन्य फैन ऋषभ राज ने कहा, 'हम धोनी का जन्मदिन मनाने के लिए उनके घर के बाहर खड़े हैं। यहां बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक मौजूद हैं। हम चाहते हैं कि माही ऐसे ही फिट बने रहें और पूरे देश को प्रेरित करते रहें।' धोनी के जन्मदिन पर सुबोध नामक एक फैन ने कहा, 'हमने यहां केक कटिंग की और लोगों के बीच इसे बांटा।

ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को मौका देना डीडीसीए का उद्देश्य : रोहन जेटली

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली प्रीमियर लीग-2025 के लिए सोमवार को महिला खिलाड़ियों की नीलामी हुई। इस मौके पर दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा है कि संघ का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को मौका देना है। रोहन जेटली ने कहा, 'डीपीएल को लेकर हमें शानदार रिस्पॉन्स मिला है। हमने पुरुष लीग में दो टीमें जोड़ी हैं। विमेंस टीम में पूल को बढ़ाया गया है, ताकि ज्यादा खिलाड़ियों को ऑक्शन में मौका मिल सके।'

उन्होंने आगे कहा, 'पहले हम सालभर में करीब 1,000 मैच करवाते थे, लेकिन अब इसकी संख्या 1,800 हो चुकी है। हमारे पास अंडर-16, अंडर-19, ओपन लीग, प्रोफेशनल टी20 लीग, डीपीएल जैसे आयोजन हैं। इसके अलावा महिलाओं के लिए भी क्लब लेवल क्रिकेट की शुरुआत की गई है। हम खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा मौके देना चाहते हैं।' इस मौके पर डीडीसीए के डायरेक्टर श्याम सुंदर शर्मा ने कहा, 'जब रोहन जेटली डीडीसीए के अध्यक्ष बने, तो वह एक ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार करना चाहते थे, जहां दिल्ली के बच्चों का टैलेंट लोगों को दिखे। हमने पिछले साल डीपीएल की शुरुआत की, जो बेहद सफल रहा। मैच के दौरान 20-22 हजार फैंस आए। खिलाड़ियों को शानदार प्लेटफॉर्म मिला। इसी प्लेटफॉर्म से निकलकर कुछ खिलाड़ी आईपीएल खेले। हम चाहते हैं कि इस बार और ऊपर जाएं और कम से कम 10 खिलाड़ी भारतीय टीम का दरवाजा खटखटाएं।'

सौरव गांगुली : एक जौहरी, जिसने बदल दी भारतीय क्रिकेट की तस्वीर

गांगुली एक आक्रामक कप्तान थे। उनकी कप्तानी में भारत ने बेखौफ अंदाज में खेलने की संस्कृति अपनाई

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के इतिहास में अब तक कई कप्तान आए हैं। सभी ने अपने-अपने कार्यकाल में टीम के लिए बेहतर करने की कोशिश की। लेकिन, जिस कप्तान ने अपनी नेतृत्व क्षमता से भारतीय क्रिकेट की तस्वीर बदल दी और टीम को दुनिया की शीर्ष और मजबूत टीमों में शुमार कराया उसका नाम सौरव गांगुली है। सौरव गांगुली को 2000 में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। यह वह दौर था जब टीम फिक्सिंग के आरोपों से जूझ रही थी। प्रदर्शन के आधार पर विश्व विजेता टीम होने के बाद भी कमजोर टीमों में गिनी जाती थी। विदेशों में जीत भारतीय टीम के लिए सपना हुआ करती थी। लेकिन, गांगुली ने अपनी नेतृत्व क्षमता, खिलाड़ियों की परख और उनसे प्रदर्शन निकलवाने की काबिलियत के दम पर भारतीय क्रिकेट का चेहरा ही बदल दिया। कप्तान बनने के बाद सौरव गांगुली ने उन खिलाड़ियों को मौका दिया जिन्होंने आगे चलकर भारतीय क्रिकेट की तस्वीर ही बदल दी। इन खिलाड़ियों में युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ, हरभजन सिंह, जहीर खान, आशीष नेहरा, गौतम गंभीर, एम. एस. धोनी, और वीरेंद्र सहवाग जैसे नाम प्रमुख हैं। ये सभी खिलाड़ी आज भारतीय क्रिकेट के श्रेष्ठतम खिलाड़ियों में शुमार होते हैं। इसके पीछे गांगुली की पारखी नजर थी।

गांगुली को 2000 में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी

गांगुली एक आक्रामक कप्तान थे। उनकी कप्तानी में भारत ने बेखौफ अंदाज में खेलने की संस्कृति अपनाई। इस वजह से टीम को टेस्ट और वनडे दोनों ही फॉर्मेट में बड़ी सफलता मिली। 2000 में फिक्सिंग के आरोपों का सामना कर रही भारतीय टीम इसी साल गांगुली की कप्तानी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल खेली, 2002 में संयुक्त रूप से श्रीलंका के साथ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की विजेता रही, और 2003 में वनडे विश्व कप का फाइनल खेला। सौरव गांगुली की कप्तानी में भारत ने विदेश में जीतना सीखा। नेटवेस्ट ट्रॉफी (2002) इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसमें भारत ने फाइनल में इंग्लैंड को उसकी धरती पर हराया। भारत ने टेस्ट में विदेश में अपना प्रभाव जमाना और जीतना गांगुली के दौर में ही सीखा। गांगुली 2005 तक कप्तान रहे। 5 साल के अपने कार्यकाल में फिक्सिंग के आरोपों का सामना करने वाली टीम को उन्होंने दुनिया की मजबूत क्रिकेट टीम बनाया।

गांगुली ने धोनी को दिनेश कार्तिक पर प्राथमिकता दी थी। धोनी न सिर्फ भारत के सर्वश्रेष्ठ और सफलतम कप्तान बने बल्कि दुनिया के सफलतम विकेटकीपर बल्लेबाज भी बने। धोनी ने 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप अपनी कप्तानी में जीता। इसमें अहम भूमिका उन खिलाड़ियों की रही, जिनके करियर की उड़ान गांगुली की कप्तानी में शुरू हुई थी। युवराज, सहवाग, हरभजन और गंभीर इन सभी का दोनों विश्व कप जीतने में अहम योगदान रहा था। गांगुली जब बीसीसीआई अध्यक्ष थे, तब विराट की जगह रोहित शर्मा को कप्तान बनाने का उन्होंने निर्णय लिया। इसका परिणाम हमें टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के खिताब के रूप में मिला।

सार संक्षेप

जमशेदपुर में 'डूरंड कप ट्रॉफी' का अनावरण, राज्यपाल ने बताया झारखंड के लिए गर्व का क्षण

जमशेदपुर। 134वें डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट की शुरुआत 23 जुलाई से हो रही है, जिसकी ट्रॉफी का अनावरण सोमवार को एक्सएलआरआई ऑडिटोरियम में किया गया। इस मौके पर राज्यपाल संतोष गंगवार ने डूरंड कप जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन को झारखंड के लिए गर्व का क्षण बताया है। इस फुटबॉल टूर्नामेंट में 24 टीम भाग ले रही हैं। जमशेदपुर के जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में छह मुकाबले खेले जाने हैं। सोमवार को एक्सएलआरआई ऑडिटोरियम में ट्रॉफी टूर कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल संतोष गंगवार और शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में फुटबॉल फैंस उपस्थित थे। राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा, 'इस मौके पर न सिर्फ जमशेदपुर, बल्कि पूरा झारखंड गौरवान्वित महसूस कर रहा है। एशिया के सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट में शामिल डूरंड कप की चमचमाती ट्रॉफी का अनावरण इस बात का प्रतीक है कि झारखंड की खेल संस्कृति निरंतर नई ऊचाइयों को छू रही है।'

अब महाराष्ट्र क्रिकेट टीम के लिए खेलेंगे पृथ्वी शॉ, हो गया आधिकारिक ऐलान

पुणे। क्रिकेटर पृथ्वी शॉ लंबे वक्त से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल सके हैं। अब उन्होंने घरेलू स्तर पर मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को अलविदा कहते हुए आगामी सत्र से महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के लिए खेलने का फैसला किया है। अपने फैसले के बारे में पृथ्वी शॉ ने कहा, 'करियर के इस मोड़ पर, मैंने एक क्रिकेटर के रूप में अपनी ग्रोथ और डेवलपमेंट के लिए महाराष्ट्र टीम की ओर से खेलने का फैसला किया है। मैं एक बार फिर मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से अब तक मिले अवसरों और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता हूं।' उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन पिछले कुछ वर्षों से पूरे राज्य में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की खास कोशिशें कर रहा है। महाराष्ट्र प्रीमियर लीग, महिला एमपीएल, कॉर्पोरेट शील्ड, डीबी देवधर ट्रॉफी जैसे इवेंट्स इसके प्रमाण हैं। इसलिए, मेरा मानना है कि इस तरह के माहौल में खेलना मेरे करियर को एक नया मोड़ देगा।'

एमएलसी 2025: एमआई न्यूयॉर्क की सीजन में सातवीं हार

नई दिल्ली। वाशिंगटन फ्रीडम ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के 29वें मैच को अपने नाम किया। इस टीम ने फ्लोरिडा में एमआई के खिलाफ खेले गए मुकाबले को छह विकेट से जीता। गीली आउटफील्ड के चलते यह मुकाबला 18-18 ओवरों का था। पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी वाशिंगटन ने इस सीजन 10 में से आठ मैच अपने नाम किए हैं। टीम प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पायदान पर है, जबकि 10 में से सात मुकाबले गंवा चुकी एमआई न्यूयॉर्क की टीम चौथे स्थान पर प्लेऑफ की टिकट हासिल करने की जंग लड़ रही है।